संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 19,अंक -326 शुक्रवार ,29 सितम्बर 2023 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

अगर जांच में कुछ नहीं मिला तो क्या पीएम इस्तीफा देंगे ?

केजरीवाल ने सीएम हाउस रेनोवेशन मामले में तोड़ी चुप्पी

नई दिल्ली,28 सितम्बर 2023(ए)।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सीएम हाउस रेनोवेशन मामले में चुप्पी तोड़ी है। घर के नवीनीकरण से जुड़े आरोपों पर अरविंद केजरीवाल ने चुनौती देते हुए पूछा कि अगर केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को अपनी जांच में कुछ नहीं मिला तो क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने पद से इस्तीफा देंगे? अरविंद केजरीवाल की यह टिप्पणी सीबीआई जांच के आदेश के एक दिन बाद आई है। आरोप है कि दिल्ली सरकार ने उनके आवास के नवीनीकरण पर 45 करोड़ रुपये खर्च किए हैं।

सीबीआई करेगी सीएम हाउस की जांच

एक दिन पहले दिल्ली सीएम आवास में कथित घोटाले की सीबीआई जांच के गृह मंत्रालय ने आदेश दिए हैं। वहीं अब अपने बयान में दिल्ली सीएम केजरीवाल ने कहा कि वह सीबीआई जांच का स्वागत करते हैं, लेकिन उन्हें कुछ मिलने वाला नहीं है।

एक दिन पहले दिल्ली सीएम आवास में कथित घोटाले की सीबीआई जांच के गृह मंत्रालय ने आदेश दिए हैं। वहीं अब अपने बयान में दिल्ली सीएम केजरीवाल ने कहा कि वह सीबीआई जांच का स्वागत करते हैं, लेकिन उन्हें कुछ मिलने वाला नहीं है।

प्रधानमंत्री घबराए हुए हैं-केजरीवाल

केजरीवाल ने अपने बयान में कहा कि ऐसा पहली बार नहीं है। प्रधानमंत्री घबराए हुए हैं, अब तक पचास से ज्यादा जांच हो गई है। हम पर 33 से ज्यादा केस दर्ज किए गए हैं। सभी तरह की जांच कर ली गई लेकिन उन्हें कुछ नहीं मिला।

पीएम मोदी को दी चुनौती

उन्होंने आगे कहा कि केजरीवाल झुकने वाला नहीं है, जितनी फर्जी जांच शुरु हो जाए। मेरी चौथी पास राजा को चुनौती है। अगर इस जांच में कुछ नहीं मिला तो क्या प्रधानमंत्री इस्तीफा देंगे? केजरीवाल ने पीएम मोदी को घेरते हुए कहा कि एक चौथी पास राजा से और उम्मीद भी क्या की जा सकती है? 24 घंटे बस इंक्रायरी-इंक्रायरी का गेम खेलते रहते हैं, या फिर भाषण देते रहते हैं। काम तो कुछ करते नहीं। वो चाहते हैं कि मैं भी दूसरे नेताओं और पार्टियों की तरह उनके साथ मिल जाऊं। पर मैं इनके सामने झुकने वाला नहीं, चाहे वो मेरी जितनी मर्जी फर्जी इंक्रायरी करवा लें, जितने मर्जी केस कर लें।

उन्होंने कहा कि मैं भी उन्हें चैलेंज देता हूं- जैसे पिछली सारी जांचों में कुछ नहीं निकला, वैसे ही अगर इस इंक्रायरी में भी कुछ नहीं निकला तो क्या झूठी इंक्रायरी करने के जुर्म में इस्तीफा देंगे?

पिछड़ों का आरक्षण भाजपाई खा रहे : लालू

पटना,28 सितम्बर 2023(ए)।

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव ने देश के 45 केंद्रीय विश्वविद्यालयों में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के प्रोफेसर की संख्या महज चार प्रतिशत रहने से संबंधित रिपोर्ट को लेकर आज भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर हमला बोला और कहा कि पिछड़ों का आरक्षण भाजपाई खा रहे हैं। श्री यादव ने गुरुवार को सोशल नेटवर्किंग साइट 'एक्स' पर इस संबंध में प्रकाशित रिपोर्ट की प्रति के साथ टिप्पणी की ।

रमेश बिधूड़ी को नफरत फैलाने का मिला इनाम

- राजस्थान में चुनावी जिम्मेदारी देने पर दानिश अली ने कसा तंज...
- दानिश अली का भाजपा पर हमला
- अली बोले-भाजपा ने बिधूड़ी को पुरस्कृत किया

नई दिल्ली,28 सितम्बर 2023(ए)।

भाजपा ने विवादित टिप्पणी मामले में घिर सांसद रमेश बिधूड़ी को राजस्थान के टोंक में चुनावी जिम्मेदारी सौंपी है। इसको लेकर आज बसपा सांसद दानिश अली ने बिधूड़ी और भाजपा पर निशाना साधा है। दानिश ने कहा कि नफरत फैलाने वाले को भाजपा ने पुरस्कृत किया है।

भाजपा का असली चेहरा उजागर

दानिश अली ने कहा कि भाजपा ने अपना असली चरित्र दिखा दिया है। हालांकि, अली ने यह भी कहा कि उन्हें उम्मीद है कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला सदन और संविधान की परंपराओं के अनुरूप बिधूड़ी के खिलाफ कार्रवाई करेंगे।

बिधूड़ी ने की थी आपत्तिजनक टिप्पणी

पिछले गुरुवार को संसद में चंद्रयान-3 मिशन की सफलता पर चर्चा के दौरान भाजपा सांसद रमेश बिधूड़ी ने दानिश अली पर निशाना साधते हुए कई आपत्तिजनक टिप्पणियां की थी। बिधूड़ी ने दानिश को आतंकी तक कहा था, जिसके बाद विपक्षी नेताओं ने भाजपा सांसद के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की थी। दानिश ने और क्या कहा दानिश अली ने बिधूड़ी को टौंक की जिम्मेदारी मिलने पर कहा,अमरोहा से सांसद दानिश ने कहा कि यह भाजपा की गलतफहमी है कि वे ऐसे लोगों को बढ़ावा देकर हिंदुओं के वोट पा लेगी।

घर पर फहराया पाकिस्तान का झंडा

बाप-बेटा गिरफ्तार; देशद्रोह का मुकदमा दर्ज

मुरादाबाद ,28 सितम्बर 2023(ए)।

उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में एक बहुत ही हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है। जहां एक घर पर पाकिस्तान का झंडा फहराए जाने का मामला सामने आया है। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने का बाद पुलिस हरकत में आई और मौके पर पहुंची। फिलहाल, पुलिस ने पाकिस्तान के झंडे को घर से उतरवा दिया है। साथ ही मकान मालिक व उसके बेटे के खिलाफ देशद्रोह का मुकदमा दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया है।

बता दें कि पूरा मामला भगतपुर थाना क्षेत्र गांव बुढ़ानपुर अलीगंज का है, जहां कपड़े का काम करने वाले रईस के घर पर पाकिस्तान का झंडा लगाए जाने की सूचना पुलिस को मिली थी। इसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंच कर इसकी फोटोग्राफी व वीडियोग्राफी की और फिर उसके बाद झंडे को उतरवा दिया। इसके उपरांत रईस (45) और उसके बेटे सलमान (25) को गिरफ्तार कर लिया गया। दोनों पर धारा 153 ए, 153 बी के तहत देशद्रोह का मुकदमा दर्ज किया गया है। एलआईयू के साथ-साथ पुलिस और अन्य एजेंसी भी गिरफ्तार किए गए पिता-पुत्र से पूछताछ कर रही हैं। अब उनको कोर्ट में पेश किया जाएगा। मामले में स्स्क हेमराज मीणा ने बताया कि आरोपी और उसके बेटे पर पाकिस्तानी ध्वज को अपने घर की छत पर फहराने का आरोप है। इसके कुछ फोटोज और वीडियोज भी सामने आए हैं। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने जांच के बाद कार्रवाई की है। गुरुवार (28 सितंबर) को उन्हें कोर्ट में पेश किया जाएगा।

5 किलो का गणेश लड्डू 1 करोड़ 26 लाख रुपए में नीलाम,बना रिकॉर्ड

हैदराबाद,28 सितम्बर 2023(ए)।

हैदराबाद के बंदलागुडा में इस बार गणेश लड्डू की नीलामी ने नया रिकॉर्ड बनाया है। इस बार यहां 5 किलो के गणेश लड्डू की नीलामी 1 करोड़ 26 लाख रुपए में हुई है। दरअसल, हैदराबाद के बंडलागुड़ा में पिछले 10 साल से विनायक महोत्सव का भव्य आयोजन होता आ रहा है। इस साल भी कीर्ति रिचमंड विला में गणेश महोत्सव समिति ने 11 दिनों तक भगवान गणेश की पूजा अर्चना की गई।

इस दौरान यहां हर साल गणेश लड्डू की निलामी होती है। पिछले साल गणेश लड्डू की निलामी 60.48 लाख में हुई थी, लेकिन इस साल एक करोड़ 26 लाख यानि पिछले साल से दोगुने कीमत में गणेश लड्डू की नीलामी हुई। नीलामी की रकम समाज सेवा के कार्यों में किया जाएगा। गणेश लड्डू की नीलामी ने इस बार नया रिकॉर्ड बनाया है।

नीलामी सनसिटी में रिचमंड विला सोसायटी में हुई। सोसायटी की महिलाओं का एक समूह मिठाई खरीदने के लिए एकत्र हुआ। आयोजकों ने कहा कि इस पैसे का इस्तेमाल चैरिटी कार्यों में किया जाएगा। इस बीच, प्रसिद्ध 21 किलोग्राम बालापुर गणेश लड्डू 27 लाख रुपए में नीलाम हुआ। तुर्कयमजल के दसारी दयानंद रेड्डी, जिन्होंने इस साल इसे खुली नीलामी में खरीदा था, अपनी जीत से खुश थे क्योंकि आखिरी बार वह मामूली अंतर से हार गए थे।

एमआईडीसी को महाराष्ट्र के सभी पांच हवाई अड्डे वापस लेने के निर्देश

मुंबई ,28 सितम्बर 2023(ए)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम (एमआईडीसी) को राज्य के नांदेड़, लातूर, धाराशिव, यवतमाल और बारामती के सभी पांच हवाई अड्डों को अपने कब्जे में लेने का निर्देश दिया है, जो एक निजी कंपनी को पट्टे पर दिए गए थे। पवार ने एमआईडीसी द्वारा विकसित किए जा रहे हवाई अड्डों के कार्यों की समीक्षा के लिए मंत्रालय में आयोजित बैठक में कहा कि पिछले 14 वर्षों से अब तक इन स्थानों

पर हवाई सेवा शुरू नहीं हो सकी है। उन्होंने महानगरीय हवाई अड्डों पर बोझ कम करने के लिए राज्य के छोटे शहरों में हवाई सेवा शुरू करने पर जोर दिया। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि जहां हवाई अड्डे के लिए जगह उपलब्ध हो, वहां ढांचागत सुविधाएं बनाई जाएं। उन्होंने कुछ हवाई अड्डों पर रनवे का विस्तार करने और कुछ स्थानों पर रात्रि लैंडिंग सुविधा शुरू करने का भी निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि इससे न केवल ट्रैफिक जाम की समस्या को कम करने में मदद मिलेगी ही और नागरिकों को किफायती दामों पर हवाई यात्रा करने की सुविधा भी मिलेगी।

ईडी ने अभिषेक बनर्जी को भेजा नोटिस

नई दिल्ली,28 सितम्बर 2023(ए)।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कोलकाता में स्कूल नौकरी घोटाला मामले में पूछताछ के लिए तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के वरिष्ठ नेता अभिषेक बनर्जी को तीन अक्टूबर को तलब किया है। बनर्जी ने बृहस्पतिवार को कहा कि संयोग से इसी दिन महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार योजना (मनरेगा) के तहत राज्य का बकाया रोकने के केंद्र के फैसले के खिलाफ दिल्ली में पार्टी विरोध प्रर्दशन करने वाली है जिसका नेतृत्व उन्हें करना है। टीएमसी नेता ने दावा किया कि इससे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का डर उजागर हो गया है। टीएमसी सांसद ने केंद्रीय एजेंसी द्वारा उन्हें भेजे गए पत्र को 'एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर साझा किया। बनर्जी ने कहा, ''इस महीने की शुरुआत में, ईडी ने मुझे दिल्ली में विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडिया की एक महत्वपूर्ण समन्वय बैठक के दिन तलब किया था। मैंने समन का पालन किया और उपस्थित हुआ था। बनर्जी ने पोस्ट किया, ''अब एक बार फिर, आज उन्होंने मुझे उस दिन पेश होने के लिए एक और समन भेजा है जब पश्चिम बंगाल के वाजिब बकाये के लिए तीन अक्टूबर को दिल्ली में विरोध प्रदर्शन होना है। यह उन लोगों की हताशा को उजागर करता है जो वास्तव में परेशान,डरे हुए हैं।

बीजेपी के 20 साल के शासन में महिलाएं सुरक्षित नहीं

भोपाल,28 सितम्बर 2023(ए)।

मध्य प्रदेश के उज्जैन में लड़की से रेप की घटना को लेकर कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाद्रा ने गुरुवार को राज्य की बीजेपी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के 20 साल के शासनकाल में बच्चियां, महिलाएं और आदिवासी सुरक्षित नहीं हैं। सोमवार को उज्जैन की सड़कों पर एक 12 साल की लड़की खून से लथपथ मिली। मेडिकल जांच में उसके साथ दुष्कर्म होने की पुष्टि हुई है।इस बारे में प्रियंका गांधी ने अपने ट्विटर अकाउंट से ट्वीट किया है। इस घटना को लेकर आक्रोश व्यक्त किया गया है। उज्जैन शहर में भगवान महाकाल द्वारा एक छोटी लड़की के साथ की गई क्रूरता मन को झकझोर देने वाली है। यातना के बाद, वह

मदद के लिए ढाई घंटे तक घर-घर भटकती रही और बाद में सड़क पर बेहोश हो गई, लेकिन मदद नहीं मिल सकी।

मध्य प्रदेश में यह कानून व्यवस्था और महिलाओं की सुरक्षा? भाजपा के 20 साल के शासन के बाद भी भारत में महिलाएं, आदिवासी और दलित सुरक्षित नहीं हैं। अगर महिलाओं को सुरक्षा और मदद नहीं मिलेगी, तो नारे लगाने का क्या मतलब है।

राहुल गांधी ने उज्जैन की घटना को लेकर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान पर निशाना साधा है। उज्जैन शहर में बलात्कार की शिकार 12 वर्षीय लड़की का बुधवार को इंदौर के एक सरकारी अस्पताल में एक विशेषज्ञ डॉक्टर ने ऑपरेशन किया। लेकिन उसके बाद भी उसकी हालत चिंताजनक है। चिकित्सा शिक्षा विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि लड़की को गंभीर हालत में मंगलवार को उज्जैन से इंदौर के एक सरकारी अस्पताल भेजा गया था।

नक्सलियों ने किया आईईडी ब्लास्ट

जवान शहीद, तीन जवान एयरलिफ्ट

रांची ,28 सितम्बर 2023(ए)।

झारखंड के चाईबासा में नक्सलियों द्वारा किए गए आईईडी ब्लास्ट में सीआरपीएफ की कोबरा बटालियन के एक जवान के शहीद होने और कई अन्य के घायल होने की सूचना आ रही है। इनमें से गंभीर रूप से जख्मी तीन जवानों को एयरलिफ्ट कर इलाज के लिए रांची लाया जा रहा है।

घटना पश्चिमी सिंहभूम जिले के अति नक्सल प्रभावित टोंटो थाना क्षेत्र के सरजमबुरू और तुंबाहाका गांव के पास के पहाड़ी के पास हुई है। पिछले 50 दिनों के भीतर इस जिले में नक्सलियों द्वारा किए गए बारूदी सुरंग विस्फोट में तीन जवानों सहित चार लोगों की मौत हुई है। बताया गया कि सीआरपीएफ कोबरा के 209 नंबर बटालियन के जवान नक्सलियों के खिलाफ कॉम्बिंग ऑपरेशन पर निकले थे। इसी दौरान पहाड़ी के पास आईईडी का जोरदार ब्लास्ट हो गया। करीब आधा दर्जन जवान हवा में फुटबॉल की तरह उड़ गए। एक जवान के दोनों पांव उड़ गए हैं। घायलों में इंस्पेक्टर भूपेंद्र कुमार और कांस्टेबल राजेश कुमार भी शामिल हैं। एक की मौत की सूचना आ रही है। हालांकि आधिकारिक तौर पर इसकी पुष्टि नहीं हुई है। पिछले माह 14 अगस्त को इसी टोंटो थाना क्षेत्र में नक्सलियों ने सुरक्षाबलों पर घात लगाकर हमला किया था, जिसमें एक सब इंस्पेक्टर और जगुआर फोर्स के एक जवान शहीद हो गये थे। इसी तरह 13 सितंबर को भी कोल्हान के जंगल में नक्सलियों ने आईईडी विस्फोट कर सीआरपीएफ का सामान ले जा रहे ट्रैक्टर को उड़ा दिया था, जिसमें ट्रैक्टर के खलासी की मौत हो गई थी, जबकि चालक गंभीर रूप से घायल हो गया था।

नहीं रहे हरित क्रांति के जनक

98 साल की उम्र में ली अंतिम सांस

चेन्नई ,28 सितम्बर 2023(ए)। हरित क्रांति के जनक एमएस स्वामीनाथन का निधन हो गया है। 98 वर्षीय एमएस स्वामीनाथन को उनके जीवन में कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया जिनमें 1967 में 'पद्म श्री', 1972 में 'पद्म भूषण' और 1989 में 'पद्म विभूषण' शामिल हैं। स्वामीनाथन सिर्फ भारत ही नहीं दुनियाभर में सराहे जाते थे। 2004 में स्वामीनाथन को किसानों पर राष्ट्रीय आयोग के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया था। इस आयोग को आत्महत्या के मामलों के बीच किसानों के संकट को देखने के लिए गठित किया गया था।

दुकानदार लूटेरों के हाथों पिटता रहा,पुलिसवाले देखते रहे

प्रतापगढ़ ,28 सितम्बर 2023(ए)।

उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ में कार सवार पांच दबंगों ने दुकानदार को बेरहमी से पीटा फिर गल्ले से कैश लूटकर फरार हो गए। हैरानी की बात ये रही कि इस दौरान पुलिसवाले वहीं पर मौजूद थे. पुलिसकर्मी वीडियो बनाते रहे लेकिन दुकानदार की मदद नहीं कर सके. घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद एसपी ने चौकी इंचार्ज समेत तीन पुलिस कर्मियों को किया निलंबित कर दिया है. पूरा मामला मंगलवार की रात सिविल लाइन थाना क्षेत्र का है। जहां बस स्टैंड के पास राजेंद्र तिवारी नाम का बुजुर्ग चाय की दुकान लगाता है. घटना वाले दिन रात में बिना नंबर की स्विफ्ट डिजायर कार से पांच लोग उसकी दुकान पहुंचे थे. इसी

बीच उनकी राजेंद्र से कहासुनी हो गई. तभी चीता मोबाइल पुलिस की मौजूदगी में कार सवार पांच दबंगों ने राजेंद्र तिवारी पर हमला बोल दिया. वो बुजुर्ग से मारपीट करने लगे. वहीं, पास में खड़े पुलिसकर्मी उसे बचाने के बजाय घटना का वीडियो बनाने में जुटे रहे। आरोप है कि इस दौरान दबंगों ने दुकान के गल्ले से करीब 5 हजार रुपये भी निकाल लिए. वायरल वीडियो में दिखाया गया कैसे दबंग दुकानदार को गिरा-गिरा कर मार रहे हैं. वहीं, पुलिसकर्मी उसे छुड़ाने की कोशिश भी नहीं कर पा रहे हैं.इस वारदात को अंजाम देने के बाद दबंग कार में बैठकर मौके से फरार हो गए. किसी ने पूरी घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया तो पुलिसवालों के रवैये पर सवाल उठने लगे।

संपादकीय

विपक्ष को मुकदमों से मुक्ति नहीं

अगले साल के लोकसभा चुनाव की उलटी गिनती शुरू हो गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस दिन कहा था कि अब चुनाव में सिर्फ चार सौ दिन बचे हैं उसी दिन से उलटी गिनती चल रही है। लेकिन ऐसा लग रहा है कि चुनाव की तैयारी सिर्फ भारतीय जनता पार्टी या उसकी सहयोगी पार्टियां कर रही हैं। बाकी विपक्षी पार्टियां चुनाव तैयारियों से ज्यादा मुकदमों से निपटने में लगी हैं। कांग्रेस सहित विपक्ष की ज्यादातर पार्टियों के नेताओं के ऊपर किसी न किसी तरह का मुकदमा पहले चल रहा है या नया मुकदमा दायर किया जा रहा है। बिहार से लेकर उत्तर प्रदेश और बंगाल, झारखंड लेकर आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु तक तमाम बड़े विपक्षी नेता अदालतों और एजेंसियों के चक्कर लगा रहे हैं या लगाने वाले हैं।

अभी के समय में भाजपा के लिए सबसे मुश्किल प्रदेश बिहार है और इसलिए एजेंसियों की सबसे ज्यादा सक्रियता बिहार में है। राजद प्रमुख लालू प्रसाद, उनकी पत्नी राबड़ी देवी और बेटे तेजस्वी यादव के ऊपर जमीन के बदले नौकरी देने के मामले में मुकदमा चलाने की अनुमति केंद्रीय गृह मंत्रालय से मिल गई है। चार अक्टूबर को दिल्ली के राउज एवेन्यू की अदालत ने लालू प्रसाद के पूरे परिवार को हाजिर होने का समन जारी किया है। तेजस्वी पहले कह भी चुके हैं कि उनकी गिरफ्तारी हो सकती है। उधर चारा घोटाले में लालू प्रसाद को मिली जमानत रद्द कराने के लिए सीबीआई सुप्रीम कोर्ट तक पहुंची है। लालू प्रसाद के परिवार की मुश्किल यही खत्म नहीं हो रही है। बिहार के उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के खिलाफ गुजरात में मानहानि का मुकदमा चल रहा है, जिसमें 15 अक्टूबर को उनको हाजिर होने के लिए कहा गया है।

बिहार के बाद दूसरा मुश्किल राज्य झारखंड है, जहां 14 में से 12 लोकसभा सीटें भाजपा ने जीती है। वहां केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई में जेएमएम और कांग्रेस दोनों के नेता फंसे हैं। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय ने चार बार समन जारी किया है। हालांकि इन चारों समन के जवाब में वे ईडी के सामने हाजिर नहीं हुए। वे सुप्रीम कोर्ट राहत के लिए पहुंचे थे लेकिन सर्वोच्च अदालत ने उनको हाई कोर्ट जाने के लिए कहा। उन्होंने ईडी के समन को हाई कोर्ट में चुनौती दी है। इससे कुछ ही दिन पहले ईडी ने कांग्रेस के बड़े नेता और राज्य सरकार के वरिष्ठ मंत्री रामेश्वर उरांव से जुड़े कई परिसरों पर छापा मारा।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के सांसद भतीजे अभिषेक बनर्जी को पिछले दिनों हाई कोर्ट से थोड़ी राहत मिली, जब उच्च अदालत ने ईडी को उनकी गिरफ्तारी नहीं करने का आदेश दिया। लेकिन यह राहत बहुत ज्यादा दिन रहेगी, इसकी संभावना कम है। उधर तमिलनाडु के खेल मंत्री उदयनिधि स्टालिन के खिलाफ देश के कई राज्यों में मुकदमे दर्ज हुए हैं। सुप्रीम कोर्ट में भी उनके खिलाफ एफआईआर के लिए याचिका दी गई है। लोकसभा में कांग्रेस के उप नेता गौरव गोगोई के खिलाफ असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी ने मानहानि का 10 करोड़ रुपए का मुकदमा दर्ज कराया है। जेल में बंद दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को भी अभी तक राहत नहीं मिली है।

मेडिकल पढ़ाई की गुणवत्ता क्या रह गई?

वैसे तो पिछले कुछ समय से जीवन के हर क्षेत्र में गिरावट आ रही है। हर चीज की गुणवत्ता खराब हो रही है। हवा-पानी से लेकर खाने-पीने की चीजों और कला, साहित्य, फिल्मों से लेकर राजनीति तक की गुणवत्ता निम्नतम स्तर की ओर बढ़ रही है। लेकिन सर्वाधिक गिरावट शिक्षा के क्षेत्र में दिख रही है। केंद्र सरकार ने नई शिक्षा नीति लागू की है, जिसके असर का अंदाजा आने वाले समय में लगेगा लेकिन अभी शिक्षा की गुणवत्ता में चौतरफा गिरावट दिख रही है। कई सर्वेक्षणों में स्कूली बच्चों के गणितीय कौशल या किसी भी विषय को समझने की उनकी क्षमता में गिरावट देखी गई है। हालांकि अपनी सुविधा के लिए इसे कोरोना महामारी से जोड़ दिया जाता है। कहा जाता है कि महामारी के स्कूल-कॉलेज बंद हो गए थे और पठन-पाठन का वैकल्पिक यानी ऑनलाइन सिस्टम अपनाया गया था, जिससे लर्निंग प्रोसेस पर व्यापक असर हुआ। लेकिन यह अकेला कारण नहीं है, बल्कि कई कारणों में से एक कारण है।

बहरहाल, शिक्षा के स्तर में गिरावट का एक बड़ा नमूना अभी देखने को मिला है, जब नेशनल मेडिकल कौंसिल यानी एनएमसी ने मेडिकल के पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स यानी विशेषज्ञता वाली चिकित्सा शिक्षा के लिए दाखिले का कटऑफ मार्क्स शून्य कर दिया। यानी एमबीबीएस पास करने वाले जो डॉक्टर इससे आगे की उच्च शिक्षा हासिल करना चाहते हैं और किसी खास विषय का विशेषज्ञ बनना चाहते हैं उनको अगर नीट की पीजी परीक्षा में शून्य अंक आया है तब भी वे पीजी में दाखिला ले सकेंगे। इतना ही नहीं 13 छात्र ऐसे हैं, जिनको शून्य से भी कम अंक मिले हैं। उनके मार्क्स निगेटिव में हैं फिर भी वे विशेषज्ञ बनने की पढ़ाई के लिए पीजी कोर्स में दाखिला ले सकेंगे। सोचें, यह कैसी हैरान करने वाली और कितनी दुखद बात है! शून्य या माइनस मार्क्स वाले जिन छात्रों को पीसी कोर्स में दाखिला दिया जाना है वे ऐसे छात्र हैं, जिन्होंने चार या पांच साल तक मेडिकल की पढ़ाई की है। मेडिकल का कोर्स पूरा करने के बाद उनका स्तर यह है कि वे पीजी कोर्स में दाखिले की परीक्षा में एक भी अंक हासिल नहीं कर पाए तो फिर उनकी एमबीबीएस की पढ़ाई का क्या मतलब है?

नीटी पीजी की परीक्षा में शून्य या माइनस मार्क्स हासिल करने वाले छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए दाखिला देने की बजाय इस बात की जांच की जानी चाहिए कि ऐसे डॉक्टरों ने किस मेडिकल कॉलेज से पढ़ाई की है। उस मेडिकल कॉलेज की पूरी फैकल्टी की जांच की जानी चाहिए और उसका पंजीयन रद्द किया जाना चाहिए। यह कोई मामूली बात नहीं है कि चार-पांच साल तक एमबीबीएस की पढ़ाई करके डॉक्टर बनने वाले

लोग पीजी कोर्स में दाखिले के लिए होने वाली प्रवेश परीक्षा में एक भी अंक नहीं हासिल कर पाएं। ऐसे डॉक्टर किस तरह से लोगों का इलाज करेंगे? क्या उनको डॉक्टर बनाना आम लोगों की जान से खिलवाड़ नहीं है? यह सही है कि देश में आबादी के अनुपात में डॉक्टरों की संख्या बहुत कम है लेकिन क्या इसके लिए नीम हकीम डॉक्टर बना कर बाजार में उतार दिया जाएगा? क्या एनएमसी ने नीम हकीम खतरा ए जान का मुहावरा नहीं सुना है?

मेडिकल में दाखिले के लिए पहले से चल रही तमाम प्रवेश परीक्षाओं या प्रक्रिया को खत्म करके 2017 में नीट को अपनाया गया था। उसके बाद से पहली बार ऐसा हुआ है कि पीजी कोर्स में दाखिले के लिए कटऑफ जीरो या माइनस में किया गया है। अगर ऐसा नहीं किया जाता तो पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स की 13 हजार से ज्यादा सीटें खाली रह जातीं। देश में पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स यानी अलग अलग क्षेत्र की विशेषज्ञता की पढ़ाई के लिए कुल 68 हजार सीटें हैं। इन 68 हजार सीटों पर दाखिले के लिए एमबीबीएस कर चुके करीब सवा दो लाख डॉक्टरों ने परीक्षा दी थी। इनमें से सिर्फ 55 हजार डॉक्टर पीजी कोर्स में दाखिले के लिए तय किया गया कटऑफ मार्क्स हासिल कर सके। बाकी करीब पौने दो लाख डॉक्टरों के बारे में सोचें, जो दाखिला परीक्षा का कटऑफ मार्क्स नहीं हासिल कर सके! इस बार खाली रह गई सीटों को भरने के लिए उन सबको छूट दे दी गई है कि वे काउंसिलिंग में शामिल हों।

अब इससे जुड़े दूसरे पहलू को देखें। चूंकि नेशनल मेडिकल कौंसिल ने नीट पीजी की परीक्षा में शामिल हुए सभी एमबीबीएस डॉक्टरों को काउंसिलिंग में शामिल होने का मौका दे दिया है तो पीजी कोर्स में किसका दाखिला होगा? अगर सरकारी मेडिकल कॉलेजों को छोड़ें तो यह तय मानें कि तमाम निजी मेडिकल कॉलेजों में पीजी कोर्स में दाखिला उनका होगा, जो अनाप-शनाप पैसा खर्च करने में सक्षम होंगे। सरकारी कॉलेजों में पीजी की पढ़ाई की फीस बहुत कम है। 50 हजार रुपए सालाना से भी कम फीस वाले कॉलेज हैं लेकिन निजी मेडिकल कॉलेजों में एक साल की फीस एक-एक करोड़ रुपए तक है। सो, ऐसे डॉक्टर, जिनको प्रवेश परीक्षा में जीरो या माइनस में मार्क्स हैं वे आसानी से ज्यादा पैसा खर्च करके पीजी की सीट हासिल कर लेंगे। अब सवाल है कि आगे विशेषज्ञ डॉक्टर की डिग्री हासिल करके ऐसे लोग क्या करेंगे? महंगी फीस लेकर इलाज करेंगे लेकिन क्या उनके इलाज पर भरोसा किया जा सकेगा?

सरकार ने एमबीबीएस की डिग्री हासिल करने वाले डॉक्टरों के लिए एक एक्जिट एक्जाम का प्रावधान किया है। इसके तहत हर डॉक्टर के लिए प्रैक्टिस करने से पहले यह परीक्षा पास करना अनिवार्य किया गया है। इसे नेक्स्ट यानी नेशनल एक्जिट टेस्ट नाम दिया गया है। हैरानी की बात है कि एमबीबीएस की पढ़ाई करने, डिग्री लेने और नेशनल एक्जिट टेस्ट पास करने के बाद भी अगर डॉक्टर नीट पीजी में एक भी अंक हासिल नहीं कर पाएं तो क्या उनको मेडिकल प्रैक्टिस की इजाजत दी जानी चाहिए? जीरो या निगेटिव मार्क्स पर भी दाखिले का बचाव करते हुए कुछ जानकार बता रहे हैं कि पहले जब पीजी कोर्स में दाखिले की परीक्षा नहीं होती थी तब एमबीबीएस पास करने वाले हर डॉक्टर को पीजी में दाखिले के लिए योग्य समझा जाता था। उसी तरह इस बार भी एमबीबीएस पास करने वाले हर डॉक्टर को पीजी के लिए योग्य माना गया है। लेकिन क्या यह आंखों देखी मक्खी निगलने का काम नहीं है? जब पीजी कोर्स के लिए दाखिला परीक्षा या प्रैक्टिस के लिए नेशनल एक्जिट टेस्ट नहीं होता था तब कम से कम परदा तो था। किसी को पता नहीं होता था कि एमबीबीएस डॉक्टर कितने पानी में हैं। लेकिन अब तो परीक्षा के जरिए पता है कि उसे कुछ नहीं आता है फिर भी उसको दाखिला देना और प्रैक्टिस की इजाजत देना एक बहुत खराब मिसाल बनाने वाली बात है। तमिलनाडु जैसे कुछ राज्य पहले से मेडिकल में दाखिले के लिए एक राष्ट्रीय परीक्षा आयोजित करने के विचार का विरोध करते रहे हैं। उनके विरोध का एक कारण अब यह भी होगा कि ऐसी प्रवेश परीक्षा का क्या मतलब है, जिसमें जीरो मार्क्स पर भी दाखिला होता हो!

-अजीत द्विवेदी-

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

औरतें उलझी सी रहती हैं !

प्रियंका अग्निहोत्री गीत
वाराणसी,उत्तरप्रदेश

दोस्तों, आपने और मैंने, हम सबने कितनी ही बार अनेकानेक लोगों से यह सुना कि औरतें बड़ी उलझी और पेंचीदा किस्म की होती हैं। अक्सर लोग (विशेषकर पुरुष) ऐसी बातों और छींटाकशी में बड़ा लुत्फ़ उठाते पाए जाते हैं। यहाँ मैं यह स्पस्ट करती चलूँ, कि यह पेंचीदगी बेटियों में नहीं पायी जाती, केवल पत्नियों और माँओं आदि में पायी जाती है। मैं व्यक्तिगत रूप से हर एक बात में क्यों ढूंढने की आदी रही हूँ, सो मैंने इस विषय पर भी अपने मन में एक कौतुक सदा पाया। अब जब कि मैं स्वयं परिपक्व हूँ, और हज़ारों महिलाओं से बात करती रहती हूँ, मैं एक निष्कर्ष पर पहुंची हूँ, और इस विषय पर लिखना आवश्यक समझती हूँ। महिलाएं जब बच्चियां होती हैं, वे कहीं न कहीं सामजिक और पारिवारिक भेदभाव से गुज़रती हैं, भले किसी छोटी और मामूली बात पर ही क्यों न हो, पर अमूमन हर घर में ऐसा होता है। मैंने बहुतायत में ऐसा सुना है कि लड़कियों को हर छोटी बड़ी इच्छाओं के लिए अपने घर की हो जाओ, फिर जो मर्ज़ी चाहे वो कर लेना, यहाँ तो अनुशासन में ही रहना पड़ेगा÷ या ÷कल को जब दूसरे के घर जाओगी तब पता चलेगा÷ जैसी बातों को सुनते पाया है। यहाँ मैं इस बात पर कुछ भी नहीं लिखूंगी कि आखिर उनका अपना घर कौन सा होता है, वरना विषयांतर हो जायेगा। तो स्वाभाविक है कि वे बड़े होने का इंतज़ार करती हैं, ताकि वे अपने निर्णय ले सकें, यात्रायें कर सकें, अपनी मर्ज़ी से बहुत कुछ कर सकें, जैसा उन्होंने अपने घर के लड़कों को करते देखा होता है। परन्तु ऐसा अमूमन हो नहीं पाता, क्योंकि उनकी शादी हो जाती है, और बंधन का कसाव और अधिक बढ़ जाता है। स्वाभाविक है कि विवाह होने के बाद जितना मानसिक दबाव एवं खिंचाव महिलाओं में होता है उतना पुरुषों में कभी नहीं होता। एक बहू, यानी ब्रह्माण्ड की सबसे परफेक्ट जीव! शुरूआती 15 साल तो रिश्तों में मेरिट होल्डर बनने, बेहतरीन सर्टिफिकेट पाने, और परफेक्ट बनने में बीत जाते हैं, इसके समानांतर बाल-बच्चे और करियर भी साथ चलते रहते हैं। अच्छा ईश्वर ने कुछ ऐसी रचना की है, कि समाज का दृष्टिकोण भी महिलाओं के प्रति शुचितापूर्ण नहीं रहता, तो वो भावना अपने आप में किसी गटर से कम नहीं लगती। मतलब, घर से बाहर ओछी मानसिकता से सामना और घर भीतर संकीर्ण और अत्याधिक अपेक्षाओं पर खरा उतरने का दबाव। पहले के समय में महिलाओं को मूड स्विंग्स नहीं होते थे, या शायद वे इसको परिभाषित नहीं कर पाती थीं। आज एक यह नामकरण हो गया है, तो इस पर भी बात कर ही लेते हैं। महिलाओं में दिन-दिन जो हार्मोनल परिवर्तन होते हैं, व उन्हें किसी भी भाव के प्रति कई गुना अधिक संवेदनशील बनाते रहते हैं। मतलब अगर दुःखी हैं तो कई गुना दुःखी होंगी, आप सोचेंगे इतनी छोटी सी बात पर इतना दुःख? कभी बेवजह गैर-ज़रूरी बात पर बहुत सारा गुस्सा कर देंगी, तो कभी मामूली सी बात पर यूँ ठहाके लगाने लगेंगी कि आप सोच में पड़ जायेंगे क्या यह इतना हास्यास्पद था! यहाँ मज़ेदार बात यह भी है कि गली-नुक्कड़-सड़कों पर यार-दोस्तों के साथ बेपरवाह गप्पें लड़ाकर ज़ोर ज़ोर से हंसने वाले पुरुष, महिलाओं को आवाज़ कर के हंसने की अनुमति दे दें तो काफी बड़ी बात है, महिलाओं को जगह, माहौल, मौका, वगैरह देखकर निर्धारित करना होता है कि वे कितना हंस सकती हैं, और कितनी ज़ोर से हंस सकती हैं। अच्छा, बात बेबात उन्हें असफल माँ, बुरी बहू, लापरवाह पत्नी आदि भी बना दिया जाता है, और ये सारे तमगे केवल घर के पुरुष ही नहीं देते, बड़े ताव के साथ घर की अन्य महिलाएं भी इस बहती गंगा में गाहे बगाहे हाथ धोती रहती हैं। इस पर वे ज़रा अगर आपकी मर्ज़ी के अनुरूप न हुई, तो कहिये कि उनके माता-पिता के संस्कार भी कठघरे में खड़े कर दिए जाते हैं। हर छोटी बड़ी बात पर ताने, उलाहने, क्रोध, डांट, मार, और न जाने क्या क्या मानसिक और शारीरिक प्रताड़नाएं झेलती हुई, वे रिश्ते निभाती चली जाती हैं, सालों साल, उस पर सहयोग नाम मात्र का नहीं, न पुरुषों से न ही महिलाओं से!! मैंने अपने इर्द गिर्द हर एक महिला को दूसरों की तरफ हसरत की निगाह उठाते पाया है, हसरत थोड़े से प्यार, सम्मान, अपनेपन और समझ की, हसरत इस बात की कि कहीं कोई तो कभी उनका साथ दे दे !! पर हसरत से भरी वो निगाहें मायूस ही होती हैं; और किसी प्रकार की कोई प्रतिक्रिया दें, तो ठप्पा लग जाता है चिड़चिड़ी, उलझी और पेंचीदा होने का। बात कुछ भी नहीं, सिर्फ रख रखाव और बर्ताव की है। ज़रा रवैया बदलकर देखिये जनाब, ज़रा अपनी सोच और नज़रिया सुलझा कर तो देखिये, इनसे बेहतर कोई साथ देने वाला नहीं मिलेगा, मिल ही नहीं सकता !! फिर बताइयेगा (स्वयं को) क्या सचमुच औरतें उलझी सी रहती हैं ????

ये औरतें खुद उलझी सी रहती हैं
ये औरतें खुद उलझी सी रहती हैं

ज़िंदगी की उलझनों में,
उलझती हैं, कभी टूट कर बिखरती हैं
फिर जुड़ती हैं, सिमटती हैं
यूँ कहिए समेट लेती हैं, खुद को
घर की बिखरी चीज़ों को
क़रीने से लगाती हैं
फिर सजाती हैं, सँवारती हैं
कुछ कमरों को, कुछ खुद को
सुनती है सब की फरमाइशें
करती है सबकी आराइशें
ये औरतें खुद उलझी सी रहती हैं
बुनती हैं ख़्वाब स्वेटरों में
लेकर रंग बिरंगे ऊन के लच्छे
कभी एक फंदा आगे कभी एक पीछे
यूँ ही उंगलियों से फंदे नाप कर
मन में हर गणित भांप कर
ऐसे ही ख़यालों में उलझी सुलझी सी
बालों में कंघी फेरती हैं
जीवन की हर एक उलझन
अपने दिल-ओ-ख़याल में लिए
एक एक लट सुलझाती हैं
खुल जाएँ सारी ख़में, तो भी
कुछ खोई खोई सी, उनींदी
आँखों से जागी-सोई सी
फेरती रहती है खुद उंगलियाँ
अपने बालों में कई कई दफ़ा
मानो सोचती हों, चलो कुछ
सुलझा तो है, इन उलझनों
भरे दायरों के भीतर, कुछ तो..
यह औरतें खुद उलझी सी रहती हैं

विवाद समाधान में पंचायतों की भूमिका

मानवाधिकारों और संवैधानिक मूल्यों को सुनिश्चित करने और उन्हें औपचारिक न्याय प्रणाली के साथ जोड़ने के लिए मौजूदा विवाद निपटान तंत्र को बदलने और संवेदनशील बनाने के माध्यम से न्याय प्रणाली का लोकतंत्रीकरण जमीनी स्तर से शुरू होना चाहिए। यह लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण की प्रक्रिया के साथ अच्छी तरह से जुड़ेगा जो वर्तमान में देश में पंचायती राज संस्थानों (पीआरआई) के माध्यम से चल रही है क्योंकि न्याय प्रदान करना किसी भी गरीबी उन्मूलन एजेंडे और आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण है। क्रियाशील न्याय व्यवस्था न केवल विकास की पहचान है बल्कि विकास का कारक भी है।

इस प्रकार, न्याय तक पहुंच न केवल संवैधानिक रूप से गारंटीकृत अधिकारों की प्राप्ति के लिए केंद्रीय है, बल्कि विकास और गरीबी उन्मूलन के व्यापक लक्ष्यों के लिए भी है और इसे विकास संकेतक के रूप में तत्काल स्वीकार करने की आवश्यकता है। 73वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम (सीएए) की शुरूआत के साथ स्थानीय स्वशासन की सदियों पुरानी संस्थाओं को नई ताकत मिली है। पंचायतों को मजबूत करने और जमीनी स्तर पर लोगों को अपने छोटे-मोटे विवादों को सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझाने के लिए सशक्त बनाने से पारंपरिक न्याय वितरण प्रणाली के सामने आने वाली कई समस्याओं का समाधान हो जाएगा। दरअसल, इससे दूर-दराज के इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए भी अदालतों तक पहुंच की समस्या का समाधान मिलेगा।

संविधान द्वारा परिकल्पित स्वशासन में न्यायिक शक्तियां भी शामिल होनी चाहिए और यही न्याय पंचायत का तर्क है जो लोगों के स्तर पर न्यायिक विकेंद्रीकरण का तात्पर्य है। आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, केरल और पश्चिम बंगाल ने अपने राज्य पंचायती राज अधिनियमों में न्याय पंचायतों की स्थापना के लिए कोई वैधानिक प्रावधान नहीं किया है। लेकिन जहां कानून बनाए गए हैं, जैसे कि बिहार, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, मणिपुर, मिजोरम, पंजाब, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, सिक्किम, मध्य प्रदेश और ओडिशा में, वे अधिकांश भाग में, गैर-कार्यात्मक हैं। वर्तमान परिदृश्य से ऐसा प्रतीत होता है कि न तो न्यायिक कार्यों को ठीक से लागू किया गया है और न ही न्याय पंचायतें विवादों के निपटारे के लिए प्रभावी साधन के रूप में खुद को स्थापित कर पाई हैं।

-त्रिवेणी-

भारत में जैव ईंधन के उपयोग को बढ़ावा देना ही होगा

भारत अपनी ऊर्जा की कुल आवश्यकता का लगभग 80 प्रतिशत हिस्सा कच्चे तेल के रूप में आयात करता है एवं भारत के कुल आयात में कच्चे तेल की भागीदारी सबसे अधिक है। इससे भारत के विदेश व्यापार में असंतुलन पैदा होता है तथा विदेश व्यापार घाटा लगातार बढ़ता जा रहा है। कच्चे तेल को परिष्कृत कर पेट्रोल एवं डीजल के रूप में इस्तेमाल किया जाता है, जो कि जीवाश्म ऊर्जा की श्रेणी में आता है, इससे कार्बनडाई आक्सायड नामक गैस वातावरण में फैलती है और देश का पर्यावरण दूषित होता है। अतः अब समय आ गया है कि भारत में जीवाश्म ऊर्जा के उपयोग को कम करते हुए जैव ईंधन के उपयोग को बढ़ावा दिया जाय। इस दृष्टि से हाल ही में जी-20 सम्मेलन के इत्तर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन की घोषणा 9 सितम्बर 2023 को की। 9 संस्थापक सदस्य और 2 पर्यवेक्षक देश इस लॉन्चिंग में शामिल हुए। वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन के जरिए जैव ईंधन के लिए, भारत सदस्य देशों के साथ मिलकर, दुनिया के अन्य देशों को नई राह दिखाने का प्रयास कर रहा है। इस प्रयास से निश्चित रूप से दुनिया भर में ऊर्जा की आवश्यकता के लिए पेट्रोल एवं डीजल पर निर्भरता कम होगी। इस गठबंधन से किसानों को अन्नदाता से ऊर्जादाता बनाने में मदद मिलेगी एवं इससे किसानों को आय का एक अतिरिक्त साधन प्राप्त होगा।

इस अवसर पर मोदी जी ने कहा कि वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन का शुभारम्भ स्थिरता और स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में चल रहे प्रयासों में एक ऐतिहासिक क्षण है। इस गठबंधन में भारत, सिंगापुर, बांग्लादेश, इटली, अमेरिका, ब्राजील, अर्जेंटीना, मारिशस और संयुक्त अरब अमीरात शामिल हुए हैं। साथ ही, 19 देश और 12 अंतरराष्ट्रीय संगठन भी इस गठबंधन का समर्थन कर चुके हैं। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी, अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन, विश्व आर्थिक मंच और विश्व एलपीजी एसोसीएशन का समर्थन भी इस गठबंधन को मिला है। यह संगठन उपभोक्ताओं और उत्पादकों को एक मंच प्रदान करेगा तथा इसके उद्देशों में शामिल हैं, प्रौद्योगिकी के विकास को सुविधाजनक

बनाना, टिकाऊ जैव ईंधन के उपयोग को बढ़ावा देना, हितधारकों की व्यापक स्तर पर भागीदारी से मजबूत मानकों का निर्धारण करना एवं इनके प्रमाण को आकार देना तथा जैव ईंधन के वैश्विक विकास में तेजी लाना है। यह गठबंधन ज्ञान के केंद्रीय संग्रहण और विशेषज्ञ केंद्र के रूप में कार्य करेगा। गठबंधन का लक्ष्य एक ऐसे उत्प्रेरक के रूप में काम करना है जो जैव ईंधन के विकास और व्यापक रूप से इसे अपनाने के लिए वैश्विक सहयोग को प्रोत्साहन देगा। यह गठबंधन जैव ईंधन को बदलाव के रूप में ऊर्जा स्त्रोतों के प्रमुख घटक के रूप में स्थापित करने, रोजगार और आर्थिक विकास में योगदान देने का प्रयास भी करेगा।

यह पहल विशेष रूप से भारत के लिए कई मोर्चो पर फायदेमंद साबित होगी। इससे प्रौद्योगिकी निर्यात और उपकरण निर्यात के रूप में भारतीय उद्योगों को अतिरिक्त अवसर प्राप्त होंगे। यह भारत के जैव ईंधन कार्यक्रमों जैसे पीएम जीवन योजना और गोवर्धन योजना के क्रियान्वयन में तेजी लाने में मदद करेगी। किसानों की आय में वृद्धि करने और रोजगार के करोड़ों नए अवसर पैदा करने में और भारतीय ईको सिस्टम के समग्र विकास में भी सहायक होगी।

जीवाश्म ऊर्जा पर निर्भरता कम करने के उद्देश्य से भारत वैकल्पिक एवं नवीकरणीय ऊर्जा स्त्रोतों को बढ़ावा देने पर काम कर रहा है। ऊर्जा मिश्रण में विविधता लाने पर भी ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। इसमें सौर, पवन, पनबिजली और परमाणु ऊर्जा के उपयोग का विस्तार करना भी शामिल है। भारत के पास तेल और गैस के पर्याप्त भंडार मौजूद हैं। सरकार घरेलू एवं विदेशी तेल कम्पनियों को तटवर्ती अपतटीय दोनों तरह के अन्वेषण एवं उत्पादन गतिविधियों में शामिल कर रही है। भारत, परिवहन, औद्योगिक प्रक्रियाओं, प्राथमिकता भवनों सहित, विभिन्न क्षेत्रों में ऊर्जा दक्षता उपायों को प्राथमिकता दे रहा है। इसमें ऊर्जा कुशल तकनीकों को अपनाना, औद्योगिक प्रक्रियाओं का अनुकूलन करना और मजबूत ऊर्जा संरक्षण उपायों को लागू करना शामिल हैं। रणनीतिक तेल भंडार विकसित करना भी भारत के भविष्य के लिए काफी अहम है। साथ ही जीवाश्म तेल में ईथेनाल का सम्मिश्रण भी किया जा रहा है ताकि पेट्रोल एवं डीजल के उपयोग को कम किया जा सके। आज समय की मांग है कि विश्व के समस्त देश ऊर्जा सम्मिश्रण के क्षेत्र में साथ मिलाकर काम करें। भारत ने सुझाव दिया है कि पेट्रोल में ईथेनाल सम्मिश्रण को वैश्विक स्तर पर 20 प्रतिशत तक ले जाने के लिए सामूहिक प्रयास किए जाएं, अथवा वैश्विक भलाई के लिए कोई और सम्मिश्रण पदार्थ की खोज की जाए, जिससे ऊर्जा की आपूर्ति निर्बाध रूप से बनी रहे और पर्यावरण भी सुरक्षित रहे।

वर्ष 2022 में वैश्विक ईथेनाल बाजार का मूल्य 9,906 करोड़ अमेरिकी डॉलर था, जो एक अनुमान के अनुसार, 5.1 प्रतिशत की सीएजीआर की वृद्धि के साथ, वर्ष 2032 तक 16,212 करोड़ अमेरिकी डॉलर तक पहुंच जाएगा। इससे भारत के लिए बड़े अवसर पैदा होंगे। भारत सरकार अपने तेल बिल आयात में कटौती करना चाहती है और शहरों में कार्बनडाई ओकसाईड प्रदूषण की मात्रा कम करना चाहती है। इस कार्यक्रम से वर्ष 2025 तक भारत को तेल आयात में लगभग 45,000 करोड़ रुपए और सालाना 6.3 करोड़ टन तेल की बचत होगी। इस कदम से भारत के किसानों को अन्नदाता से ऊर्जादात्ता बनाने में मदद मिलेगी और उन्हें आय का एक अतिरिक्त स्त्रोत भी प्राप्त होगा।

पूरी दुनिया में जैव ईंधन का 80 प्रतिशत उत्पादन अमेरिका, ब्राजील और भारत में होता है। अमेरिका में विश्व के 50 प्रतिशत जैव ईंधन का उत्पादन होता है। ब्राजील में 30 प्रतिशत, और भारत में केवल 3 प्रतिशत उत्पादन होता है। शेष 17 प्रतिशत उत्पादन विश्व के अन्य देशों में होता है। उत्पादन के साथ साथ सौर ऊर्जा का 80 प्रतिशत उपभोग भी अमेरिका, ब्राजील और भारत में ही होता है। भारत जैव ईंधन के उत्पादन एवं उपभोग क्षेत्र में जिस तेजी से आगे बढ़ रहा है इससे अब उम्मीद की जा रही है कि भारत शीघ्र ही जैव ईंधन के उत्पादन एवं उपभोग में वैश्विक स्तर पर एक बड़ा केंद्र बन जाएगा।

भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऊर्जा खपत करने वाला देश है और भारत की ऊर्जा की आवश्यकता में बड़ा हिस्सा जीवाश्म ऊर्जा के माध्यम से पूरा किया जाता है, जो कि बड़े पैमाने पर आयात पर निर्भर है। वैश्विक ऊर्जा खपत में भारत के हिस्सेदारी 2050 तक दोगुनी होने की सम्भावना है। ऊर्जा की बढ़ती मांग और आयात पर उच्च निर्भरता महत्वपूर्ण ऊर्जा सुरक्षा चुनौतियां खड़ी कर रही है। कच्चे तेल के आयात पर विदेशी मुद्रा की भारी भरकम राशि खर्च की जाती है। इसके अलावा जीवाश्म ईंधन के अत्यधिक उपयोग से उच्च कार्बन उत्सर्जन और स्वास्थ्य सम्बंधी चिंताएं भी खड़ी होती है। अतः घरेलू स्तर पर ईथेनाल खपत के लिए पारम्परिक जीवाश्म ईंधन के साथ सम्मिश्रण करके तेल आयात पर निर्भरता को कम करने के प्रयास किए जा रहे हैं। भारत ने वर्ष 2001 में पेट्रोल में ईथेनाल का मिश्रण पायलट आधार पर प्रारम्भ किया था। परंतु, ईथेनाल सम्मिश्रण कार्यक्रम ने दिसम्बर 2014 से गति पकड़ी, जब केंद्र सरकार ने ईथेनाल की खरीद के लिए मूल्य तंत्र विकसित किया और सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों को जैव रिफाईनरी स्थापित करने के निर्देश दिए। पिछले 7 वर्षों के दौरान ईथेनाल की आपूर्ति वर्ष 2013-14 में 38 करोड़ लीटर से बढ़कर वर्ष 2020-21 में 322 करोड़ लीटर हो गई। इसी तरह ईथेनाल सम्मिश्रण भी 2013-14 में 1.53 प्रतिशत से बढ़कर 2020-21 में 8.50 प्रतिशत से अधिक हो गया। मांग में वृद्धि के कारण ईथेनाल निर्माण क्षमता भी 215 करोड़ लीटर से दुगुना होकर 427 करोड़ लीटर सालाना हो गई है। डिस्टीलरीज की संख्या 5 साल में 40 प्रतिशत बढ़कर वर्ष 2014-15 में 157 से बढ़कर वर्ष 2019-20 में 231 हो गई है। केंद्र सरकार ने 20 प्रतिशत इथेनोल मिश्रित पेट्रोल को बेचने का लक्ष्य वर्ष 2023 कर दिया है। 20 प्रतिशत सम्मिश्रण स्तर पर ईथेनाल की मांग वर्ष 2025 तक बढ़कर 1016 करोड़ लीटर हो जाएगी। इसलिए ईथेनाल उद्योग का मूल्य 500 प्रतिशत से अधिक बढ़कर वर्तमान के लगभग 9,000 करोड़ रुपए से बढ़कर 50,000 करोड़ रुपए हो जाएगा।

-प्रहलाद सबनानी-
लश्कर,ग्वालियर

दिन की नींद में

ओट्टेरी सेल्वा कुमार
चेन्नई, तमिलनाडु

प्रकाश नहीं देता उस खिड़की के
किनारे एक घर है यह मेरा सपना है...
कई लोगों के लिए सपना
कि यह दिन के दौरान आएगा
मुझे नहीं पता।
लेकिन-दिन के दौरान मेरे लिए
सपना आ जाएगा
उस दिन केवल सपने में मेरी रात की राहत
यह खो रहा है...इसलिए।।
मैं दिन में सोता हूं।
मैं रात में जाग रहा हूँ
इसलिए मैं उसके बिना बहुत आलसी हूं।
मेरे साथ रहेंगे उस प्यार के लिए...

तुझपे कुर्बान मेरी जान

प्रमेशदीप मानिकपुरी
धमतरी छत्तीसगढ़

शान तेरी ना घटे मेरी माँ
मान तेरी ना घटे मेरी माँ
विश्व की रहें सदा अभिमान
तुझपे कुर्बान कर देंगे जान
लहराता रहें हिम मे तिरंगा
बहती रहें नित पावन गंगा
नित बढ़ती रहें तेरी ही शान
तुझपे कुर्बान कर देंगे जान
दुनिया मे परचम लहराये
तेरे आगे कोई टिक ना पाये
सबसे ऊँचा हो तेरा मुकाम
तुझपे कुर्बान कर देंगे जान
चाँद पर होगा हमारा बसेरा
सूरज का भी लगाएंगे फेरा
बस यही हो सबकी जुबान
तुझपे कुर्बान कर देंगे जान

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

जिले में क्षेत्रीय पशु चिकित्सा अधिकारी संविदा नियुक्ति में घोर भ्रष्टाचार का आरोप

» फर्जी दस्तावेज धारकों का चयन सूची में नाम,पीड़ित अभ्यार्थियों ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

» पद को निरस्त करने की मांग

- ओंकार पांडेय-
सूरजपुर,28 सितम्बर 2023
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ राज्य में जहां एकतरफ CGPSC भ्रष्टाचार का मामला गरमाया हुआ है. वहीं दूसरी तरफ सूरजपुर जिले में संविदा भर्ती भ्रष्टाचार का भेंट चढ़ गया है. सूरजपुर जिले में डीएमएफ योजना के तहत पशु चिकित्सा सुविधाओं को सुदृढ़ करने हेतु 27 पद क्षेत्रीय पशु चिकित्सा अधिकारी का संविदा नियुक्ति हेतु विज्ञापन जारी किया गया था. जिसमें योग्य पीड़ित अभ्यार्थियों ने चयनित समिति के ऊपर अनियमितता व भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए सूरजपुर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा है.

अपने चहेते अभ्यार्थियों से अवैध लाभ प्राप्त कर नियुक्ति

ज्ञापन में पीड़ित अभ्यार्थियों ने कहा है कि छत्तीसगढ़ के जिला सूरजपुर में प्रशासन द्वारा डी. एम. एफ. योजना के तहत सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्राधिकारी की नियुक्ति की जा रही है संविदा भर्ती में अपने चहेते अभ्यार्थियों की नियुक्ति अवैध लाभ प्राप्त कर की जा रही है.

फर्जी दस्तावेज धारकों का चयन सूची में नाम

पीड़ित अभ्यार्थियों का कहना है कि अभ्यार्थियों द्वारा फर्जी दस्तावेज के सहारे नौकरी प्राप्त की जा रही है। विभाग के द्वारा चयन सूची जारी किया गया है जिसमें कुछ अभ्यार्थियों का फर्जी दस्तावेज होते हुए भी चयन सूची में उनका नाम रखा गया है. जबकि यह चयन सूची चयन समिति के द्वारा दस्तावेज परिक्षण कर ,साक्षत्कार व इंटरव्यू के बाद बहुत बारीकी से तैयार किया गया है. पीड़ित अभ्यार्थियों का कहना है कि इतना सब बारीकी जांच के बाद इतना बड़ा गलती क्यों किया किया गया है. मतलब साफ है कि चयन समिति के द्वारा घोर भ्रष्टाचार व भारी अनियमितता बरती गई है. शायद भ्रष्टाचार के लिए साक्षात्कार व इंटरव्यू रखा गया था.

जिनका नंबर अधिक उन्हें इंटरव्यू में दिया गया कम नंबर

जबकि इससे पहले पशु स्वास्थ्य विभाग में संविदा नियुक्ति हेतु कभी नहीं इंटरव्यू रखा गया था और यहां इंटरव्यू भी हुआ तो उसमें जिन अभ्यर्थियों का 12वीं व डिप्लोमा में ज्यादा नंबर है उन्हें इंटरव्यू में कम नंबर दिया गया है. जबकि पीड़ित अभ्यार्थियों का कहना है कि उन्होंने सभी सवालों का जवाब अच्छी तरह से दिया है तो कम नंबर कैसे दिया गया? ऐसे में योग्य उम्मीदवारों का चयन नहीं हो पा रहा है और योग्य उम्मीदवार चयनित होने से वंचित हो जा रहे हैं और उनका भविष्य अंधकारमय हो जा रहा है। उक्त नियुक्ति को प्रशासनिक स्तर पर कमेटी चयन कर किया जाना उचित होगा तथा जिन भी अभ्यर्थियों के द्वारा फर्जी दस्तावेजों का सहारा लिया जा रह है उनके विरूद्ध कठोर से कठोर कार्यवाही किया जाए वहीं तत्काल पद को निरस्त किया जाए और योग्य अभ्यर्थियों का चयन किया जाए. अन्यथा सभी अभ्यर्थी उग्र आन्दोलन हेतु बाध्य होंगे. जिसका जिम्मेदार शासन व जिला प्रशासन होगा। ज्ञापन सौंपने में आशीष कुमार, ललीता पैकरा, मुस्कान कुमारी कसेरा, दीपा कुशवाहा, पूर्णिमा सिंह, धनेश्वर , चन्द्रजीत सिंह व भारी संख्या में युवा उपस्थित रहे।

शहर में हर्षोल्लास से हुआ गणपति प्रतिमाओं का विसर्जन

- संवाददाता -
अंबिकापुर,28 सितम्बर 2023
(घटती-घटना)।

10 दिन तक भक्तों के बीच रहने के बाद विघ्नहर्ता, सुखकर्ता भगवान श्री गणेश की प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। 19 सितंबर को गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर जिला मुख्यायलय अंबिकापुर सहित ग्रामीण क्षेत्रों के विभिन्न पंडालों तथा घरों में भगवान गणेश की प्रतिमाएं विधि-विधान से स्थापित की गई थी। 10 दिनों तक चली पूजा-अर्चना से भक्ति का माहौल रहा। गुरुवार को श्रद्धालुओं के गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ के जयकारों के बीच भगवान गणेश की प्रतिमाओं को धूमधाम से विसर्जित किया गया।

गणेश चतुर्थी के अवसर पर जिले भर के विभिन्न स्थानों पर गणेश प्रतिमाएं स्थापित की गई थीं। 10 दिनों तक पूजा पंडालों में भंडारे का प्रसाद वितरण के साथ-साथ कई तरह के भक्ति कार्यक्रम चलते रहे। शुक्रवार को जगह-जगह स्थापित गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। पंडालों से श्रद्धालु गाजे-बाजे के साथ प्रतिमाओं को लेकर मुख्य मार्गों पर विसर्जन के लिए निकले। इस दौरान गणपति बप्पा मोरया के नारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। अबीर-गुलाल उड़ाते व डीजे के धुन पर थिरकते श्रद्धालु गणपति प्रतिमाओं का विसर्जन करने शहर के शंकर घाट, घुनघुट्टा सहित अन्य जलाशयों में लेकर गए। विसर्जन अवसर पर शहर के घड़ी चौक पर बालगांगाधर तिलक गणपति स्थापना समिति द्वारा सामूहिक गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन की भव्य झांकियों का प्रदर्शन किया गया। इस दौरान समिति की ओर से बेहतर व आकर्षक रूप से झांकी निकालने पर समितियों को पुरस्कृत किया गया।भगवान गणेश की प्रतिमा का विसर्जन का सिलसिला पिछले दो दिनों से चला रहा है। लेकिन गुरुवार को भव्य रूप से प्रतिमा विसर्जन किया गया। इस दौरान विभिन्न पूजा समितियां जुलूस की शक्ल में भगवान गणेश की प्रतिमा को वाहन पर लेकर विसर्जन करने निकलीं। काफी संख्या में श्रद्धालु प्रतिमा के पीछे-पीछे डीजे के भक्ति गीतों पर नाचते हुए शहर में निकले। इस दौरान जुलूस में शामिल लोगों का जगह-जगह अन्य संगठन के लोगों ने स्वागत किया और सिद्धि विनायक भगवान गणपति की जगह-जगह आरती की गई। विसर्जन का सिलसिला देर रात तक चलता रहा। गणपति की प्रतिमाओं को के विसर्जन को लेकर जिला व पुलिस प्रशासन द्वारा पहले ती तैयारी कर ली गई थी। जुलूस के दौरान कोई भी अराजक तत्व खलल पैदा न कर सके, इसे लेकर पुलिस प्रशासन चौकन्ना था। एसपी सुनील शर्मा, एएसपी पुपलेश कुमार व सीएसपी सुरक्षा के कमान संभाले हुए थे। शहर के हर चौक चौराहों पर पुलिस बल तैनात कि गए थे।

विश्व पर्यटन दिवस पर छात्राओं ने पर्यटन स्थल का किया भ्रमण

- संवाददाता -
अंबिकापुर,28 सितम्बर 2023
(घटती-घटना)।

विश्व पर्यटन दिवस पर 25 सितंबर को होली क्रॉस वीमेंस कॉलेज के भूगोल विभाग व हारमनी समाज सेवी संस्था के संयुक्त तत्वावधान में स्नातक अंतिम वर्ष व स्नातकोत्तर प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर की छात्राओं को पर्यटन दिवस के अवसर पर जशपुर जिले में स्थित राजपुरी जलप्रपात एवं कैलाश गुफा पर्यटन हेतु ले जाया गया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में अनुभजन्य अधिगम की महत्ता पर जोर दिया गया है। इसी वजह से छात्राओं को विभाग द्वारा समय -समय पर भूगोल से संबंधित विषयों का व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करने हेतु अलग-अलग स्थलों पर ले जाया जाता है। जलप्रपात, नदी विसर्प ,गुफा पठार,जैसी अनेक स्थलाकृतियां हैं। जिनको व्यवहारिक रूप में समझने में पर्यटन महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। भूगोल विभाग की विभागाध्यक्ष डॉक्टर सीमा मिश्रा एवं साप्रा चंदा यादव ,एवं मनीषा राजवाड़े तथा प्रयोगशाला सहायिका मरियम लेवनी के अलावा हा रमनी समाज सेवी संस्थान की डायरेक्टर डॉक्टर इति चतुर्वेदी भी पर्यटन में साथ रहीं और विद्यार्थियों को बताया कि,पर्यटन और पाठ्यक्रम एक दूसरे के पूरक हैं। यह शैक्षणिक भ्रमण प्राचार्य डॉक्टर सिस्टर शांता जोसेफ की प्रेरणा व मार्गदर्शन की वजह से सफलतापूर्वक संपन्न हो पाया। छात्राओं की उत्साहपूर्ण प्रतिक्रिया ने इस दिशा में सकारात्मक ऊर्जा से हमे भर दिया।

शहीदे आजम भगत सिंह की 116 वीं जयंती पर शहीद पार्क एवं प्रतिमाएं स्थापना करने की मांग

- संवाददाता -
अंबिकापुर,28 सितम्बर 2023
(घटती-घटना)।

शहर अंबिकापुर में शहीदे आजम भगत सिंह और अन्य क्रांतिकारियों की ना कोई मूर्ति है ,ना कोई चौक है और ना ही कोई संग्रहालय है ।इन क्रांतिकारियों की विरासत हमारे शहर के बच्चों तक पहुंचाना बहुत जरूरी है इस विरासत को शहर के बच्चों तक पहुंचाने के लिए विभिन्न जन संगठनों ने आज घड़ी चौक पर भगत सिंह शहीदे आजम भगत सिंह की जयंती मनाई और हस्ताक्षर अभियान चालू किया ।इस अभियान में शहर वासियों के हस्ताक्षर लिए जाएंगे और उन्हें जागरूक किया जाएगा ,ताकि शहर में भगत सिंह चौक व मूर्ति की स्थापना हो सके।

सभी जनतांत्रिक, सांकृतिक एवं सामाजिक संगठन विगत कई वर्षों से संघर्षरत हैं ताकि शहर में भगत सिंह व अन्य शहीद क्रांतिकारियों की यादों को संजोया जा सके ।इस सिलसिले में कई बार नगर निगम को ज्ञापन भी सौंपा गया।

कार्यक्रम की शुरुआत जितेंद्र सिंह सोढ़ी (सीटू) के उद्बोधन से हुई ,उन्होंने भगत सिंह के समाजवादी विचारों का जीवन में महत्व बताया ।इप्टा अंबिकापुर के अध्यक्ष अंजनी पांडे ने रंग दे बसंती चोला गीत की प्रस्तुति दी ।फिर डॉक्टर आशा शर्मा ने क्रांतिकारियों की जीवनियों और आज के नवयुवकों के बारे में बताया ,उन्होंने कहा कि संग्रहालय ,चौक ,शहीदों की विरासत का बयान करते हैं । इसी चीज की कमी आज अंबिकापुर में है इप्टा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य प्रितपाल सिंह ने ÷कला केंद्र÷ को शहीद पार्क का दर्जा देने की बात तथा वहाँ शहीदों की मूर्तियाँ स्थापित कराने की मांग की ।

उसके बाद जानवरों की सेवा में लगी सेवारत टीम बेजुबान का सम्मान किया गया। कार्यक्रम के अंत में शहीदे आजम भगत सिंह सुखदेव और राजगुरु के चित्रों पर पुष्प अर्पित कर उन्हें याद किया गया ।इंकलाब जिंदाबाद के नारों से घड़ी चौक गूंज उठा ।कार्यक्रम का संचालन किरण सिन्हा ने किया ।कार्यक्रम में अनंत सिन्हा,चरनप्रीत सिंह ,सी पी शुक्ला ,पाल सिंह ,अनिल द्विवेदी , के एन तिवारी, वेद प्रकाश अग्रवाल,संदीप सिन्हा,राजेश मिश्रा,हरिशंकर त्रिपाठी , अनामिका चक्रवर्ती ,मल्टियार पी एस व अन्य कई उपस्थित थे।

जल जीवन मिशन के तहत चार दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण प्रारंभ

» समुदाय स्तर के 63 हितग्राही ले रहे हर घर जल का प्रशिक्षण

- संवाददाता -
अंबिकापुर,28 सितम्बर 2023
(घटती-घटना)।

जल जीवन मिशन अंतर्गत चयनित मुख्य संसाधन केन्द्र एक्शन फॉर कम्युनिटी एम्पावरमेंट द्वारा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के समन्वय से समुदाय स्तरीय हितग्राहियों के चार दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत गुरुवार को अम्बिकापुर में हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक कुमार ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। 30 सितम्बर तक चलने वाला यह प्रशिक्षण कार्यक्रम पूर्णतः आवासीय है और प्रतिभागी चार दिन रहकर जल जीवन मिशन के विभिन्न पहलुओं पर जानकारी हासिल करेंगे।नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक ने इस अवसर पर कहा कि जिले में हर घर जल उपलब्ध कराने का कार्य किया जा रहा है। नल जल योजना का संचालन, रख-रखाव एवं लम्बे समय तक चलाना समुदाय व पानी समिति की जिम्मेदारी होगी, प्रशिक्षण

के माध्यम से जल जीवन मिशन के बारे में पूर्ण जानकारी प्रदान किया जाएगा।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन अभियंता श्री एस पी मंडावी ने बताया कि जल जीवन मिशन तहत हर घर जल क्रियाशील घरेलु नल कनेक्शन उपलब्ध कराने हेतु केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा व्यापक कार्यक्रम चलाया जा रहा है, जिसके तहत सभी गांव में नल कनेक्शन जल आपूर्ति के माध्यम से हर घर नल से जल उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्तकर्ताओं को प्रेरित करते हुए कहा कि प्रशिक्षण के माध्यम से क्षमता वर्धन किया जा रहा है, निश्चित ही जल जीवन मिशन का सफल संचालन में समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित होगी। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से चार दिवसीय प्रशिक्षण में सजगता पूर्वक भाग लेने, साथ ही जल जीवन मिशन पर विशेष जानकारी प्राप्त कर ग्राम पंचायत में लोगों को लाभान्वित किए जाने कहा।

इस दौरान लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग से जिला समन्वयक प्रज्ञा कुमार गुप्ता, अजीत राजवाड़े, राजीव कुशवाहा, एसीई संस्था प्रतिनिधि, विभागीय अधिकारी-कर्मचारी तथा प्रशिक्षु उपस्थित थे ।

शहर के दो स्कूलों को आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय के रूप में किया गया परिवर्तन

- संवाददाता -
अंबिकापुर,28 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने अम्बिकापुर शहर को एक और सौगात दी है। उनके प्रयास से शहर के 2 स्कूलों का उन्नयन स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल के रूप में हो गया है। नगर पालिक निगम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय और शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, भगवानपुर का चयन स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल में परिवर्तित करने के लिए किया गया है। अभी तक अम्बिकापुर शहर में एक ही स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल संचालित था। शहर की आबादी को देखते हुए अतिरिक्त स्वामी आत्मानंद स्कूलों की आवश्यकता थी। अब उपमुख्यमंत्री के प्रयास से शहर को एक साथ 2 स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल एक साथ प्राप्त हो रहे हैं। इसके लिए स्कूली शिक्षा विभाग ने 26 सितंबर को एक पत्र जारी कर इन दोनो स्कूलों का प्रबंधन स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय प्रबंधन समिति को सौंप दिया है। स्कूली शिक्षा विभाग ने साथ ही साथ यह व्यवस्था भी दिया है कि इन विद्यालयों में अंग्रेजी के साथ हिंदी माध्यम की शिक्षा भी दी जायेगी। हिंदी माध्यम से शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्रों के प्रवेश में संख्या पर कोई प्रतिबंध नहीं रहेगा। जरूरी होने पर स्कूलों में 2 पालियों में कक्षाओं के संचालन होगा। इन दोनो स्कूलों में अंग्रेजी माध्यम से कक्षाओं के संचालन के लिए 24-24 की संख्या में स्टाफ का सेटअप तैयार किया जायेगा, जिसकी भर्ती प्रतिनियुक्ति और संविदा भर्ती के माध्यम से की जाएगी। इन स्कूलों के मौजूदा स्टॉफ को भी उपयुक्तता के आधार पर प्रतिनियुक्ति प्राप्त करने का अधिकार दिया है। इसकी प्रक्रिया 3 दिनों के अंदर करने के लिए स्कूली शिक्षा विभाग ने निर्देशित किया है।

पिकअप की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

- संवाददाता -
अंबिकापुर,28 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

अंबिकापुर- सीतापुर मार्ग पर स्थित लालमाटी घाटी के पास बुधवार को पिकअप ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। इसेस बाइक सवार युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गया। उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया। यहां जांच के दौरान चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

जानकारी के अनुसार वसीम पिता सलाउद्दिन इराकी उम्र 24 वर्ष अंबिकापुर कोतवाली थाना क्षेत्र के रसुलपुर का रहने वाला था। वह बुधवार को लालमाटी की ओर बाइक से किसी काम से गया था। काम खत्म कर वहां से वापस लौट रहा था। तभी लालमाटी घाटी के पास पिकअप क्रमांक यूपी 64टी 3431 के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए बाइक को टक्कर मार दी। इससे वसीम गंभीर रूप से जख्मी हो गया। सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे और उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाए। यहां जांच के दौरान चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

ईद मिलादुन्नबी पर निकाली गई विशाल जुलूस,प्रतिभावान युवाओं का किया गया सम्मान

- संवाददाता -
अंबिकापुर,28 सितम्बर 2023
(घटती-घटना)।

सीरतुन्नबी कमेटी द्वारा गुरुवार को ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर शहर के मोमिनपुरा मोहल्ले से भव्य जूलूस निकाला गया जोकि शहर के मुख्य मार्गो से होते हुए शहर के कला केंद्र में पहुंच एक जलसे में तब्दील हो गयी। जहां मुस्लिम समुदाय के स्कॉलर इस्लाम धर्म के अंतिम पैगंबर हुजूर सल्लल्लाहु वसल्लम की जिंदगी में प्रकाश डालेंगे. दरअसल कार्यक्रम का शुभारंभ जयस्तंभ चौक स्थित जामा मस्जिद से शुरू हुआ जहां से एक जुलूस प्रारंभ हुआ जिसमें जामा मस्जिद के छात्र नांत पढ़ते हुए सदर रोड़, स्टेट बैंक रोड़, रसूलपुर, मोमिनपुरा मोहल्ले पहुंचे और वहां पहले से एकत्रित लोग जूलूस में शामिल हो गए इसके बाद विशाल जुलूस बरेज तालाब होते हुए जमा मस्जिद से सदर रोड ,महामाया चौक, देवीगंज रोड होते हुए घड़ी चौक से कला केंद्र में जूलूस पहुंच कर एक जलसे में तब्दील हो गई. जहां कार्यक्रम का शुरुआत मुस्लिम मौलानाओं के द्वारा किया गया इस दौरान सभी मुस्लिम स्कॉलर एवं मौलाना के द्वारा इस्लाम धर्म के अंतिम नबी मोहम्मद साहब के जीवन पर प्रकाश डालें.कार्यक्रम में इस वर्ष छत्तीसगढ़ पीएससी में सरगुजा के सफल प्रतिभागियों को शहर काजी मौलाना अबुलेशआजमी, मौलाना मुफ्ती शगीर अहमद, हाफिज यूसुफ के द्वारा सम्मानित किया जिनमें अनन्या अग्रवाल, राणा विजय सिंह, अभिषेक तिवारी ,अक्षय कुमार तिवारी, प्रियंका रवि ,शुभम देव, अमन सिंह रिचा बंसल सरवन बंसल, अंचला गिरी,सर्वेश पटेल. इसके पश्चात कक्षा 10वी में उच्च अंक लाने वाले सना परवीन पिता मोहम्मद फारूक, शिफा फातिमा पिता नूर एन मोहम्मद, वह अली राजा पिता कुतुबुद्दीन खान व कक्षा 12वीं में उच्च अंक प्राप्त करने वाले बेबी अफरीदा पिता पिता मोहम्मद मुनीर अब्दुल कलाम पिता मुस्तफा अंसारी मेहर फातिमा पिता जावेद

अख्तर को सम्मानित किया गया. कार्यक्रम में सरगुजा प्रेस क्लब के पदाधिकारी को भी सम्मानित किया गया जिन्हें मुख्य रूप से क्लब के अध्यक्ष दीपक सराठे, महासचिव रोमी सिद्दीकी उपाध्यक्ष दिलीप जायसवाल, रामप्रवेश विश्वकर्मा सचिव रामकुमार यादव, शेखर गुप्ता व कोषाध्यक्ष दीपक कश्यप को कमेटी के द्वारा सम्मानित किया गया है. अम्बिकापुर के विभिन्न मदरसों में तालीम हासिल करने वाले मदरसों के छात्रों जिनमें हसनैन राजा पिता अब्दुल हफीज मदरसा अल शकूर ग्राम लचकी हाफिज अहमद रजा पिता नूर हसन मदरसा फैजुलरसूल अंबिकापुर, मोहम्मद अफसर पिता मोहम्मद निसार मदरसा फैजुल अनवर मोमिनपुरा, हाफिज मोहम्मद जुनेद पिता तौकीर अहमद साहब मदरसा फैजूल अनवार जयस्तंभ चौक, हाफिज गुलाम जबर पिता मोहम्मद हबीब अंसारी मदरसा मायापुर वह अहमद राजा पिता हाजी कयामुद्दीन साहब मदरसा फैजुल अजीजी मिल्लत रसूलपुर को सम्मानित किया गया वही बास्केटबॉल में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले आबिद हुसैन पिता लियाकत हुसैन रेफरी राज्यस्तरीय बास्केटबॉल को भी सम्मानित किया गया है. कार्यक्रम में इस वर्ष हज करने वाले हाजी बदरूद्दीन निवासी रसूलपुर हाजी अमानुल्लाह मोहम्मद मेराज अंसारी गोविंदपुरा मोहम्मद अख्तर छम्मा खरसिया नाका हाजी मोहम्मद इदरीश अंसारी सदर रोड मोहम्मद एनुअल आबेदीन सदर रोड व मोहम्मद फारुक खान कुटन पर को सम्मानित किया गया है.कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त अजय अग्रवाल , बालकृष्ण पाठक,सफी अहमद, जेपी श्रीवास्तव ,राकेश गुप्ता, हेमंत सिंह,बंटी शर्मा, संजय सिंह निखिल विश्वकर्मा उपस्थित थे।

कार्यक्रम का आयोजन सीरतुन्नबी कमेटी के द्वारा आयोजित किया गया. कार्यक्रम में कमेटी के अध्यक्ष मोहम्मद इस्लाम, मो.रशीद अंसारी, रशीद पेंटर, सैयद अख्तर हुसैन, निक्की खान, काजू खान,फैजान अंसारी, रियाजउद्दीन, इमरान सिद्दीकी, तुफान अंसारी, तनवीर हसन, हसीब खान, सोनू खान (रशीद बस) असफाक अहमद (पापुलर बस सर्विस) सहित काफी संख्या में कमेटी के सदस्य उपस्थित थे।

पश्चिम एशियाई देशों की जेलों में बंद भिखारियों में 90 फीसदी पाकिस्तानी;सऊदी अरब-इराक परेशान

नई दिल्ली,28 सितम्बर 2023। आंतकवाद और गधों के निर्यात के लिए पाकिस्तान अक्सर सुर्खियों में रहा है। हाल ही में एक और कारनामा पाकिस्तान के नाम हो चला है। भिक्षावृत्ति के मामले में पाकिस्तान से पश्चिम एशियाई देश भी परेशान है। हाल में मिली जानकारी के मुताबिक पता चला है कि पश्चिम एशियाई देशों में भिक्षावृत्ति के लिए बड़ी संख्या में लोगों को जेल में बंद किया गया है। हैरत की बात है कि भिक्षावृत्ति के लिए जेल में बंद 90 फीसदी लोग पाकिस्तान से हैं। इन हालातों से अंदाजा लगाया जा सकता है कि पाकिस्तान की अंदरूनी स्थिति कैसी होगी।

सऊदी अरब और इराक जैसे देशों ने पाकिस्तान सरकार से भिक्षावृत्ति के प्रवाह को रोकने का अनुरोध भी किया है। प्रवासी पाकिस्तानियों के सचिव जीशान खानजादा ने हाल में एक स्थायी समिति को यह जानकारी दी थी। इतना ही नहीं, मक्का की ग्रैंड मस्जिद के भीतर से गिरफ्तार किए गए ज्यादातर जेबकतरे पाकिस्तान से ही हैं।

पाकिस्तान के जियो न्यूज उर्दू के अनुसार, इराक और सऊदी अरब के राजदूतों ने बताया है कि पाकिस्तानी भिखारी उमरा वीजा पर जियारत (तीर्थयात्रा) की आड़ में विदेश यात्रा करते हैं और बाद में सड़कों पर भीख मांगते हैं। उन्होंने कहा, ये व्यक्ति वीजा प्राप्त करते हैं और फिर दूसरे देशों में भीख मांगने का सहारा लेते हैं। पाकिस्तान से मध्य पूर्व की उड़ानें अक्सर पूरी तरह से भिखारियों से भरी होती है।

एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि संयुक्त अरब अमीरात में 16 लाख और कतर में दो लाख पाकिस्तानी मौजूद हैं। इराकी और सऊदी अरब के राजनयिकों ने दावा किया है कि उनके कारागार पाकिस्तानी भिखारियों से भरी हुई हैं, उन्होंने कहा कि यह मामला वैश्विक मंच पर पाकिस्तान को शर्मसार कर रहा है।

विश्व बैंक की रिपोर्ट में दावा

पिछले वित्तीय वर्ष में पाकिस्तान में गरीबी बढ़कर 39.4 प्रतिशत हो गई, खराब आर्थिक स्थिति के कारण 12.5 मिलियन से अधिक लोग गरीबी की चपेट में आ गए है।

गधों के निर्यात में लगा हुआ है पाकिस्तान

2022-23 के लिए पाकिस्तान आर्थिक सर्वेक्षण (पीईएस) के अनुसार, देश में गधों की आबादी 2022 में 5.7 मिलियन से बढ़कर 5.8 मिलियन हो गई। ऐसा चीन की मांग के कारण हुआ था। पाकिस्तान लगातार चीन को गधों का निर्यात कर रहा है।

भारतीय मूल की महिला पर पुलिस को परेशान करने का आरोप,हो सकती है एक साल जेल की सजा

सिंगापुर,28 सितम्बर 2023। सिंगापुर में एक भारतीय मूल की महिला पर पुलिस को फर्जी कॉल करके परेशान करने का आरोप लगा है। महिला ने अपने एक दोस्त की कथित आत्महत्या की कोशिश को लेकर पुलिस को कॉल किया था लेकिन जांच में यह कॉल फर्जी निकला। महिला पर पर आरोप तय हो गए हैं। आरोप पत्र के अनुसार, महिला ने 26 अगस्त को पुलिस दो बार फर्जी कॉल किए थे। खबर के अनुसार, पुलिस ने आरोपी महिला सलविंदर कौर को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि महिला ने पुलिस को कॉल करके कहा था कि पासिर रिस हाउसिंग एस्टेट में हाउसिंह बोर्ड के एक फ्लैट में उसके दोस्त ने आत्महत्या का प्रयास किया, लेकिन जांच में यह दावा झूठ निकला। पुलिस ने जांच के बाद बताया कि महिला ने जानबूझकर यह फर्जी कॉल किया था। पुलिस ने आरोपी महिला को जांच के बाद गैरकानूनी गतिविधियों में शामिल होने और पुलिस को परेशान करने के आरोप में गिरफ्तार किया।

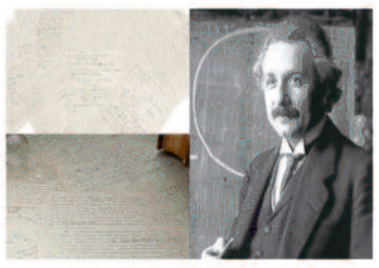

अल्बर्ट आइंस्टीन से जुड़ी पांडुलिपि की नीलामी,10.7 करोड़ रुपये में तय हुआ सौदा

नई दिल्ली,28 सितम्बर 2023। विश्व विख्यात भौतिक वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन द्वारा हस्ताक्षरित एक पांडुलिपि की शंघाई में नीलामी हुई। जिसकी बोली 10.7 करोड़ रुपये लगाई गई थी। यह दुर्लभ हस्ताक्षरित पांडुलिपि विज्ञान में उनके प्रसिद्ध योगदान विशेष सापेक्षता के सिद्धांत (1905) और सामान्य सापेक्षता (1915) के विकास की व्याख्या से जुड़ी है। नीलामी कार्यक्रम 23 सितंबर को वाल्डोर्फ एस्टोरिया शंघाई में आयोजित किया गया था। पहली बार 3 फरवरी 1929 को जर्मन में लिखी गई यह पांडुलिपि न्यूयॉर्क टाइम्स में प्रकाशित हुई थी। आइंस्टीन को विज्ञान में उनके दो सबसे प्रसिद्ध योगदानों के विकास की व्याख्या करने के लिए नियुक्त किया गया था, जिसमें विशेष सापेक्षता के सिद्धांत (1905) और सामान्य सापेक्षता (1915) प्रमुख थे।

अप्रवासी बच्चों के लिए खत्म हो जन्मजात नागरिकता, राष्ट्रपति उम्मीदवार की बहस में बोले रामास्वामी

नई दिल्ली,28 सितम्बर 2023। अमेरिका में रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार की रेस में विवेक रामास्वामी लोगों की पहली पसंद बनते जा रहे हैं। रिपब्लिकन राष्ट्रपति उम्मीदवार की दूसरी बहस में भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिक विवेक रामास्वामी का ग्राफ लगातार बढ़ रहा है। उनकी नीतियों और प्रस्तावों के कारण लोग उन्हें सुनना पसंद कर रहे हैं। कठोर नीतिगत बदलावों के अपने प्रस्तावों को जारी रखते हुए दूसरी रिपब्लिकन बहस में उन्होंने कहा, अमेरिका में अवैध प्रवासियों के बच्चों के लिए जन्मजात नागरिकता को समाप्त कर देना चाहिए।

जन्मजात नागरिकता 2015 के प्रस्ताव का जिक्र

बहस के दौरान सवाल पूछा गया कि बिना दस्तावेज वाले अप्रवासियों और उनके अमेरिकी मूल के बच्चों को देश से बाहर निकालने के लिए वह किस कानूनी आधार का प्रयोग करेंगे। तो उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के जन्मजात नागरिकता समाप्त करने के 2015 के प्रस्ताव का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि वह इस देश में अवैध अप्रवासियों के बच्चों के लिए जन्मजात नागरिकता को समाप्त करके एक कदम और आगे बढ़ेंगे।

एच-1बी वीजा कार्यक्रम में हो सुधार

इससे पहले विवेक स्वामी द्वारा एच-1बी वीजा कार्यक्रम की भी आलोचना की गई थी। उन्होंने कहा था कि वर्तमान लॉटरी प्रणाली को खत्म किया जाना चाहिए। साथ ही जरूरतों को पूरा करने के लिए योग्यतावादी कौशल आधारित आव्रजन योजना लागू की जानी चाहिए।

क्या है एच-1बी वीजा?

एच-1बी वीजा, जो भारतीय आईटी पेशेवरों के बीच काफी लोकप्रिय है, एक गैर-आप्रवासी वीजा है। जो अमेरिकी कंपनियों को विदेशी श्रमिकों को विशेष व्यवसायों में नियोजित करने की अनुमति देता है। जिनके लिए सैद्धांतिक या तकनीकी विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है। गौरतलब है कि रामास्वामी ने खुद 29 बार एच-1बी वीजा प्रोग्राम का इस्तेमाल किया है।

2024 में राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बनने के लिए दूसरी रिपब्लिकन बहस बुधवार को कैलिफोर्निया की सिमी वैली में रोनाल्ड रीगन प्रेसिडेंशियल लाइब्रेरी एंड म्यूजियम में आयोजित की गई थी। इस दौरान फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डेसेंटिस और पूर्व संयुक्त राष्ट्र राजदूत निक्की हेली सहित छह अन्य उम्मीदवारों के साथ मंच साझा करते हुए देखा गया।

भारतीयों को दूतावास ने जारी किए 10 लाख से अधिक वीजा,2019 की तुलना में 20 प्रतिशत से अधिक आवेदन

नई दिल्ली, 28 सितम्बर 2023। भारत में अमेरिकी मिशन ने 2023 में 10 लाख गैर-आप्रवासी वीजा आवेदनों को संसाधित करने के अपने लक्ष्य को पार कर लिया है। अमेरिकी दूतावास ने गुरुवार को घोषणा की कि मिशन ने 2022 में संसाधित मामलों की कुल संख्या को पहले ही पार कर लिया है और महामारी 2019 से पहले की तुलना में लगभग 20त्न अधिक आवेदनों पर कार्रवाई कर रहा है।

भारत से रिश्ते हुए और मजबूत

भारत में राजदूत एरिक गार्सेटी ने दूतावास के एक्स(पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट कर कहा, ÷भारत के साथ हमारी साझेदारी अमेरिका के सबसे महत्वपूर्ण द्विपक्षीय संबंधों सहित दुनिया में सबसे महत्वपूर्ण रिश्तों में से एक है। हमारे लोगों के बीच संबंध पहले से कहीं अधिक मजबूत हैं, और हम आने वाले महीनों में अधिक से अधिक भारतीय आवेदकों को संयुक्त राज्य अमेरिका की यात्रा करने और अमेरिका-भारत मित्रता का प्रत्यक्ष अनुभव करने का अवसर देने के लिए वीजा कार्य की रिकॉर्ड-सेटिंग मात्रा जारी रखेंगे÷।

कितना है रोजगार वीजा आवेदकों का आंकड़ा

बता दें कि पिछले वर्ष, 1.2 मिलियन से अधिक भारतीयों ने अमेरिका का दौरा किया, जिससे यह दुनिया में सबसे मजबूत यात्रा संबंधों में से एक बन गया। अमेरिकी दूतावास के मुताबिक भारतीय अब दुनियाभर में सभी वीजा आवेदकों में से 10 प्रतिशत से अधिक का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिसमें सभी छात्र वीजा आवेदकों में से 20त्न और सभी एच एंड एल-श्रेणी (रोजगार) वीजा आवेदकों में से 65त्न शामिल हैं।

अमेरिकी वीजा की निरंतर मांग को ध्यान में रखते हुए, दूतावास ने कहा कि अमेरिका भारत में अपने परिचालन में भारी निवेश कर रहा है। पिछले वर्ष में, मिशन ने पहले से कहीं अधिक वीज़ा प्रसंस्करण की सुविधा के लिए अपने स्टाफ का विस्तार किया है। मिशन ने मौजूदा सुविधाओं, जैसे चेन्नई में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास, में महत्वपूर्ण पूंजीगत सुधार किए हैं और हैदराबाद में एक नए वाणिज्य दूतावास भवन का उद्घाटन किया है।

एरिक ने व्यक्तिगत रूप से इन्हें सौंपा 10 लाख वां वीजा

अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी ने व्यक्तिगत रूप से एक कपल को दस लाख वां वीजा सौंपा है, जो एमआईटी में अपने बेटे के स्नातक स्तर की पढ़ाई के लिए अमेरिका जा रहे हैं। लेडी हार्डिंग कॉलेज की वरिष्ठ सलाहकार डॉ. रंजू सिंह अमेरिकी दूतावास से इस वर्ष अपना दस लाख का वीजा मिलने के बारे में एक ईमेल प्राप्त करके बहुत खुश थीं। उनके पति पुनीत दर्गन को अगला वीजा दिया गया। यह कपल मई, 2024 में अमेरिका की यात्रा करेगा।

दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज नेता अजीज पहाड़ का निधन,रंगभेद के खिलाफ संघर्ष में निभाई थी अहम भूमिका

जोहानिसबर्ग,28 सितम्बर 2023। दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज राजनेता और स्वतंत्रता सेनानी अजीज पहाड़ का 82 साल की उम्र में निधन हो गया। उन्होंने बुधवार को जोहानिसबर्ग में अंतिम सांस ली। परिवार ने एक बयान में कहा कि हम भारी मन से यह घोषणा कर रहे हैं कि अजीज गुलाम हुसैन पहाड़ का 27 सितंबर, 2023 की शाम को 82 वर्ष की आयु में निधन हो गया। बयान में कहा गया है कि अजीज एक देशभक्त, स्वतंत्रता सेनानी के साथ जीवन भर लोगों की सेवा के लिए समर्पित रहे। साथ ही वह एक शानदार राजनयिक और रणनीतिकार थे, जिन्होंने 1994 से 2008 तक संसद सदस्य और विदेश मामलों के उप-मंत्री के रूप में अपनी सेवाएं दीं।

तीन महीने पहले ही अजीज पहाड़ के बड़े भाई और उनके साथी कार्यकर्ता रहे एस्सोप गुलाम पहाड़ का निधन हुआ था। पहाड़ बंधु छोटी उम्र में ही दक्षिण अफ्रीका में ट्रांसवाल इंडियन कांग्रेस के सदस्य के रूप में रंगभेद के खिलाफ आंदोलन में

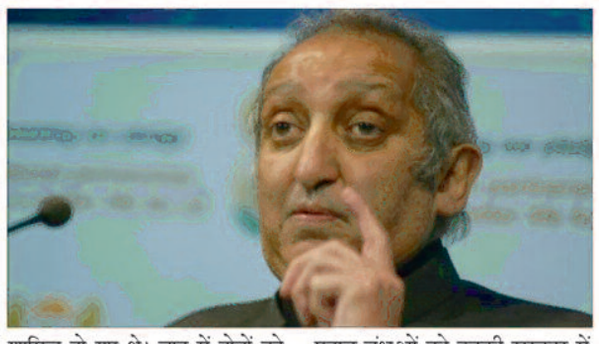

शामिल हो गए थे। बाद में दोनों को निर्वासित जीवन जीना पड़ा था, लेकिन उन्होंने अफ्रीकी राष्ट्रीय कांग्रेस (एएनसी) में अग्रणी भूमिका निभाई और नेल्सन मंडेला को रिहा कराने के लिए एएनसी के संघर्ष में शामिल रहे।

एफडब्ल्यू डी क्लार्क के नेतृत्व वाली सरकार ने जब 27 वर्षों तक राजनीतिक कैदी रहे मंडेला को रिहा करने का निर्णय लिया। इसके बाद वे दक्षिण अफ्रीका लौट आए। 1994 में जब मंडेला दक्षिण अफ्रीका के लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित पहले राष्ट्रपति बने, तो पहाड़ बंधुओं को उनकी सरकार में वरिष्ठ पदों पर जगह मिली। उन्होंने मंडेला के उत्तराधिकारी थाबो मबेकी की सरकार में भी काम किया, लेकिन जब एएनसी के एक गुट ने मबेकी को पद से हटा दिया और जैकब जुमा ने राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली, तो उन्होंने पद से इस्तीफा दे दिया।

पूर्व राष्ट्रपति मबेकी की सरकार में अजीज पहाड़ ने कई वर्षों तक विदेश मामलों के उपमंत्री के रूप में कार्य किया। इस दौरान उन्होंने फिलिस्तीन संकट के समाधान के लिए भी कार्य किया।

देश लौटते ही नवाज शरीफ की बढ़ सकती हैं मुश्किलें,चार मामलों में भ्रष्टाचार की फिर खुलेंगी फाइलें

नई दिल्ली,28 सितम्बर 2023 । भ्रष्टाचार के मामले में पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ पर फिर से शिकंजा कसने की तैयारी है। पाकिस्तान की भ्रष्टाचार रोधी संस्थान नवाज शरीफ के खिलाफ भ्रष्टाचार के कम से कम चार मामले फिर से खोलने की तैयारी कर रहा है। अगले महीने पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के पाकिस्तान लौटने की खबरें है। देश लौटते ही नवाज शरीफ की मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

एक अधिकारी के मुताबिक, पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) सुप्रीमो पार्टी के चुनाव अभियान का नेतृत्व करने के लिए 21 अक्टूबर को लंदन से पाकिस्तान लौटने वाले हैं। लाहौर उच्च न्यायालय द्वारा चार सप्ताह के लिए जमानत दिए जाने के बाद नवाज ने नवंबर 2019 में चिकित्सा आधार पर देश छोड़ दिया। वह कोट लखपत जेल लाहौर में अल-अजीजिया मिल्स भ्रष्टाचार मामले में सात साल की कैद की सजा काट रहे थे।

पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) सुप्रीमो पार्टी के चुनाव अभियान का नेतृत्व करने के लिए 21 अक्टूबर को लंदन से पाकिस्तान लौटने वाले हैं। लाहौर उच्च न्यायालय द्वारा चार सप्ताह के लिए जमानत दिए जाने के बाद नवाज ने नवंबर 2019 में चिकित्सा आधार पर देश छोड़ दिया। वह कोट लखपत जेल लाहौर में अल-अजीजिया मिल्स भ्रष्टाचार मामले में सात साल की कैद की सजा काट रहे थे।

नवाज शरीफ रैली के जरिए देंगे रोडमैप

नवाज शरीफ की पार्टी का कहना है कि वह मीनार-ए-पाकिस्तान में एक रैली को संबोधित करेंगे। जहां वह देश को आर्थिक संकट, शासन की समस्याओं और अन्य मुद्दों से बाहर निकालने के लिए एक रोडमैप देंगे, जिसका देश आज सामना कर रहा है।

भारत-कनाडा विवाद

वीजा दिलवाने के नाम फंसाए जा रहे हैं युवा सिख, खालिस्तानी समर्थकों का भारत विरोधी खेल

नई दिल्ली,28 सितम्बर 2023। खालिस्तानी समर्थक भारत के खिलाफ अपने एजेंडे को पूरा करने के लिए सिख युवाओं का सहारा ले रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक खालिस्तानी समर्थक युवा सिखों को फंसाने के लिए वीजा प्रायोजित कर रहे है। जिसके कारण युवा सिख उनके झांसे में आ रहे हैं। खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद से ही भारत और कनाडा के बीच दरार पैदा हुई है। जानकार सूत्रों की माने तो खालिस्तानी आतंकी अब युवा सिखों के जरिए अपने एजेंडे को पूरा करना चाहते हैं। मोनिंदर सिंह बुआल, परमिंदर पंगली, भगत सिंह बराड़ जैसे खालिस्तानी समर्थक लगातार युवा सिखों के सम्पर्क में हैं।

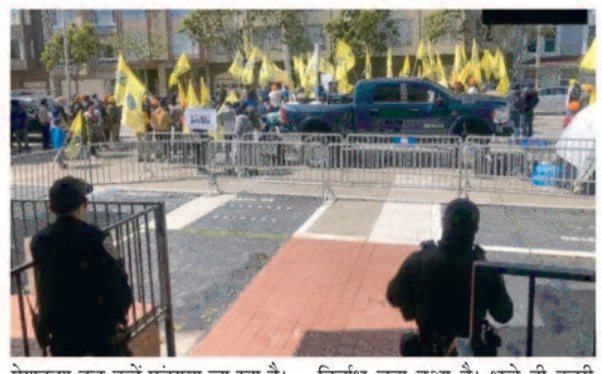

वीजा दिलवाने के नाम पर आंतक का खेल

बेरोजगार छात्र और अवैध अप्रवासियों को खासा निशाना बनाया जा रहा है। जानकारी के अनुसार खालिस्तानी समर्थक उनके वीजा को प्रायोजित कर रहे हैं। साथ ही निम्न स्तर की नौकरियों की पेशकश कर उन्हें फंसाया जा रहा है। जिसके बाद से ये सभी युवा सिख खालिस्तानी समर्थकों के सीधा सम्पर्क में आ जाते हैं।

आंतकियों का गठबंधन

मोनिंदर सिंह बुआल और बराड़ ने पंजाब में देवेंद्र बांभिया गिरोह, अर्श दल्ला गिरोह, लखबीर लांडा गिरोह जैसे गैंगस्टरों के साथ एक गठजोड़ भी बनाया है। पंजाब में आतंकवादी हमलों के लिए अपने गुर्गों का उपयोग करने के बदले में इन वांछित गैंगस्टरों को कनाडा ले गए। खालिस्तान समर्थकों द्वारा चलाया जाने वाला यह मानव तस्करी चैनल कनाडाई एजेंसियों की नाक के नीचे निर्बाध बना हुआ है। भले ही उत्तरी अमेरिकी देश मानव तस्करी के प्रति बहुत संवेदनशील हो।

क्यों शुरु हुआ विवाद?

नई दिल्ली और ओटावा के बीच विवाद तब शुरू हुआ जब कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने 18 सितंबर को निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंटों की संलिप्तता का आरोप लगाया था। भारत ने आरोपों को बेतुका और प्रेरित कहकर खारिज कर दिया। इस मामले पर ओटावा के एक भारतीय अधिकारी के निष्कासन के बदले में भारत ने एक वरिष्ठ कनाडाई राजनयिक को निष्कासित कर दिया था।

मणिपुर हिंसा पर अंतरराष्ट्रीय मीडिया की खबरों का कोई आधार नहीं,भारतीय कार्यकर्ता ने UNHRC को बताया

जिनेवा,28 सितम्बर 2023। मिजोरम की एक ईसाई सामाजिक कार्यकर्ता एलिनेरी लियानहलवांग ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) को बताया कि मणिपुर हिंसा पर अंतरराष्ट्रीय मीडिया द्वारा फैलाई जा रही बातों का कोई आधार नहीं है और भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में समृद्ध जातीय विविधता है।

जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के 54वें सत्र में एक आम बहस के दौरान एलिनेरी ने कहा, भारत के पूर्वोत्तर की एक स्वदेशी महिला होने के नाते मुझे मणिपुर संघर्ष और क्षेत्र में शांति और सामान्य स्थिति वापस लाने के लिए भारत सरकार के दृढ़ संकल्प पर प्रकाश डालने का सौभाग्य मिला है।

एलिनेरी ने कहा, 28 लाख की आबादी वाला मणिपुर 35 से अधिक समुदायों का घर है, उनमें से अधिकांश को तीन मुख्य जातीय समूहों में वर्गीकृत किया जा सकता है- मेतई, नागा और कुकी। भौगोलिक रूप से राज्य को दो भागों में विभाजित किया जा सकता है- इंफाल घाटी और पहाड़ी क्षेत्र। घाटी में 11 फीसदी से कुछ अधिक क्षेत्र है, लेकिन कुल आबादी का 57 फीसदी हिस्सा है, जिसमें मुख्य रूप से मैतई लोग हैं। पहाड़ी क्षेत्रों में नगा और कुकी जनजातियों का प्रभुत्व है और वे राज्य की आबादी का 43 फीसदी हिस्सा हैं।

कार्यकर्ता ने कहा कि वर्तमान संघर्ष को जटिल जातीय संबंधों के चश्मे से देखने की जरूरत है। इस संघर्ष का एक मुख्य कारण भूमि अधिकार, नियंत्रण और दो समुदायों के बीच भूमि के स्वामित्व को लेकर है। इसलिए, जैसा कि अंतरराष्ट्रीय मीडिया में कहा जा रहा है कि मणिपुर संघर्ष धार्मिक प्रकृति का है, इसका कोई आधार नहीं है।

उन्होंने कहा, वास्तविकता यह है कि संघर्ष को बहुसंख्यक मैतई और अल्पसंख्यक ईसाई कुकी के बीच एक धार्मिक संघर्ष के रूप में वर्णित नहीं किया जा सकता है क्योंकि नगा, जो मुख्य रूप से ईसाई हैं, संघर्ष में भागीदार नहीं हैं। मैतई, आबादी के हिस्से का जिक्र न करने के लिए ईसाई धर्म का भी अभ्यास करता है।

एलिनेरी ने संयुक्त राष्ट्र से कहा, शुक्र है कि भारत की केंद्र सरकार ने दोनों समुदायों के मुद्दों पर बातचीत को जारी रखी हुई है। उसने सभी समूहों से संबंधित समुदाय के नेताओं की शांति समिति और राहत पैकेजों के साथ संघर्ष को शांतिपूर्ण ढंग से हल करने की कोशिश की है और पूरे राज्य में डेरा डाला है।

पाकिस्तान हिंदू समुदाय को बना रहा निशाना

बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा के राजनीतिक कार्यकर्ताओं ने बुधवार को जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के 54वें सत्र के दौरान पाकिस्तान पर मानवाधिकारों का उल्लंघन करने का आरोप लगाते हुए कहा कि वह अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय का उत्पीड़न कर रहा है।

विश्व सिंधी कांग्रेस के ब्रिटेन और यूरोप के आयोजक हिदायत उल्लाह भुट्टो ने कहा कि सिंधी हिंदुओं के खिलाफ हिंसा पाकिस्तान के इतिहास में एक काला धब्बा है। पाकिस्तान बनने के बाद से समुदाय के 80 फीसदी लोगों को अपनी मातृभूमि से जाने के लिए मजबूर किया गया। हाल के वर्षों में इन मामलों में चिंताजनक ढंग से बढ़ोतरी हुई है।

भारत में 40 प्रतिशत से अधिक बुजुर्ग सबसे गरीब वर्ग में,संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में दावा

न्यूयॉर्क, 28 सितम्बर 2023 । संयुक्त राष्ट्र की एक नई रिपोर्ट सामने आई है। जिसमें कहा गया कि भारत में 40 प्रतिशत से अधिक बुजुर्ग सबसे गरीब संपत्ति वर्ग में हैं। साथ रिपोर्ट ने दावा किया गया कि उनमे से लगभग 18.7 प्रतिशत बिना आय के रहते हैं। यूएनएफपीए की इंडिया एजिंग रिपोर्ट 2023 के अनुसार, बुजुर्गों में गरीबी का यह स्तर उनके जीवन की गुणवत्ता और स्वास्थ्य देखभाल के उपयोग को प्रभावित कर सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 17 राज्यों में यह अनुपात राष्ट्रीय स्तर से ऊपर था, उत्तराखंड में 19.3 प्रतिशत से लेकर लक्षद्वीप में 42.4 प्रतिशत तक है। वृद्ध महिलाओं में उच्च जीवन प्रत्याशा है, जो कई देशों के पैटर्न के अनुरूप है। राजस्थान, हरियाणा, गुजरात, उत्तराखंड, केरल, हिमाचल प्रदेश और केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर जैसे राज्यों में 60 वर्ष की महिलाओं की जीवन प्रत्याशा 20 वर्ष से अधिक है, जिससे उनकी सामाजिक और आर्थिक भलाई के बारे में चिंताएं बढ़ गई हैं। रिपोर्ट में 2014 से 2021 तक कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व पहल के तहत बुजुर्गों पर 1259.6 बिलियन खर्च करने का खुलासा किया गया, जो सात वर्षों में 182 प्रतिशत की वृद्धि है।

CMYK

कांग्रेस पार्टी से विभाजित कोरिया के लिए गुलाब,प्रभा, अंबिका का नाम लगभग तय,सिर्फ घोषणा का इंतजार

यही तीनों होंगे विभाजित कोरिया की तीन विधानसभाओं से कांग्रेस पार्टी के विधायक पद के उम्मीदवार

वेदांती,योगेश, डमरु,अशोक,रमेश,राजकुमारव दो विनय नाम के विधायक प्रत्याशी दौड़ से बाहर एक प्रतिशत मात्र बची उनके लिए संभावना

विधानसभा क्रमांक 1,2,3 से क्रमशः गुलाब,प्रभा,अंबिका का नाम लगभग हो चुका तय है सत्ताधारी दल से प्रत्याशी बतौर

-रवि सिंह-
कोरिया,एमसीबी,28 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

विधानसभा 2023 चुनाव को लेकर बनते बिगड़ते समीकरण के बीच एक बात बहुत तेजी से सामने आ रही है वह बात है कि कांग्रेस प्रत्याशियों को लेकर अभिभाजित कोरिया जिले में कांग्रेस प्रत्याशियों को लेकर जो खींचातानी का दौर था वह अब धीरे-धीरे खत्म होता दिख रहा है, क्योंकि तीन नाम पर मुहर लग चुकी है और सिर्फ औपचारिक घोषणाएं ही बची हैं विधानसभा नंबर 1 से गुलाब कमरों विधानसभा क्रमांक 2 से प्रभा पटेल व विधानसभा क्रमांक 3 से अंबिका सिंह देव का नाम लगभग तय माना जा रहा है जैसा की सूत्रों का दावा है, अब नाम तय होने से इन तीनों विधानसभाओं के 74 विधायक प्रत्याशी निराश हो सकते हैं, 74 विधायक प्रत्याशी हम इसलिए बोल रहे हैं क्योंकि बैकुंठपुर विधानसभा से 52 लोगों ने दावेदारी की है सत्ताधारी दल से वहीं मनेंद्रगढ़ विधानसभा से 22 उम्मीदवार आवेदन किया था, जिसमें सबसे ज्यादा विधायक पद के लिए दावेदारी बैकुंठपुर विधानसभा से की गई थी। ऐसे में यदि दिग्गज नेताओं की भी बात की जाए तो वेदांती तिवारी, योगेश शुक्ला, अशोक जायसवाल, डॉ विनय जायसवाल वर्तमान विधायक, वहीं इंजीनियर विनय उपाध्याय, पूर्व महापौर डमरू रेड्डी, रमेश सिंह, राजकुमार केसरवानी सहित कई दिग्गज इस दौड़ से बाहर नजर आ रहे हैं और निश्चित रूप से यह खबर उनकी निराशा को बढ़ाने वाली ही होगी, क्योंकि सभी अपने आप को विधायक प्रत्याशी का प्रबल दावेदार मान रहे थे वहीं जब सूची सामने आने के बाद जिन्हे प्रत्याशी बनाया जायेगा उनका नाम देखकर समर्थकों में खुशी होगी तो वही जिनका नाम नहीं आया है उनके समर्थक निराश होंगे।

प्रत्याशियों के नाम की घोषणा के बाद परिणाम जो भी हो पर अंदर खाने में खिचड़ी तो जरूर पकेगी और किसको कितना नुकसान होगा यह परिणाम आने के बाद तय होगा, पर यदि प्रत्याशियों के चेहरे को लेकर बात की जाए तो यह अपने अकेले के चेहरे में जीत दर्ज कर पाने में नाकाम होंगे और यदि इन्हें जीत मिलेगी तो सिर्फ भूपेश बघेल यानी कि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के चेहरे पर क्योंकि फिलहाल उनका विकल्प भाजपा भी तलाश नहीं सकी है जो बड़े जोर शोर से चुनाव की तैयारी में लगी हुई है और सत्ता की कुर्सी तक जाने का मार्ग तलाश रही है। बैकुंठपुर मनेंद्रगढ़ विधानसभा में महिला प्रत्याशियों के भरोसे सत्ताधारी दल चुनाव में उतरने वाली है यह संभावना भी प्रबल हो गई है वहीं दोनो विधानसभाओं से दोनो महिला उम्मीदवार सत्ताधारी दल को कितना फायदा पहुंचा सकती हैं यह परिणाम के बाद ही तय होगा, वैसे यदि राजनीति के जानकारों की माने और वर्तमान में बैकुंठपुर साथ ही मनेंद्रगढ़ विधानसभा को लेकर संभावित उम्मीदवारों जो कांग्रेस पार्टी से होने जा रहे हैं उनको लेकर बात करें तो दोनो ही विधानसभा में पार्टी के लिए चुनाव आसान नहीं होगा और इसके पीछे अलग अलग कारण भी हैं, बैकुंठपुर विधायक का पांच सालों का कार्यकाल आम लोगों के लिए उनकी समझ से परे रहा। विधायक क्षेत्र में कम नजर आई वहीं उन्हे राजधानी में ही ज्यादा पाया गया, जनता के क्षेत्रवासियों के दुख सुख में उनकी मौजूदगी न के बराबर रही वहीं उनके निज सचिव और उनके खास सिपेहसलार भी लोगों से घुल मिल नहीं सके और न किसी के लिए उन्होंने कहीं खड़े होने का ही प्रयास किया। जनता ने पांच साल इस विधानसभा में खुद को नेतृत्व विहीन माना और वह परेशान ही नजर आई बात किसी भी क्षेत्र की क्यों न रही हो वहीं अब जनता के बीच विधायक जाने का प्रयास कर भी रही हैं और जनता उनसे मिल भी रही है लेकिन जनता क्षेत्र की नाखुश है यह वह जाहिर समाने न सही बाद में कर रही है जो सुनने को मिल रहा है वहीं संगठन और कार्यकर्ता विधानसभा के विधायक से नाराज ही नजर आ रहे हैं और वह शायद ही मन से जीत के लिए प्रयास करें यह भी माना जा रहा है। वहीं मनेंद्रगढ़ विधानसभा में चिरमिरी खड़गवां क्षेत्र से यदि कांग्रेस पार्टी ने प्रत्याशी घोषित नहीं किया तो यह तय है की खड़गवां चिरमिरी क्षेत्र बगावत कर सकता क्योंकि जिला गठन में इस क्षेत्र को मुख्यालय का दर्जा नहीं मिला स्थाइत्व की मांग भी उनकी पूरी नहीं हुई ऐसे में यदि उन्हे विधायक भी क्षेत्र से नहीं मिलेगा उन्हे यदि यह अंदेशा हो जायेगा वह निश्चित रूप से अन्य विकल्प पर विचार कर सकते हैं जो विपक्ष की तरफ उनके रुख के रूप में समाने आने वाला परिणाम साबित हो सकता है।

दिग्गज दावेदार होंगे मायूस

बैकुंठपुर साथ ही मनेंद्रगढ़ विधानसभा से कांग्रेस पार्टी से दावेदारी कर रहे दिग्गज दावेदार यदि अभी की संभावना जो टिकट को लेकर व्यक्त की जा रही है पर मुहर लगती है तो वह निराश होंगे, दोनो ही विधानसभाओं में कांग्रेस पार्टी के कई दिग्गज टिकट की मांग कर रहे हैं बैकुंठपुर से दिग्गजों की बात की जाए तो जिला पंचायत के वर्तमान उपाध्यक्ष वेदांती तिवारी,वरिष्ठ कांग्रेस नेता योगेश शुक्ला,पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष अशोक जायसवाल प्रमुख हैं जो टिकट की दौड़ में शामिल हैं और यह तीन ऐसे नाम हैं जो जिताऊ भी हैं और इन्होंने काफी मेहनत भी क्षेत्र में किया है खासकर विधायक से ज्यादा ही यह सक्रिय रहे और शासन की योजनाओं के साथ जनता के बीच यह पहुंचते रहे हैं। वहीं मनेंद्रगढ़ विधानसभा से यदि वर्तमान संभावना पर सत्ताधारी दल को लेकर मुहर लगती है तो वर्तमान विधायक के लिए यह बड़ा आघात होगा वहीं वरिष्ठ नेता रमेश सिंह, राजकुमार केशरवानी, के डोमरू रेड्डी की निराशा देखी जा सकेगी।

कौन होगा दोनों पार्टियों से निर्दलीय प्रत्याशी,निर्दलीय होकर भी कुछ लड़ सकते हैं चुनाव...उनकी है तैयारी-सूत्र

सत्ताधारी दल से बैकुंठपुर सहित मनेंद्रगढ़ विधानसभा में कई दावेदारों ने अपने लिए टिकट की मांग पार्टी से की है। वहीं इनमे से कुछ ऐसे दावेदार भी हैं जो चुनाव लड़ने की पूरी मंशा के साथ तैयारी में जुटे हुए हैं,जैसा की माना जा रहा है और जन चर्चाओं में भी सुना जा रहा है की दोनो ही विधानसभाओं से निर्दलीय भी चुनाव में कुछ कांग्रेस पार्टी से टिकट के वर्तमान दावेदार टिकट नहीं मिलने की स्थिति में चुनाव लड़ सकते हैं । अब निर्दलीय चुनाव लड़ने की हिम्मत कौन दिखाता है यह टिकट तय होने के बाद ही सामने आने वाली बात है और तभी समझ में आएगा भी लेकिन माना जा रहा है की इस चुनाव में सत्ताधारी दल को बगावत झेलना पड़ सकता है और यह बगावत पार्टी के लिए नुकसानदायक भी साबित हो सकता है । वैसे कौन निर्दल होकर चुनाव लड़ने की हिम्मत करता है यह देखने वाली बात होगी।

सोनहत भरतपुर विधानसभा में गुलाब कमरों साथ ही रविशंकर सिंह के बीच हो सकता है मुकाबला

भरतपुर सोनहत विधानसभा से जैसी की संभावना भी जाहिर की जा रही है सत्ताधारी दल से गुलाब कमरों जिनका चुनाव लडना तय है उनके खिलाफ कोई अन्य दावेदार पार्टी से नहीं है वहीं भाजपा से रविशंकर चुनाव लड़ सकते हैं जिला पंचायत सदस्य रविशंकर पर भाजपा दांव लगा सकती है। वैसे इस विधानसभा से केंद्रीय राज्यमंत्री के नाम की भी चर्चा ही रही है भाजपा से प्रत्याशी बनाए जाने को लेकर लेकिन यदि उनका नाम तय नहीं हुआ तो रविशंकर विरुद्ध गुलाब कमरों होगा मुकाबला यह तय नजर आ रहा है जिसकी संभावना भी ज्यादा है।

मनेन्द्रगढ़ विधानसभा में प्रभा पटेल साथ ही श्याम बिहारी जायसवाल के बीच हो सकता है मुकाबला

मनेंद्रगढ़ विधानसभा में नगर पालिका अध्यक्ष मनेंद्रगढ़ प्रभा पटेल सत्ताधारी दल से प्रत्याशी बनाई जा सकती हैं जिसकी संभावना ज्यादा है वहीं पूर्व विधायक श्याम बिहारी जायसवाल भाजपा के उम्मीदवार हो सकते हैं यह भी संभावना जताई जा रही है।। यहां प्रभा पटेल साथ ही श्याम बिहारी के बीच मुकाबला होगा यह माना जा रहा है और ऐसी ही संभावना भी बन रही है। वैसे पूर्व विधायक इस बार मजबूत नजर आने वाले हैं यदि सत्ताधारी दल अपना प्रत्याशी मनेंद्रगढ़ से घोषित करती है,क्योंकि खड़गवां और चिरमिरी से प्रत्याशी नहीं होने से इस क्षेत्र की जनता अलग विकल्प देख सकती है क्योंकि जिला मुख्यालय के बाद यदि विधायक पद भी मनेंद्रगढ़ गया तो ऐसे में चिरमिरी खड़गवां क्षेत्र नेतृत्व विहीन हो जायेगा ऐसी उनकी मनोभावाना सामने आ रही है।

बैकुंठपुर विधानसभा में अंबिका सिंहदेव व भईयालाल राजवाड़े के बीच हो सकता है मुकाबला

बैकुंठपुर विधानसभा की यदि बात की जाए तो एक बार फिर यहां वर्तमान विधायक और पूर्व विधायक के बीच मुकाबला देखा जा सकता है। वहीं यदि ऐसा होता है तो पूर्व विधायक भईयालाल राजवाड़े के पास जहां अपनी पिछली हार का बदला लेने का मौका होगा वहीं वर्तमान विधायक के पास अपनी सीट बचाने की चुनौती क्योंकि भईया लाल राजवाड़े एक अलग तरह की ख्याति स्थापित अपनी कर चुके पूर्व विधायक हैं और जिनकी कमी इन पांच सालों में लोगों को खली है जो लोग बात बात में ही कह भी जाते हैं।।सरल,सहज, हर समय उपलब्ध रहने वाले जनता के बीच पूर्व विधायक बाजी मार सकते हैं ऐसी संभावना ज्यादा है।

कोरिया में रहे रिश्वतखोर स्टेनो को 3 साल की सजा

30 हजार रिश्वत लेते एसीबी ने रंगे हाथ था पकड़ा, जिला व सत्र न्यायालय का आया फैसला

3 साल की सजा होने की वजह से तत्कालीन स्टेनो को मिली जमानत...जा सकती है नौकरी...

स्टेनो ले सकते हैं उच्च न्यायालय की शरण

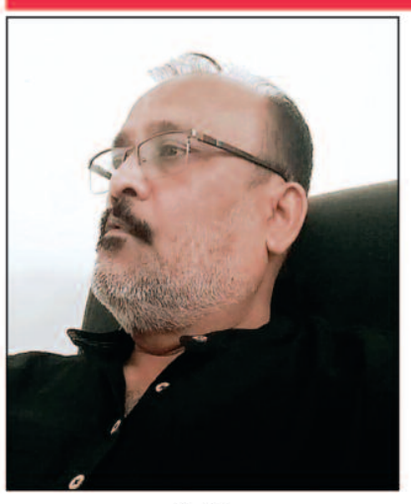

-रवि सिंह-
बैकुंठपुर,28 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

कोरिया जिले में पूर्व में कलेक्टर कार्यालय में स्टेनो के पद पर कार्यरत संतोष पांडेय को 30 हजार की नगद रिश्वत लेने के आरोप में जिला एवं सत्र न्यायालय ने 3 साल की सजा सुनाई है। 3 साल के अंदर की सजा वाले मामले में जिला न्यायालय से ही जमानत मिल जाती है जिस वजह से स्टेनो को जमानत मिल गई है यह उनके लिए राहत वाली खबर है पर वही उनकी नौकरी जा सकती है यह बात कही जा रही है क्योंकि सजा सुनाने के बाद नौकरी जाने का प्रावधान। वैसे जब तक स्टेनो कोरिया जिले में रहे काफी सुर्खियों में रहे कई बार उनके पैस लेनदेन की आडियो वायरल हुई थी गाड़ी लगाने के नाम पर खूब रिश्वत लेते थे जिसकी शिकायत भी खूब हुई थी काफी चर्चा में थे रिश्वत को लेकर तत्कालीन स्टेनो।

दरअसल मामला दिसंबर 2019 का है। शासकीय कॉलेज में कार्यरत पीड़ित उमेश हुजूर से शासकीय भवन के आवंटन के नाम पर तत्कालीन कलेक्टर कार्यालय में पदस्थ स्टेनो संतोष पांडेय ने 30,000 रिश्वत मांगी थी। जिसकी शिकायत पीड़ित ने एंटी करप्शन ब्यूरो से की थी। इसके बाद रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ संतोष पांडेय को एसीबी की टीम ने धर दबोचा था। उसे समय कोरिया जिले के कलेक्टर डोमन सिंह हुआ करते थे। घटना के बाद तत्कालीन स्टेनो संतोष पांडेय को सस्पेंड कर बलरामपुर जिले में अटैच किया गया था। इस मामले की सुनवाई करते हुए आज जिला एवं सत्र न्यायालय के माननीय न्यायाधीश श्री आनंद कुमार ध्रुव ने आरोपी संतोष पांडेय को 3 साल की सजा दी है। शासन की तरफ से इस मामले की पैरवी श्रीमती किरण सोनी ने की थी।

यह था पूरा मामला

सरकारी क्वार्टर आवंटित करने के नाम पर प्रयोगशाला परिचारक से आरोपी पीएस टू कलक्टर(स्टेनो) ने 30 हजार रुपए की रिश्वत ली थी। एससीबी की टीम ने उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। जेल जाने के चौथे दिन ही उसकी तबीयत बिगडने पर जिला अस्पताल के प्राइवेट वार्ड क्रमांक दो में भर्ती कराया गया है। यहां के चार बेडेड जेल वार्ड में सिर्फ दो मरीज भर्ती हैं, जबकि वार्ड के दो बेड खाली पड़े हैं। मामले में स्टेनो को जिला अस्पताल में प्राइवेट वार्ड की सुविधाएं मिलने को लेकर तरह-तरह की चर्चा हो रही है। लोगों का कहना है कि रिश्वतखोर स्टेनों को वीआईपी ट्रीटमेंट दिया जा रहा है। बिलासपुर-अंबिकापुर की एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने 19 दिसंबर की दोपहर करीब 12.05 बजे पीएस टू कलक्टर(स्टेनो) संतोष पाण्डेय को रामानुज प्रताप सिंहदेव स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्रयोगशाला परिचारक उमेश लाल कुजूर से सरकारी क्वार्टर आवंटन करने के नाम पर 30 हजार रुपए रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। एसीबी की टीम ने स्टेनो कक्ष में आरोपी स्टेनो के टेबल के नीचे ड्रॉज से रिश्वत की राशि 30 हजार बरामद किया था। मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7 के तहत गिरफ्तार कर जिला एवं सत्र न्यायालय बैकुंठपुर में पेश किया गया जहां से आरोपी स्टेनो को न्यायिक रिमाण्ड पर जेल भेज दिया गया था।

उत्कल समाज चिरमिरी ने विधायक विनय जायसवाल का आत्मीय सम्मान कर बताया जन नायक

पेट की भूख मिटाने वाला व्यक्ति ईश्वर का दूसरा रूप होता है,मात्रक त्रुटि से बर्खास्त किये गये 32 श्रमवीरों को पीएफ,ग्रेजवटी. देकर पेंशन की प्रक्रिया पर लगी मुहर

-संवाददाता-
चिरमिरी,28 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

उत्कल समाज चिरमिरी द्वारा बुधवार को मनेंद्रगढ़ विधायक विनय जायसवाल का शहर के हृदय स्थल हल्दीबाड़ी यातायात चौक में आत्मीय सम्मान करते हुए उन्हें ईश्वर का दूसरा रूप बताया और कहा की जो व्यक्ति पेट की भूख को मिटा दे वह कोई समान व्यक्ति नहीं हो सकता. विधायक के द्वारा हम सभी के परिवार वालो की पेट की भूख मिटाया जिसको हम क्या हमारे पूर्वज भी नहीं भूल सकते. अपने जीवन काल में कोयले की खान से कोयले को निकाल कर हमने देश को विकास की नई उचाईयों तक ले जाने में अपना कदम बढ़ाने का कार्य किया पर स्थानीय दलालो के द्वारा हमारे नामो में केवल मात्राओ की त्रुटि को आधार बना कर हमे हमारी नोकरी से हटवा दिया हमारे परिवार को सड़क पर लाने का काम किया बीते पांच वर्षो में हमने अपने परिवार के साथ कैसे अपना जीवन का गुजारा किया यह या तो हम जानते है या यह हमारे विधायक विनय जायसवाल जानते है । यह सम्मान तो केवल दिख रहा है पर हम और हमारे परिवार के दिलों वह स्थान विधायक को मिला है जो हमारे मुख से बोला नहीं जा सकता यह कर्ज हम कभी चुना नहीं सकते है। जानकारी अनुसार एसईसीएल चिरमिरी क्षेत्र में निवास रथ मात्रात्मक त्रुटि के कारण 32 श्रमिकों के बर्खास्तगी के बाद विधायक डॉ विनय जायसवाल के द्वारा लगातार एस सी ई एल, प्रबंधन के खिलाफ आंदोलन और पत्राचार के बाद भविष्य निधि (पीएफ) एवं

पेंशन राशि मिलने पर आज सभी श्रमिक भाईयो और उत्कल समाज के प्रबुद्ध जनों ने ÷सम्मान समारोह÷ का आयोजन स्कुल ग्राउंड हल्दीबाड़ी में आयोजित कर मनेंद्रगढ़ विधायक डॉ विनय जायसवाल को सम्मानित किया, सम्मान कार्यक्रम में उपस्थिति विधायक डॉ. विनय जायसवाल ने कहा कि आप लोगो ने मेरा मान बढ़ाया उसका सदैव मैं ऋणी रहूंगा आप सभी का विशेष स्नेह, अपनत्व और आशीर्वाद ही मेरी ताकत है मुझे आज खुशी है की मैंने आप सभी के साथ मिलकर क्षेत्रवासियों के प्यार और आशीर्वाद से एक बड़ी जीत हासिल की है मैं हर पल,हर वक्त,हर निर्णय और हर परिस्थिति में क्षेत्र हित की लड़ाई सदैव लड़ता रहूंगा और गरीब जनता की लड़ाई लड़ता रहूंगा। आने वाली सरकार कांग्रेस की होगी चिरमिरी में विकास अभूतपुर रहेगा चिरमिरी की जनता का जो प्यार मुझे मिला उसे मैं सदैव नहीं भूल सकता हमेशा आप लोगों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर यूं ही चलता रहूंगा। बहरहाल इस सम्मान आयोजन में सबसे महत्वपूर्ण बात यह देखने को मिली की उत्कल समाज के पुरुषो के साथ उनके घर की महिलाएं और छोटे छोटे बच्चे भी विधायक को सम्मान देने की होड़ लगी रही हर कोई विधायक से एक बार मिलना उनसे बात करना चाह रहा था जो पुरे कार्यक्रम में एक भावुक पल था।

क्या विधायक प्रतिनिधि होना...प्रेस क्लब अध्यक्ष होना...

शासकीय भूमि पर कब्जा करने का देता है किसी को अधिकार?

गोंडवाना गणतंत्र पार्टी जिला एमसीबी ने प्रेस क्लब अध्यक्ष एमसीबी पर शासकीय जमीन हथियाने के प्रयास का लगाया आरोप

कलेक्टर एमसीबी को लिखा गोगपा जिला एमसीबी पार्टी ने पत्र,तत्काल शासकीय भूमि को कब्जा मुक्त कराने को लेकर है पत्र

शासकीय भूमि पत्रकारों के कब्जे से नहीं छुड़ाए जाने पर पार्टी करेगी कलेक्टर कार्यालय का घेराव,यह भी पत्र में गोगपा ने किया उल्लेखित

क्या प्रशासन पत्रकारों से शासकीय भूमि को कराएगा कब्जा मुक्त,क्या प्रशासन गोगपा के पत्र पर लेगा सज्ञान?

विधायक प्रतिनिधि भी हैं पत्रकार जिनके ऊपर गोगपा ने शासकीय भूमि कब्जा करने का लगाया है आरोप

-रवि सिंह-
एमसीबी,28 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।
नवीन जिले में राजनीतिक दलों के निशाने पर अब विपक्षी दल के नेता और उसके प्रतिनिधि नहीं हैं बल्कि नवीन जिले में कई राजनीतिक दलों के निशाने पर जिले के पत्रकार हैं जिनको लेकर अब कई राजनीतिक दल नया नया खुलासा रोज कर रहे हैं। वहीं दूसरे नजरिए से यदि देखा जाए तो अब कई राजनीतिक दल नवीन जिले में लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की तरह जिम्मेदारी निभा रहें हैं और वह भ्रष्टाचार की पोल खोल रहे हैं और ऐसे भ्रष्टाचार की वह पोल खोल रहे हैं जो पत्रकार कर रहे हैं जैसा की राजनीतिक दलों का आरोप भी है जिसका वह प्रमाण भी दे रहे हैं।

राष्ट्रीय पार्टी आम आदमी पार्टी जहां विधायक स्वेक्षानुदान मामले में पत्रकारों को निशाना बना रही है उनके ऊपर गलत तरीके से स्वेक्षानुदान प्राप्त का गरीबों, वंचितों, जरूरतमंदो का हक मारने का आरोप लगा रही है सबूत समाने रख रही है माइक चोँगा लगाकर सार्वजनिक रूप से पत्रकार की शहर में फजीहत कर रही है पत्रकार से पार्टी पदाधिकारियों को खतरा बता रही है प्रशासन से सुरक्षा मांग रही है वहीं गोंडवाना गणतंत्र पार्टी पत्रकारों का एक नया कारनामा एक नया अनैतिक लाभ लेने का मामला लेकर आंदोलन करने जा रही है जिसका खुलासा भी गोंडवाना गणतंत्र पार्टी कर चुकी है प्रशासन को मामले में चेतावनी भी दे चुकी है जिसमे कुछ पत्रकारों द्वारा खासकर प्रेस क्लब अध्यक्ष साथ ही विधायक प्रतिनिधि बनकर अनैतिक लाभ लेने की जुगत में लगे एक पत्रकार भी शामिल हैं जिन्हे लेकर नामजद शिकायत भी पार्टी ने की है और मामले में कार्यवाही की मांग समय सीमा के भीतर करने की मांग की है। मामला शासकीय भूमि से जुड़ा हुआ है और गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने प्रशासन को पत्र के माध्यम से अवगत कराते हुए बताया है की शासकीय भूमि जो जिला संयुक्त कार्यालय के पास की काफी महंगी भूमि बाजार मूल्य अनुसार है पर प्रेस क्लब अध्यक्ष जो विधायक प्रतिनिधि भी हैं सहित कुछ अन्य पत्रकारों ने कब्जा किया हुआ है और जिसे वह अपने नाम पर दर्ज कराकर भूमि स्वामी हक का पट्टा प्राप्त करने की कोशिश में लगे हुए हैं।

3 अक्टूबर तक कब्जा मुक्त नहीं हुआ तो आवेदक 4 अक्टूबर को पार्टी जिला कलेक्टर कार्यालय का घेराव करेगी

गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने कलेक्टर को लिखे गए पत्र में लिखा है की शासन सत्ता का दुरुपयोग करके शासकीय भूमि पर कुछ लोग कब्जा कर रहे हैं कर चुके हैं जो अमाजनों द्वारा बताई गई बात है और शासकीय भूमि पर उक्त लोगों का नाम भी चढ़ाया गया है जो विलोपित करने योग्य है और यदि 3 अक्टूबर तक कब्जा मुक्त कराकर आवेदक अध्यक्ष गोंडवाना गणतंत्र पार्टी जिला एमसीबी को अवगत प्रशासन ने नही कराया तो 4 अक्टूबर को पार्टी जिला कलेक्टर कार्यालय का घेराव करेगी। यदि गोंडवाना गणतंत्र पार्टी का आरोप सही है उनके द्वारा कलेक्टर को लिखे गए पत्र अनुसार सही मायने में पत्रकारों द्वारा शासकीय भूमि पर कब्जा किया गया है वह भी जिला मुख्यालय के करीब की भूमि पर तब ऐसे में यह गंभीर मामला है और कहीं न कहीं प्रशासन के लिए भी विचारणीय विषय है क्योंकि यदि शासन सत्ता के दबाव में जैसा की गोंडवाना गणतंत्र पार्टी का आरोप है प्रशासन मजबूर है शासकीय भूमि पर पत्रकार विधायक प्रतिनिधि यदि कब्जा कर रहें हैं तो फिर प्रशासन की मौजूदगी पर ही सवाल खड़ा होता है क्योंकि कई मामलों में प्रशासन गरीब और भूमि विहीन लोगों का आशियाना उजाड़ने में तत्पर नजर आता रहा है और शासकीय भूमि को कब्जा मुक्त कराता रहा है वहीं यदि प्रशासन पत्रकारों सहित विधायक प्रतिनिधियों के मामले में यदि मौन रहता है उन्हे मनमानी करने देता है तो माना जायेगा की प्रशासन पूरी तरह से सत्ता के दबाव में है पत्रकारों के दबाव में है और इसी वजह से अनैतिक लाभ लेने वाले खुलकर अनैतिक लाभ अर्जित करने में लगे हुए हैं वहीं यदि इस मामले में कार्यवाही नहीं हुई कब्जा मुक्त शासकीय भूमि नहीं कराई गई तो जिले में भूमाफियों का आतंक भी बढ़ेगा और शासकीय भूमि पर कोई भी कब्जा करने दौड़ पड़ेगा जो शायद प्रशासन को लेकर भी प्रश्न खड़े करने वाली बात साबित होगी।

पत्रकारों के भी नैतिकता पर सवाल खड़ा होगा

वहीं मामला यदि सही है शासकीय भूमि पर पत्रकारों ने कब्जा किया हुआ है और उसे अपने नाम से भू अभिलेखों में वह दर्ज कराने के प्रयास में जुटे हुए हैं तो पत्रकारों के भी नैतिकता पर सवाल खड़ा होगा की क्या उन्हे इसीलिए लोकतंत्र का चौथा स्तंभ घोषित किया गया है की वह अनैतिक लाभ अर्जित करें शासकीय भूमि पर कब्जा दर्ज करें। वैसे अब मामला तुल पकड़ चुका है और प्रशासन भी मामले में कहीं न कहीं कटघरे में है वहीं देखना है की प्रशासन मामले में क्या कार्यवाही करता है कार्यवाही करता भी है की नहीं ,कार्यवाही कर यदि प्रशासन शासकीय भूमि को कब्जा मुक्त कराता है तो वह निश्चित रूप से अपनी मौजूदगी साबित करेगा वरना नवीन जिले में प्रशासन की मौजूदगी पर प्रश्नचिन्ह लगना तय है यदि भूमि कब्जा मुक्त नहीं कराया जाता।

क्या पत्रकार होना,प्रेस क्लब अध्यक्ष होना,विधायक प्रतिनिधि होना देता है अवैध कब्जे का शासकीय भूमि पर अधिकार,अनैतिक कार्यों का अधिकार?

गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने जो शिकायत जो चेतावनी पत्र नवीन जिले के कलेक्टर को दिया है जिसमे पत्रकार प्रेस क्लब अध्यक्ष साथ ही विधायक प्रतिनिधि बतौर कई जिम्मेदारी निभा रहे एक व्यक्ति साथ ही उसके साथियों पर आरोप लगाया है की उनके द्वारा शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा किया जा रहा है और शासन सत्ता का दुरुपयोग कर उसे अपने नाम से दर्ज कराने का प्रयास किया जा रहा है और यदि उसपर तत्काल कार्यवाही नही होती कब्जा खाली नहीं कराया जाता है तो पार्टी कलेक्टर कार्यालय का घेराव करेगी,अब यदि आरोप सही हैं उपलब्ध दस्तावेज यदि सही हैं और यदि यह सच है की पत्रकार बनकर,प्रेस क्लब अध्यक्ष बनकर ,विधायक प्रतिनिधि बनकर वहीं पत्रकार का साथी बनकर अवैध तरीके से शासकीय जमीन हथियाई जा रही है तो सवाल उठता है की क्या पत्रकार होना,प्रेस क्लब अध्यक्ष होना,विधायक प्रतिनिधि होना , पत्रकार का साथी होना यही सब अधिकार देता है किसी को जो अनैतिक कार्य है अनुचित कार्य है। वैसे यदि ऐसा है तो फिर आने वाले समय में गलत कार्य में पत्रकार ही सबसे ज्यादा लिप्त नजर आयेंगे और अपना मूल धर्म छोड़कर वह अनैतिक कार्य के लिए पत्रकारिता पेशे से जुड़ने प्रयास करेंगे। वैसे यह गंभीर मामला है ।

मामला जिसको लेकर गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने कलेक्टर को लिखा है पत्र कार्यवाही की है पार्टी की मांग,वहीं घेराव की है चेतावनी

गोंडवाना गणतंत्र पार्टी एमसीबी जिलाध्यक्ष ने कलेक्टर एमसीबी को पत्र लिखकर यह मांग की है उन्हे यह अवगत भी कराया है की ग्राम चैनपुर में स्थित शासकीय भूमि पर नियम विरूद्ध व अवैध तरीके से कुछ लोगों के द्वारा कब्जा किया गया है। जिसे तत्काल जांच कर हटाया जाए एवं कब्जाधारियों पर उचित कार्यवाही किया जाए। अवैध रूप से कब्जा दर्ज करा रहे लोगो में वहीं जिस भूमि पर कब्जा दर्ज कराया जा रहा है उसकी जानकारी अनुसार1. रंजीत सिंह (प्रेस क्लब अध्यक्ष एम.सी.बी.). पता-मनेन्द्रगढ़ जिला - एम.सी.बी. छ.ग. द्वारा काबिज भूमि खसरा नं. 83 / 1 रकवा 3.5780 हेक्टे. ग्राम चैनपुर धीरेन्द्र विश्वकर्मा, पता-मनेन्द्रगढ़ जिला-एम.सी.बी. छ.ग. द्वारा काबिज भूमि खसरा नं. 83/1 रकवा 3-5780 हेक्टे. ग्राम चैनपुर काबिज भूमि मो. अकील पता-मनेन्द्रगढ़ जिला-एम.सी.बी. छ.ग द्वारा अवैध खसरा नं. 83/1 रकवा 3.5780 हेक्टे ग्राम चैनपुर पर विधायक प्रतिनिधि साथ ही प्रेस क्लब अध्यक्ष साथ ही उनके साथियों द्वारा शासकीय भूमि पर कब्जे की बात आमजनों के द्वारा कही जा रही है। वहीं गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने पत्र में लिखा है की कलेक्टर के द्वारा यदि आज दिनांक 27.09.2023 से 03.10. 2023 तक उचित कार्यवाही करते हुए शासकीय भूमि से नाम विलोपित नहीं किया जाता क्रमांक 1से 3 तक जिसका उल्लेख पत्र में किया गया है का कब्जा और शासकीय भूमि को खाली कराकर आवेदक को जानकारी उपलब्ध नहीं कराई जाती है तो 04.10,2023 को कलेक्टर कार्यालय का घेराव किया जाएगा जिसकी समस्त जवाबदेही शासन-प्रशासन की होगी। वहीं अवैध रूप से कब्जा दर्ज कराने को लेकर कुछ दस्तावेज भी पार्टी ने पत्र के साथ कलेक्टर को उपलब्ध कराया है।

क्या प्रशासन कब्जा मुक्त कराएगा उस शासकीय भूमि को जिसको लेकर शिकायत मय सबूत दी गई है,क्या प्रशासन अपनी उपस्थिति भी साबित करेगा?

मामले में दूसरा बड़ा सवाल यह है की क्या जिस शासकीय भूमि पर अवैध रूप एस कब्जे की बात गोंडवाना गणतंत्र पार्टी कर रहा है जिस मामले में वह प्रेस क्लब अध्यक्ष,विधायक प्रतिनिधि पत्रकार और उसके साथियों पर आरोप लगा रहा है क्या उस भूमि को प्रशासन कब्जा मुक्त कराएगा। क्या प्रशासन अपनी उपस्थिति दर्ज कराएगा मामले में साथ ही जिले की संपत्तियों की सुरक्षा मामले में जिसमे भूमि संपत्तियों की सुरक्षा उसी की जिम्मेदारी है या प्रशासन प्रेस क्लब अध्यक्ष, विधायक प्रतिनिधि, पत्रकार और उसके साथियों के समक्ष घुटने टेक देगा और आत्मसमर्पण कर देगा यह देखने वाली बात होगी। वहीं यदि प्रशासन मामले में कार्यवाही नही करता है तो गोंडवाना गणतंत्र पार्टी का आंदोलन कार्यालय घेराव का भी होगा जो प्रशासन के हिसाब से उसकी छवि के लिए शायद ही अच्छी मानी जायेगी।

पत्रकारों को भी करना चाहिए आत्म चिंतन,अनैतिक अवैध कार्यों के लिए नहीं मिली है यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी

पत्रकारों को भी आत्म चिंतन की जरूरत है उन्हे समाज में वह जिम्मेदारी मिली है उनके तरफ समाज उस निगाह से देखता है जहां समाज को विश्वास होता है की उसके साथ कुछ गलत होने पर उसकी आवाज पत्रकार बनेंगे उसे न्याय दिलाएंगे वहीं यदि पत्रकार ही अनैतिक कार्यों में अनुचित कार्यों में संलिप्त होंगे उनकी विश्वशनीयता समाप्त होगी और उनके प्रति लोगो का विश्वास कम होगा और लोग उन्हे हेय दृष्टि से देखेंगे ऐसे में अब आत्म चिंतन कर उन्हे यह समझने की कोशिश करनी चाहिए की अनैतिक लाभ से उन्हे क्षणिक सुख सम्पन्नता ज़रूर मिल पा रही है है लेकिन उनका सम्मान उस बीच समाप्त हो रहा है लोगों के बीच से जो अच्छा संकेत नहीं है,वहीं पत्रकार जगत को ऐसे लोगों से किनारा करना चाहिए जो इस पेशे को अनैतिक लाभ का पेशा साबित कर रहे हैं।

राज्य स्तरीय छत्तीसगढ़िया ओलंपिक में 18 पदक हासिल कर रोशन हुआ सूरजपुर

06 गोल्ड, 04 रजत और 08 कांस्य पदक, सरगुजा संभाग के जिलों में सूरजपुर रहा प्रथम

-संवाददाता-
सूरजपुर,28 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।
राज्य स्तरीय छत्तीसगढ़िया ओलंपिक का समापन 27 सितंबर को रायपुर के सरदार बलवीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में संपादित हुआ। जिसमें सूरजपुर जिले के 141 खिलाड़ियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई थी, जिसमें 65 पुरुष व 76 महिला खिलाड़ियों ने 16 खेलों में अपनी प्रतिभा व कौशल का प्रदर्शन किया। जिसमें खिलाड़ियों द्वारा अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 18 पदक हासिल किया गया। जिसमें 06 गोल्ड, 04 रजत और 08 कांस्य से पदक खिलाड़ियों को विभिन्न खेलों में प्राप्त हुए। जिले के लिए यह भी उपलब्धि रही कि सरगुजा संभाग के अंतर्गत आने वाली जिलों में सूरजपुर में सबसे ज्यादा 18

पदक हासिल किया। संभाग में प्रथम, द्वितीय और तृतीय तीनों स्तर में सर्वाधिक पदक सूरजपुर जिले ने प्राप्त किया। जिले का रस्सी कूद, बांटी कंचा, सांगली, लंगडी दौड़ और बिल्लस जैसे खेलों में शानदार प्रदर्शन रहा। इस पर कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा छत्तीसगढ़ी ओलंपिक के राज्य स्तरीय आयोजन में प्रदेश के खिलाड़ी सम्मिलित हुए जिसमें जिले के खिलाड़ियों ने 18 पदक हासिल कर सूरजपुर का मान बढ़ाया है। जिसके लिए उन्होंने खेल विभाग व छत्तीसगढ़िया ओलंपिक के आयोजन को सफल बनाने वाले सभी संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारियों को बधाई दी। उन्होंने छत्तीसगढ़िया ओलंपिक में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों ,प्रशिक्षकों और खेल प्रेमियों की सराहना भी की।

स्वास्थ्य शिविर का सुदूरवर्ती क्षेत्र खोंड में हुआ आयोजन

-संवाददाता-
सूरजपुर,28 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर. एस. सिंह के दिशा निर्देशन में बीएमओ डॉ. बंटी बैरागी के नेतृत्व में स्वयं उपस्थित होते हुए ओड़गी ब्लॉक के सुदूरवर्ती क्षेत्र खोंड के कन्या प्री मैट्रिक छात्रवास एवं कन्या हाई स्कूल में वृहद स्वास्थ्य शिविर का आयोजित हुआ, 80 छात्राओ का स्वास्थ्य जाँच कर उपचार एवं निदान किया गया। जिसमें स्वास्थ्य के बारे में जन जागरूकता किया गया, मौसमी बीमारियों के बारे में जानकारी दी गई, इस बीच खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ. बंटी बैरागी, हृश्वस्क्क प्रभारी यू.आर. ध्रुव, सहायक ग्रेड श्री सुरजीत कुमार, कन्या छात्रावास अधीक्षक, अन्य सभी स्टाफ अधिकारी, कर्मचारी सहित स्कूल, छात्रावास के सभी छात्राओ उपस्थित रहे।

33/11 के.व्ही. नवीन उपकेन्द्र गोविंदपुर का ऊर्जीकरण

-संवाददाता-
सूरजपुर,28 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।
विगत वर्ष 6, 7, 8 मई 2022 को माननीय मुख्यमंत्री के जिला- सूरजपुर अंचल में भेंट मुलाकात जन चौपाल के दौरान की गई घोषणा के परिपालन में छ.ग.स्टे.पा. डि.क.लि. उप संभाग प्रतापपुर के गोविंदपुर में 33/11 के.व्ही. नये उपकेंद्र का लोकार्पण आज गुरुवार को अध्यक्ष योजना आयोग एवं विधायक डा. प्रेमसाय सिंह टेकाम अतिथियों के उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस उपकेंद्र के निर्माण में 33 के.व्ही. के 07 कि.मी. और 11 के.व्ही. के 6 कि.मी. लाइन एवं 1.3.15 एम.व्ही.ए. पावर ट्रांसफार्मर, लागत 270.16 लाख का कार्य मुख्यमंत्री अधोसंरचना विकास योजना 76 के अंतर्गत स्थापित कर उर्जीकृत किया गया। इस उपकेंद्र के उर्जीकरण से गोविंदपुर के आसपास के संबंधित 16 ग्राम पंचायत के ग्राम गोविंदपुर, नरोला, घुमाडांड, कटरा, डकई, करचोला, बोंगा, बड़वार, बरगीडीह, दुलदुली, घुई, बरपटिया, रमकोला, घुरिया, पेंड्री, भेलकछ के 2230 विद्युत उपभोक्ता, किसानों को समुचित वोल्टेज पर निर्बाध व गुणवत्तापुर्ण बिजली आपूर्ति का लाभ मिलेगा। अचल में नये उपकेंद्र निर्माण और नये लाइनों के सृजन से क्षेत्र की विद्युत प्रणाली को मजबूती मिलेगी, बिजली कम्पनी के अधिकारी कर्मचारियों के निरंतर सहयोग से किसान व ग्रामीण उपभोक्ताओं को विद्युत की बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी एवं लो-वोल्टेज की समस्या से निजात मिलेगी।

संसदीय सचिव पारसनाथ राजवाड़े ने विभिन्न निर्माण कार्यो का किया शुभारंभ

-संवाददाता-
सूरजपुर,28 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।
भटगांव विधायक व संसदीय सचिव पारसनाथ राजवाड़े कुदरगढ़ पहुंचे माँ कुदरगढ़ी के चरणों मे माथा टेक इन्दरपुर चौक से कुदरगढ़ पहुंच मार्ग सड़क चौड़ीकरण 7.74 किलोमीटर एंव पुलिया निर्माण लागत 31 करोड़ 29 लाख रुपए के लागत से निर्माण कार्य का शुभारंभ किया जिसके बाद करीं कुप्पी से धरसेड़ी पहुंच मार्ग के निर्माण कार्य के शुभारंभ हेतु रवाना हुए। करीं कुप्पी में निवासरत लोग ने अपनी समस्या श्री पारसनाथ राजवाड़े के पास रखी जिसे उन्होने गंभीरता से सुना। उन्होने उपस्थित जनों से कहा कि आपके राषन आपके गांव

पहुचेगा आपको 6 किलोमीटर दूर राशन लेने हेतु अन्य ग्राम में नहीं जाना पड़ेगा जिस पर तत्परता पूर्वक कार्य करते हुए विधायक राजवाड़े ने कार्य स्वीकृत कराया टेंडर पश्चात 16 करोड़ 27 लाख की लागत से बनने वाले सड़क की लम्बाई 14.10 किलोमीटर के निर्माण कार्य का शुभारंभ कर क्षेत्र की जनता को समर्पित किया। सड़क निर्माण कार्य के शुभारंभ पूजन में विधायक राजवाड़े के पंहुचने पर क्षेत्र की जनता ने उत्साह के साथ गर्मजोशी से स्वागत किया कार्यक्रम में मनिहारिलाल पैकरा जनपद अध्यक्ष, ओड़गी उपाध्यक्ष शिवबालक राम यादव, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष गौतम कुशवाहा,गोवर्धन सिंह,मुकेश अग्रवाल,अवधेश गुर्जर,प्रदीप राजवाड़े, लवकेश गुर्जर,सर्वेश चौबे, राजू यादव, चन्द्रभान राजवाड़े, हिमेन्द्र गुर्जर, विक्रांत पांडेय, दिलीप जायसवाल, पार्थ सिंह, नमस्ते सिंह, राजू सिंह,राजेश साहू, धर्मप्रसाद पटेल, मुनेश्वर राजवाड़े, धर्मजीत सिंह, दीपक, धर्मेंद्र, निरंतर राजवाड़े सहित क्षेत्र के सभी पंचायतों के सरपंच सचिव पी.डब्लू.डी. इंजीनियर मुख्य कार्यपालन अधिकारी ओड़गी रणवीर साय पैकरा सहित अन्य ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा, छ0ग0

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0 /अ-20(3)/2022-23

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक दीनदयाल अग्रवाल आ0 स्व0 चन्द्रभान अग्रवाल निवासी ब्रम्हरोड अम्बिकापुर थाना व तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व की मोहल्ला राममंदिर मैदान नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूखण्ड क्रमांक 3196/4813/134 रकबा 280.50 वर्गफीट भूमि एवं निर्मित मकान को अनावेदिका 1. रानू सेठिया पत्नी मदन लाल सेठिया, 2. पूजा सेठिया पत्नी महाबीर सेठिया निवासी अग्रसेन वार्ड देवेश्वर कालोनी अम्बिकापुर के पास विक्रय करने की अनापत्ति प्रदाय किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है।

उक्त भू-खण्ड के सबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 16/10/2023 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 20/09/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील — नजूल अधिकारी अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार राजपुर जिला बलरामपुर-रामानुजगंज (छ0ग0)

रा0प्र0क्र0- ब-121/2022-23
ग्राम-तोनी तहसील-राजपुर

ईश्तहार

एतद् द्वारा आम जनता ग्राम-तोनी तहसील-राजपुर जिला-बलरामपुर रा0गंज को सूचित किया जाता है आवेदक अमृत आ0 मोहन जाति उरांव निवासी तोनी तहसील-राजपुर जिला-बलरामपुर रा0गंज द्वारा स्वयं के पत्नी स्व0 टुकसी का मृत्यु स्थान-ग्राम तोनी में दिनॉक-17/06/2023 को हुआ है। किन्तु जन्म मृत्यु पंजीयन कार्यालय में नियत समय में अज्ञानतावश कार्य व्यस्तता के कारण पंजीयन नहीं करा पाने के कारण पंजीयन हेतु आवेदन पत्र शपथ पत्र पेश है। जो न्यायालय में मृत्यु प्रमाण पत्र हेतु विचाराधीन है।

उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को अगर आपत्ति या दावा हो तो वह स्वयं अथवा वैध अभिकर्ता अथवा अभिभाषक के साथ दिनॉक 16/10/2023 तक न्यायालयीन समय में दावा या आपत्ति हो तो पेश कर सकता है। नियत तिथि पश्चात् प्राप्त दावा या आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 27/09/2023 को मेरे द्वारा हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुहर से जारी किया गया ।

सील — तहसीलदार राजपुर

एशियाई खेलों में पुरूष टीम ने स्वर्ण एवं महिला टीम में रोशिबिना ने रजत पदक जीता

हांगझोउ,28 सितंबर 2023। भारत की पुरुष 10 मीटर एयर पिस्टल टीम ने गुरुवार को यहां एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता जबकि देश के दो निशानेबाज व्यक्तिगत वर्ग के फाइनल में जगह बनाने में सफल रहे।

सरबजोत सिंह, अर्जुन सिंह चीमा और शिव नरवाल ने बेहद करीबी मुकाबले में चीन की टीम को पछाड़कर शीर्ष स्थान हासिल किया और भारत को निशानेबाजी में चौथा स्वर्ण पदक दिलाया।

भारतीय निशानेबाज मौजूदा खेलों में अब तक चार स्वर्ण, चार रजत और पांच कांस्य पदक जीत चुके हैं।

भारतीय तिकड़ी ने क्वालीफिकेशन में कुल 1734 अंक जुटाए जो चीन की टीम से एक अधिक है। चीन को रजत जबकि वियतनाम (1730) को कांस्य पदक मिला।

सरबजोत और अुर्जन ने आठ निशानेबाजों के फाइनल में भी जगह बनाई और वे व्यक्तिगत पदक की दौड़ में भी बने हुए हैं।

सरबजोत ने क्वालीफिकेशन में 580, चीमा ने 578 और नरवाल ने 576 अंक बनाए।

निशानेबाजी में यह भारत का टीम स्पर्धा में तीसरा स्वर्ण पदक है। इससे पहले 10 मीटर एयर राइफल और महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में भारत टीम स्वर्ण पदक जीत चुका है।

इसी साल भोपाल में आईएसएसएफ विश्व कप में सीनियर स्तर पर अपना पहला व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीतने वाले 22 साल के सरबजोत ने क्वालीफिकेशन में पांचवें स्थान पर रहते हुए व्यक्तिगत फाइनल में जगह बनाई। चीमा भी आठवें स्थान पर रहते हुए फाइनल में पहुंचे।

क्वालीफिकेशन में सरबजोत की सीरीज 97, 96, 97, 97, 96 और 95 की रही जबकि चीमा ने 97, 96, 97, 97, 96 और 95 की सीरीज बनाई।

क्वालीफिकेशन में 14वें स्थान पर रहे नरवाल की सीरीज 92, 96, 97, 99, 97 और 95 रही।

रोशिबिना देवी ने वुशु में रजत पदक जीता,मणिपुर को पदक समर्पित किया

भारत की नाओरेम रोशिबिना देवी ने गुरुवार को यहां एशियाई खेलों की महिला 60 किग्रा वुशु सांडा फाइनल में स्थानीय दावेदार वू शियाओवेई के खिलाफ 0-2 की शिकस्त के साथ रजत पदक जीता। उन्होंने यह पदक मणिपुर हिस्सा के पीड़ितों को समर्पित किया।

रोशिबिना का गृह राज्य मणिपुर इस साल मई से हिंसा से जूझ रहा है। विरोधी कुकी जातीय समुदाय के दबदबे वाले चूरचांदपुर के करीबी बिष्णुपुर के क्राशिफाई गांव की रहने वाली मैतेई समुदाय की रोशिबिना को स्थानीय खिलाड़ी को कड़ी टक्कर देने के बावजूद हार का सामना करना पड़ा।

मणिपुर में दोनों समुदायों के बीच हिंसा में कई लोगों की जान जा चुकी है जबकि घायलों का आंकड़ा भी काफी अधिक है।

रोशिबिना ने रजत पदक जीतने के बाद कहा, मणिपुर जल रहा है। मणिपुर में हिंसा जारी है। मैं अपने गांव नहीं जा सकती। मैं यह पदक उन लोगों को समर्पित करना चाहती हूं जो हमारी रक्षा कर रहे हैं और वहां पीड़ा सह रहे हैं। मणिपुर की इस खिलाड़ी ने रोते हुए कहा, मुझे नहीं पता कि क्या होगा, लड़ाई तो जारी है। यह कब रुकेगा और पहले की तरह सामान्य जिंदगी कब लौटेगी।

रोशिबिना को गत चैंपियन शियाओवेई के खिलाफ जूझना पड़ा और उन्होंने चीन की खिलाड़ी को अच्छी शुरुआत करने का मौका दिया। जजों ने दो दौर के बाद शियाओवेई को विजेता घोषित किया।

चीन की खिलाड़ी पहले दौर से ही आक्रामक दिखी और उन्होंने रोशिबिना को गिराकर अंक बनाए।

मणिपुर की खिलाड़ी ने वापसी करते हुए शियाओवेई का पैर पकड़कर उन्हें सीमा रेखा से बाहर करने की कोशिश की लेकिन नाकाम रही जिससे चीन की खिलाड़ी ने 1-0 की बढ़त बनाई।

दूसरे दौर में चीन की खिलाड़ी ने रोशिबिना के शरीर के ऊपरी हिस्से पर प्रहार से अंक जुटाए और जीत दर्ज की।

रोशिबिना ने 2018 में जकार्ता खेलों में कांस्य पदक जीता था। रोशिबिना ने बुधवार को विश्व चैंपियनशिप की रजत और कांस्य पदक विजेता वियतनाम की थी थू थुइ एनगुएन को 2-0 से हराकर कम से कम रजत पदक सुनिश्चित किया था।

इस भारतीय खिलाड़ी ने बुधवार को अपने माता-पिता से बात की और उन्होंने अपनी बेटी को मणिपुर हिंसा से ध्यान नहीं भटकने देने और फाइनल पर ध्यान केंद्रित करने को कहा।

उन्होंने कहा, उन्होंने मेरे से कहा कि मैं मैच पर ध्यान दूं ना कि अन्य चीजों पर। मेरा परिवार ठीक है। मैं उनसे नियमित रूप से बात नहीं करती क्योंकि मेरे कोच कहते हैं कि वहां हो रही हिंसा से मेरा ध्यान भटक जाएगा।

रोशिबिना ने कहा, हमने बहुत अच्छी तैयारी की और हम यहां अच्छा प्रदर्शन कर सके और रजत पदक जीता।

मनिका प्री क्वार्टर फाइनल में,मिश्रित जोड़ी बाहर

हांगझोउ,28 सितंबर 2023। भारत की स्टार टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा ने नेपाल की नबीता श्रेष्ठ को हराकर एशियाई खेलों की महिला एकल टेबल टेनिस स्पर्धा के प्री क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया ।

राष्ट्रमंडल खेल 2018 में स्वर्ण पदक और जकार्ता एशियाई खेलों में मिश्रित युगल कांस्य पदक विजेता मनिका ने नबीता को 11.5,11.4,11.3,11.2 से हराया । अब उनका सामना थाईलैंड की सुथासिनी सावेत्ताबुत से होगा ।

श्रीजा अकुला को उत्तर कोरिया की सोंगियोंग पियोन ने 11.6,11.4, 15.13,11.9 से हराया ।

पुरूष युगल में मानव ठक्कर और मानुष शाह ने मालदीव के मोहम्मद शफ्फान इस्माइल और मूसा मुंसिफ अहमद को 11.8,9.11,11.6,11.2 से हराया ।

मिश्रित युगल में जी साथियान और मनिका को सिंगापुर के जे यू क्लारेंस चियू और जियान जेंग ने 7.11,9 11,13.11,12.10,11 . 3 से हराया ।

श्रीजा अकुला और हरमीत देसाई भी थाईलैंड के ओरावान पारानांग और फाकफूम सांगुआनसिन से 4 . 11, 6 . 11, 10 . 12 से हारकर बाहर हो गए।

निखत जरीन की क्वार्टरफाइनल में एंट्री

» शिव थापा और संजीत एशियाई खेलों से हुए बाहर

हांगझोउ,28 सितंबर 2023। भारतीय मुक्केबाज निकहत जरीन ने एशियन गेम्स 2023 में 50 किग्रा भार-वर्ग में जीत हासिल करते हुए क्वार्टरफाइनल में एंट्री कर ली है। निकहत जरीन ने रिपब्लिक ऑफ कोरिया की मुक्केबाज चोरोंग बाक पर तीनों राउंड में आक्रामक रहते हुए सर्वसम्मत निर्णय 5-0 से जीत हासिल की है।

वहीं अब क्वार्टफाइनल में निकहत जरीन का मुकाबला जॉर्डन की नासर हनान से होगा। रेड कॉर्नर से निकहत जरीन ने अपनी बाउट की शुरुआत बेहतरीन अटैक के साथ की और कोरिया की मुक्केबाज पर हावी रहीं। वहीं निकहत ने राइट और लेफ्ट हुक का बखूबी इस्तेमाल करते हुए पहले राउंड को 5-0 से अपने नाम कर लिया।

जबकि दूसरा राउंड और भी ज्यादा आक्रामक रहा। भारतीय बॉक्सर ने कोरियाई मुक्केबाज पर बैट टू बैक पंच जड़े और चोरोंग बाक लगातार दबाव में नजर आई। इस तरह दूसरे राउंड में भी निकहत जरीन ने सभी जजों के सर्वसम्मत निर्णय 5-0 से ही आसान जीत हासिल की।

भारतीय पुरुष टीम ने 4X100 मीटर फ्री-स्टाइल रिले फाइनल के लिए किया क्वालीफाई

हांगझोउ,28 सितंबर 2023। भारतीय तैराक तनिष जॉर्ज मैथ्यू, विशाल ग्रेवाल, आनंद एएस और श्रीहरि नटराज गुरुवार को एशियाई खेलों में पुरुषों की 4×100 मीटर फ्रीस्टाइल रिले के फाइनल में पहुंच गए हैं। इस दौरान उन्होंने फाइनल के लिए क्वालीफाई करने के लिए अपनी हीट में 3:21.22 का राष्ट्रीय रिकॉर्ड समय निकाला।

तनिष, श्रहरि और आनंद 2019 एशियन एज ग्रूप चैंपियनशिप में 3:21.22 के पिछले राष्ट्रीय रिकॉर्ड का भी हिस्सा थे। महिलाओं की 4×200 मीटर फ्रीस्टाइल रिले टीम ने भी 8:39.64 के समय के साथ हीट में आठवें स्थान पर रहकर फाइनल में जगह बनाई। वे शाम 6:36 बजे मेडल के लिए तैरेंगे।

वहीं इससे पहले, एशियाई खेलों में पुरुषों की 4×200 मीटर मेडले रिले में श्रीहरि नटराज, लिकिथ सेल्वराजस, साजन प्रकाश और तनिष मैथ्यू पोडियम फिनिश से चूक गए थे। भारतीय तैराक श्रीहरि नटराज, लिकिथ सेल्वराज, साजन प्रकाश और तनिष जॉर्ज मैथ्यू ने पुरुषों की 4×200 मीटर मेडले रिले हीट में 3:40.84 का समय लेकर फाइनल में अपना स्थान सुरक्षित किया था। वे चीन से 6.04 सेकंड पीछे, कुल मिलाकर चौथे स्थान पर रहे, भारतीय चौकड़ी ने 2018 एशियाई खेलों से अर्जित राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। भारतीय टीम ने हीट में 3:40.84 का प्रभावशाली समय लिया। 4×200 मीटर मेडले पुरुष स्पर्धा में लिया गया समय भारत का अबतक का सर्वश्रेष्ठ समय है।

अनूश अग्रवाला ने रचा इतिहास

घुड़सवारी में जीता ब्रॉन्ज मेडल

हांगझोउ,28 सितंबर 2023। एशियन गेम्स 2023 के पांचवें दिन भारत ने घुड़सवारी में एक और मेडल अपने नाम किया है। दरअसल, अनूश अग्रवाला ने इतिहास रचते हुए घुड़सवारी की ड्रेसाज स्पर्धा में ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। वहीं बता दें कि, व्यक्तिगत ड्रेसेज में ये भारत का पहला एशियाई मेडल है।

एट्रो' पर घुड़सवारी कर रहे अग्रवाला ने 73.030 अंक जुटाये जिससे वह तीसरे स्थान पर रहे और इस तरह उन्होंने एशियाड में अपना दूसरा पदक हासिल किया। मलेशिया के बिन मोहम्मद फाथिल मोहम्मद काबिल अम्बाब ने 75.780 अंक के कुल स्कोर से स्वर्ण पदक और हांगकांग के जैकलीन विंग यिंग सियू ने 73.450 अंक से रजत पदक जीता।

इस स्पर्धा में शामिल अन्य भारतीय हृदय विपुल छेदा पदक स्पर्धा तक नहीं पहुंच सके और बाहर हो गये। बुधवार को हृदय ने क्वालीफाइंग में पहला स्थान हासिल किया था। इससे पहले अग्रवाला ने छेदा, दिव्यकृति सिंह और सुदिप्ती हाजेला के साथ मिलकर भारत को 41 साल के बाद ड्रेसेज टीम स्पर्धा का स्वर्ण पदक दिलाया था।

भारतीय महिला टीम क्वार्टर फाइनल में

हांगझोउ,28 सितंबर 2023। भारतीय महिला बैंडमिंटन टीम ने यहां मंगोलिया को एकतरफा मुकाबले में 3-0 से हराकर एशियाई खेलों की महिला टीम स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधु ने पहले एकल मुकाबले में मयागमार्तसेरेन गनबातर को 21-3 21-3 से हराकर भारत को अच्छी शुरुआत दिलाई।

दूसरे एकल में अश्मिता चालिहा ने भी एकतरफा मुकाबले में खेरलेन दरखानबातर को 21-2 21-3 से शिकस्त दी।

अनुपमा उपाध्याय ने भी तीसरे एकल में बेहद आसानी से खुलानगू बातर को 21-0 21-2 से हराकर भारत की जीत सुनिश्चित की।

भारत क्वार्टर फाइनल में थाईलैंड से भिड़ेगा।

थाईलैंड की टीम में पूर्व विश्व चैंपियन रतचानोक इंतानोन, दुनिया की 12वें नंबर की खिलाड़ी पोर्नपावी चोचुवोंग और दुनिया की 17वें नंबर की खिलाड़ी सुपानिदा केटथोंग हैं जिससे क्वार्टर फाइनल में भारत की राह आसान नहीं होगी।

सिंधू ने मुकाबले के बाद कहा, यह काफी अच्छी शुरुआत रही। आसान मुकाबला। यहां आने को लेकर मैं बेहद रोमांचित थी और अंततः प्रतियोगिता शुरू हो गई। समय है कि हम अपनी तैयारी जारी रखें।

उन्होंने कहा, टीम स्पर्धा नॉकआउट है इसलिए 3-0 से जीतकर हम अगले दौर में हैं और थाईलैंड से खेलेंगे। इस बार हमारी महिला टीम मजबूत है और महत्वपूर्ण है कि हम इसका फायदा उठाए। हमारे पास अच्छी युगल जोड़ियां भी हैं।

मलेशिया से हार के बावजूद भारतीय महिला स्क्वॉश टीम सेमीफाइनल में

हांगझोउ,28 सितंबर 2023। भारतीय महिला स्क्वाश टीम ने गुरुवार को यहां मलेशिया के खिलाफ अपने अंतिम पूल बी मैच में 0-3 की एकतरफा हार के बावजूद सेमीफाइनल में जगह बनाकर पदक पक्का किया।

मलेशिया और भारत ने पूल में शीर्ष दो स्थान पर रहते हुए सेमीफाइनल में जगह बनाई और अपने पदक पक्के किए। स्क्वाश में सेमीफाइनल में हारने वालों को भी कांस्य पदक मिलता है।

भारत के लिए सबसे पहले जोशना चिनप्पा उतरीं जिन्हें सिर्फ 21 मिनट में मलेशिया की सुब्रमण्यम सिवसंगारी के खिलाफ

6-11, 2-11, 8-11 से हार का सामना करना पड़ा।

दूसरे मुकाबले में तन्वी खन्ना को 2-1 की बढ़त बनाने के बावजूद राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता एइफा बिंटी अजमान के खिलाफ 9-11, 11-1, 7-11, 13-11, 11-5 से हार झेलनी पड़ी।

मुकाबले के अंतिम मैच में 15 साल की अनाहत सिंह को मलेशिया की राशेल मेइ के खिलाफ 7-11, 7-11, 12-14) से हार मिली।

भारत ने इससे पूर्व अपने शुरुआती तीन मुकाबलों में पाकिस्तान, नेपाल और मकाऊ को 3-0 के समान अंतर से हराया था।

मोहित रैना की मुंबई डायरीज 2 की रिलीज तारीख से उठा पर्दा,टीजर भी हुआ जारी

बॉलीवुड अभिनेता मौहित रैना ने कुछ दिन पहले मुंबई डायरीज 26/11 के दूसरे भाग मुंबई डायरीज 2 का ऐलान किया था।यह वेब सीरीज साल 2019 अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई मुंबई डायरीज 26/11 का सीक्वल है।अब इसकी रिलीज की तारीख सामने आ चुकी है। मुंबई डायरीज 2 का प्रीमियर 6 अक्टूबर को अमेजन प्राइम वीडियो पर किया जाएगा।इसके साथ निर्माताओं ने मुंबई डायरीज 2 का टीजर पर रिलीज कर दिया है, जो काफी शानदार है।

अमेजन प्राइम वीडियो ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर मुंबई डायरीज 2 का टीजर जारी किया है। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, मुंबई ऐसे हीरो बनाती है जो तूफानों से भी ज्यादा ताकतवर होते हैं।मुंबई डायरीज 2 में कोंकणा सेन शर्मा, मृण्मयी देशपांडे, सत्यजीत दुबे, श्रेया धनवंतरी, नताशा भारद्वाज और टीना देसाई भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।इसका निर्देशन निखिल अडवाणी ने किया है तो वहीं मोनिशा आडवाणी और मधु भोजवानी फिल्म के निर्माता हैं।

मुंबई डायरीज़ 26/11 एक तेज़ रफ़्तार और बांधकर रखने वाली थ्रिलर सीरीज़ होने के साथ-साथ कई विमर्श भी लेकर चलती है, जिन्हें सरकारी अस्पताल के विभिन्न कर्मचारियों की कहानियों के सब प्लॉट्स के ज़रिए दिखाया गया है। मुस्लिम समुदाय को लेकर पूर्वाग्रह, जातिगत व्यवस्था का दंश और दंभ, अपने नामी डॉक्टर माता-पिता से अलग अपनी पहचान बनाने को तत्पर बेटी, सरकारी अस्पताल में भर्ती ग़रीब मरीज़ों की सस्ती सांसों पर भारी पांच सितारा होटल में मौजूद अमीरों की ज़िंदगी, ब्रेकिंग न्यूज़ की आपाधापी में मीडिया की बेपरवाही, कॉरपोरेट अस्पताल की लग्ज़ूरियस नौकरी छोड़कर असुविधाओं से भरे अस्पताल को चुनने वाला डॉक्टर... ऐसे कई विमर्श हैं, जो मुंबई डायरीज़ 26/11 वेब सीरीज़ के असर को गहरा करते हैं।

फिल्म 2018 एवरीवन इज ए हीरो को ऑस्कर में मिली भारत की तरफ से ऑफिशियल एंट्री

मलयालम फिल्म इंडस्ट्री जमीनी सिनेमा बनाने के लिए जानी जाती है। वहां की फिल्मों के लिए 100 करोड़ क्लब जैसी बातें आम नहीं।ऐसे में इस साल मई में आई मलयालम फिल्म 2018 ने पूरा खेल बदलकर रख दिया। ये सबसे जल्दी 100 करोड़ रुपये कमाने वाली पहली मलयालम फिल्म बनी।अब इसके नाम एक और बड़ी उपलब्धि जुड़ गई है। फिल्म ऑस्कर में कदम रख चुकी है।भारत की तरफ से यह ऑस्कर 2024 के लिए आधिकारिक एंट्री होगी।2018: एवरीवन इज ए हीरो ने बॉक्स ऑफिस पर कई रिकॉर्ड बनाए। अब इस साल ऑस्कर के लिए भारत की ओर से इसी फिल्म को भेजा जाएगा, जो निश्चित रूप से पूरी मलयालम फिल्म इंडस्ट्री के लिए गर्व की बात है।बता दें कि द केरल स्टोरी से लेकर रॉकी और रानी की प्रेम कहानी, मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे, तेलुगु फिल्म बालागम, मराठी फिल्म वालवी, बापल्योक और 16 अगस्त, 1947 (तमिल) सहित करीब 22 फिल्में इस दौड़ में शामिल थीं।2018 में केरल की भयानक बाढ़ ने जनता का बहुत नुकसान किया था। इस आपदा में 450 से ज्यादा लोगों ने अपनी जान गवांई और हजारों लोग बेघर हो गए।1924 के बाद प्रदेश में ऐसी भयंकर बाढ़ आई थी। ज्यूड एंथनी जोसेफ के निर्देशन में बनी 2018 उसी बाढ़ पर आधारित है, जिसे चारों ओर से खूब सराहना मिली।इस फिल्म में अभिनेता टोविनो थॉमस, कनचाको बोबन, आसिफ अली और अपर्णा बालमुरली जैसे नामचीन कलाकार हैं।2018 पहली ऐसी मलायलम फिल्म है, जिसने 100 करोड़ का आंकड़ा सबसे तेज पार किया। मलयालम सिनेमा में सबसे पहले 100 करोड़ कमाने वाली पुलिमुरुगन को ये आंकड़ा पार करने में 36 दिन लगे थे, जबकि लूसिफर ने 12 दिन में 100 करोड़ रुपये कमाए थे।2018 ने सिर्फ 11 दिन में 100 करोड़ी बनकर नया रिकॉर्ड बना दिया था। मलयालम इंडस्ट्री की सबसे कमाऊ फिल्मों में 2018 पहली है, जिसके हीरो मलयालम सुपरस्टार मोहनलाल या ममूटी नहीं हैं।यह फिल्म 5 मई को दर्शकों के बीच आई थी। इसे शुरुआत से टिकट खिड़की पर भरपूर प्यार मिला।अपनी रिलीज के 34वें दिन 2018 ने दुनियाभर में 200 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया था, जिसके बाद यह मलयालम इंडस्ट्री की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई थी।12 करोड़ की लागत में बनी फिल्म 2018 का निर्देशन ज्यूड एंथनी जोसेफ ने किया है। इसकी बढ़ती लोकप्रियता देख इसे हिंदी में भी रिलीज किया गया था।इस साल अप्रैल में ऑस्कर 2024 की घोषणा की गई थी, जिसके मुताबिक इस प्रतिष्ठित पुरस्कार समारोह का आयोजन 10 मार्च, 2024 को होगा। हर साल की तरह डॉल्बी थिएटर में यह खास समारोह होगा और दुनियाभर के 200 देशों में इसका लाइव प्रसारण होगा।ऑस्कर 2023 में फिल्म आरआरआर के गाने नाटू नाटू ने सर्वश्रेष्ठ ओरिजनल सॉन्ग की श्रेणी में ऑस्कर अपने नाम किया था, वहीं गुनीत मोंगा की डॉक्यूमेंट्री द एलिफेंट विस्परर्स ने भी ऑस्कर जीता था।ऑस्कर का असली नाम एकेडमी अवॉर्ड ऑफ मेरिट है। इसकी शुरुआत 16 मई, 1929 को अमेरिका के रूजवेल्ट होटल, मैनहट्टन में हुई थी। यह कार्यक्रम सिर्फ 15 मिनट तक चला था। समारोह से 3 महीने पहले ही विजेताओं के नाम घोषित कर दिए गए थे।

CMYK

मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक पेंशन सहायता योजना का हुआ शुभारंभ

सांसद मल्लिकार्जुन खड़गे एवं मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक पेंशन सहायता योजना का शुभारंभ किया

» इस योजना अंतर्गत दस साल तक पंजीकृत रहे एवं 60 वर्ष की आयु पूरी कर चुके निर्माणी श्रमिकों को जीवन पर्यंत प्रति माह 15 सौ रुपए की पेंशन सहायता दी जाएगी

» सांसद मल्लिकार्जुन खड़गे एवं मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राजीव गांधी किसान न्याय योजना के अंतर्गत 24.52 लाख किसानों को 1895 करो रुपए की तीसरी किश्त जारी की

रायपुर,28 सितम्बर 2023(ए)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष और सांसद मल्लिकार्जुन खड़गे एवं मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक पेंशन सहायता योजना का शुभारंभ किया। इस योजना के अंतर्गत दस साल तक पंजीकृत रहे एवं 60 वर्ष की आयु पूरी कर चुके निर्माणी श्रमिकों को जीवन पर्यंत प्रति माह 15 सौ रुपए की पेंशन सहायता दी जाएगी।

सांसद मल्लिकार्जुन खड़गे एवं मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राजीव गांधी किसान न्याय योजना के अंतर्गत 24.52 लाख किसानों को 1895 करोड़ रुपए की तीसरी किश्त जारी की।

किसानों को सीएम ने दी बधाई

इस मौके पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ महतारी, बाबा गुरुघासीदास, शहीद वीर नारायण सिंह, माता कौशल्या के जयकारे के साथ अपने संबोधन की शुरुआत की। बघेल ने कहा कि 24 लाख 52 हजार किसान के 1895 करोड़ रुपए बटन दबाकर आपके खाते में डाले गए हैं। सभी किसानों के खाते में पैसे पहुंच गए हैं। सभी को बधाई और शुभकामनाएं। उन्होंने गन्ना उत्पादक किसान, गोधन न्याय योजना, श्रम कल्याण योजना के

हितग्राहियों को को भी बधाई दी। उन्होंने बलौदाबाजार के नागरिकों से कहा कि आज आपके जिले में 266 करोड़ रुपए के 264 कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया गया है।

भूपेश बघेल ने कहा कि राजीव गांधी किसान न्याय योजना का पैसा हम हर माह की एक तारीख को देते रहे हैं, लेकिन आपकी सुविधा को ध्यान में रखते हुए आज 28 सितंबर को ही खड़गे जी के हाथ से आपके खाते में पैसे डलवाने का काम हुआ।हमारी सरकार हर वर्ग के हित की सरकार है। हमने पिछले 5 साल में 20 लाख अतिरिक्त राशनकार्ड बनाए हैं, 73 लाख लोगों को चांवल, नमक निःशुल्क दे रहे हैं।

बिजली बिल हाफ योजना का लाभ सभी को

बिजली बिल हाफ योजना का लाभ सबको मिल रहा है। 83 लाख परिवारों को 60 हजार करोड़ से ज्यादा की राशि सब्सिडी के रूप में दे रहे हैं। गोधन न्याय योजना के हितग्राहियों को करोड़ों रुपए, बेरोजगारी भत्ता में 147 करोड़ रुपए हमने पांच माह में दिए। बिलासपुर में 7 लाख आवासों के लिए हितग्राहियों की पहली किश्त 25-25 हजार डालने का काम किया। भेंट-मुलाकात कार्यक्रम में हम प्रदेशभर घूमे सभी को आवास चाहिए, इसके बाद हमने आर्थिक सर्वेक्षण के निर्णय लिया। हमारा उद्देश्य सभी को आवास देने का है।

किसानों के हित में लिया निर्णय

हमने किसानों के हित में निर्णय लिया कि धान 15 से बढ़ाकर 20 क्विंटल खरीदा जाएगा। इसका फायदा हुआ कि 600 नए राइस मिल खुल गए। अगर एक राइस मिल में 1000 लोग भी काम कर रहे हैं तो कुल 60,000 लोगों को रोजगार मिला है।युवाओं के लिए हमने विभिन्न विभागों में 42 हजार से ज्यादा पदों की भर्ती निकाली।

हमने छत्तीसगढ़ की संस्कृति, परंपरा को सहेजने का काम किया है। हमने हर वर्ग के हित में निर्णय लिया, योजनाएं लागू की। पांच साल में पौने दो लाख करोड़ रुपए हमने लोगों के जेब में डालने का काम किया।

छत्तीसगढ़ सहित 5 चुनावी राज्यों में चुनाव की उल्टी गिनती शुरू

रायपुर,28 सितम्बर 2023(ए)। छत्तीसगढ़ सहित 5 चुनावी राज्यों में इलेक्शन की उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है। राजनीतिक पार्टियों के साथ ही इन राज्यों की जनता और पूरा प्रशासनिक अमला चुनाव आयोग की तरफ टकटकी लगाए हुए है। सभी को चुनाव कार्यक्रम के साथ आचार संहिता लागू होने का इंतजार रहा है। इसके साथ ही आचार संहिता को लेकर अटकलों का दौर भी शुरू हो गया है। कुछ लोग कह रहे हैं कि 3 अक्टूबर के बाद आचार संहिता लागू हो सकता है, तो वहीं त्योहारों को देखते हुए इस बार 15 अक्टूबर के बाद आचार संहिता लागू होने की बात कही जा रही है। इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चुनावी राज्यों के दौरा कार्यक्रमों को देखते हुए आचार संहिता लागू किए जाने को लेकर बड़ा संकेत मिल रहा है।

कैसे मोदी के दौरों से मिल रहा संकेत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार चुनावी राज्यों का दौरा कर रहे हैं। पीएम पिछले सप्ताह मध्यप्रदेश और राजस्थान के दौरे पर थे। अब 30 सितंबर को छत्तीसगढ़ आ रहे हैं। इसके बाद 3 अक्टूबर को भी उनका जगदलपुर दौरा प्रस्तावित है। चुनावी राज्यों में दौरे में पीएम मोदी सरकारी कार्यक्रम के साथ ही चुनावी सभाओं में भी शामिल हो रहे हैं। इस बीच पार्टी सूत्रों के अनुसार 7 अक्टूबर को पीएम मोदी का मध्य प्रदेश दौरा

प्रस्तावित है। माना जा रहा है कि चुनावी राज्यों में यह प्रधानमंत्री का अंतिम सरकारी कार्यक्रम होगा। इसके बाद आचार संहिता लागू कर दी जाएगी, ऐसे में पीएम मोदी फिर केवल चुनावी सभाओं और कार्यक्रमों के लिए ही इन राज्यों का दौरा करेंगे। प्रशासनिक सूत्रों का भी दावा है कि 7 अक्टूबर को एमपी मे प्रस्तावित पीएम मोदी का दौरा चुनावी राज्यों में अंतिम सरकारी कार्यक्रम होगा।

2018 के कार्यक्रम के आधार पर 2023 का अनुमान

नेता और प्रशासनिक अफसर 2018 के चुनाव कार्यक्रम के आधार पर 2023 का अनुमान बता रहे हैं। 2018 में दिपावली 7 नवंबर को मनाई गई थी। 2018 में चुनाव आयोग ने चुनाव कार्यक्रम की घोषणा 6 अक्टूबर को की थी, जबकि मतदान दो चरणों में 12 और 20 नवंबर को हुआ था। इस वर्ष 11 नवंबर को दिपावली मनाई जाएगी। ऐसे में आचार संहिता 10 अक्टूबर के आसपास चुनावी कार्यक्रम की घोषणा होने की उम्मीद की जा रही है। मतदान 20 से 30 नवंबर के बीच हो सकता है।

02 अक्टूबर के बाद ही होगा चुनाव कार्यक्रम जारी

छत्तीसगढ़ में अभी मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन नहीं हुआ है। अगस्त में छत्तीसगढ़ के दौरे पर आए मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार ने यहां के राजनीतिक दलों की मांग पर मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन का कार्यक्रम 2 अक्टूबर तक के लिए आगे बढ़ा दिया था। ऐसे में 2 अक्टूबर के पहले चुनाव कार्यक्रमों की घोषणा की कोई संभावना नहीं है।

महिला की ब्लैकमेलिंग से परेशान होकर सीएएफ जवान ने की थी आत्महत्या

कांकेर,28 सितम्बर 2023(ए)। कांकेर के हल्बा चौकी में ड्यूटी पर तैनात जवान ने हाल ही में अपनी सर्विस रिवाल्वर से खुद को गोली मार ली थी। घटना के बाद जवान को अस्पताल ले जाया गया था लेकिन डाक्टरों ने उन्हे मृत घोषित कर दिया।जवान के आत्महत्या मामले की जांच पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों की टीम द्वारा की जा रही थी। डीएसपी अनुराग झा ने मामला का खुलासा करते हुए बताया कि जवान को भिलाई को रहने वाली उसकी पूर्व परिचित महिला द्वारा ब्लैकमेल किया जा रहा था। जिससे परेशान होकर जवान ने अपनी सर्विस रायफल से खुद को गोली मारी थी।ब्लेकमैल का कारण जवान का फोटो महिला के पास था। जिसे वायरल कर बदनाम करने की धमकी लगातार महिला द्वारा दी जा रही थी। यही नहीं महिला जवान से पैसे भी लगातार ले रही थी। महिला से परेशान होकर जवान ने 16 सितम्बर को अपने सर्विस रायफल से गोली मारकर आत्महत्या कर ली थी। पुलिस ने आरोपी महिला को गिरफ्तार कर न्यायायिक रिमांड में जेल भेज दिया है। गौरतलब हो कि जवान धमतरी जिले के रुद्री थाना अंतर्गत का रहने वाला था। जवान का नाम चंद्रशेखर यादव है, जो 15वी वाहनी बीजापुर बी कंपनी में पदस्थ थे।

रिश्वतखोर रेलवे अफसर को 4 साल की सजा

अर्थदंड भी जमा करने के निर्देश

बिलासपुर,28 सितम्बर 2023(ए)। रिश्वत लेते रहेंगे हाथ पकड़े गए रेलवे अधिकारी को अदालत में दो अलग-अलग धाराओं में चार साल की सजा सुनाई है। आरोपी को सीबीआई ने वर्ष 2017 में लिपिक से रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा था। जिसके बाद आरोपी अधिकारी के खिलाफ विवेचना कर चालान अदालत में प्रस्तुत किया गया था। विचारण पश्चात सश्रम कारावास की सजा व अर्थदंड से आरोपी को दंडित किया गया है। पूरा मामला बिलासपुर रेलवे कार्यालय से जुड़ा है। सीनियर डिवीजनल पर्सनल ऑफिस एसईसीआर कार्यालय में प्रमोद कुमार ऑफिस सुप्रीडेंटेड बिल सेक्शन के पद पर पदस्थ थे। उनके खिलाफ मुकेश कुमार ने शिकायत दर्ज करवाई थी। मुकेश कुमार जूनियर क्लर्क के पद पर चीफ क्रू कंट्रोल कार्यालय एसईसीआर बिजुरी जिला अनूपपुर में पदस्थ थे। मुकेश कुमार की रोकी गई सैलरी व एरियर्स राशि तकरीबन डेढ़ लाख रुपए भुगतान के एवज में प्रमोद कुमार ने तीस हजार रुपए की मांग की थी। बाद में भाव ताव के बाद 28 हजार रुपए में प्रमोद कुमार तैयार हो गया था। प्रार्थी मुकेश कुमार से रिश्वत की रकम लेने के दौरान 21 फरवरी 2017 को बिलासपुर रेलवे स्टेशन के पास सिटी बस स्टॉप डिवीजनल कैश पे एंड ऑफिस के सामने आरोपी प्रमोद कुमार को सीबीआई की टीम ने पकड़ा था।आरोपी के विरुद्ध 29 जून 2017 को चालान सीबीआई की विशेष अदालत रायपुर में पेश की गई। 17 जुलाई 2018 को आरोप तय किये गए। अदालत ने 3 अक्टूबर 2018 से मामले का ट्रायल शुरू किया। सीबीआई की तरफ से न्यायालय में आरोपी के

खिलाफ 17 गवाहों को पेश किया गया। ट्रायल के बाद सीबीआई की स्पेशल जज ममता पटेल ने दोष सिद्ध पाते हुए आरोपी प्रमोद कुमार को धारा 7 पीसी एक्ट 1988 में तीन वर्ष सश्रम कारावास व 5 हजार अर्थदंड की सजा सुनाई गई। तथा धारा 13 (1)(डी) सहपठित धारा 13(2) पीसी एक्ट 1988 4 वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनाई गई। दोनों सजायें साथ साथ चलेंगी। अर्थदंड न पटाने पर 6 माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा।

अस्पताल के बाहर करना पड़ा शव का पोस्टमार्टम

धमतरी,28 सितम्बर 2023(ए)। जिले के सिविल अस्पताल में बड़ी लापरवाही का मामला सामने आया है। यहां पोस्टमार्टम के लिए आए एक महिला के शव का पोस्टमार्टम शव परीक्षण कक्ष के बाहर ही कर दिया गया। इसके बाद मृतका के परिजनों ने नाराजगी जाहिर की। वहीं, डॉक्टर ने सुविधाओं की कमी होने की बात कही है। मिली जानकारी के अनुसार, कुरूद थाना क्षेत्र के डही गांव में एक महिला खेत में काम करने गई थी। इस दौरान बारिश होने लगी और बारिश के साथ बिजली भी गिरी। आकाशीय बिजली के चपेट में आकर महिला ममता पटेल की मौत हो गई। मृतका के परिजनों ने उसे एंबुलेंस की सहायता से सिविल अस्पताल पहुंचाया। यहां महिला का पोस्टमार्टम होना था, लेकिन शव प्रशिक्षण कक्ष में जाने के रास्ते में पानी भरा था और अंदर कक्ष में सुविधाओं की कमी के कारण मृतका का पोस्टमार्टम बाहर ही कर दिया गया।

शव परीक्षण कक्ष में सुविधाओं की कमी

सिविल हॉस्पिटल के सर्जन डॉ. हेमराज देवांगन कहना है कि महिला का शव पोस्टमार्टम के लिए आया था, जिसकी आकाशीय बिजली गिरने से मौत हुई थी। महिला के शव का पोस्टमार्टम बाहर ही कर दिया गया। पूछे जाने पर डॉक्टर ने कहा कि शव परीक्षण कक्ष जाने के रास्ते में पानी भरा हुआ था और शव परीक्षण कक्ष में रोशनी की कमी के साथ पानी की व्यवस्था अंदर कक्ष में नहीं है। जहरीले जीव-जंतु निकलने का डर भी बना रहता है, इसलिए महिला का पोस्टमार्टम शव परीक्षण कक्ष के बाहर किया गया है।

धोखाधड़ी मामले में एचसी से बड़ी राहत

एफआईआर रद्द करने का आदेश

बिलासपुर,28 सितम्बर 2023(ए)। राजधानी रायपुर में हुए करोड़ों रुपये के चावल धोखाधड़ी के मामले के महाराष्ट्र के व्यापारियों को हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। हाईकोर्ट ने व्यापारी पिता-पुत्र के खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द करने का आदेश दिया है।

तिल्दा के अमित चावल उद्योग मालिक राजेन्द्र अग्रवाल ने तिल्दा थाने और मोवा के भगवती इंटरप्राइजेज के संचालक प्रशांत शर्मा ने मोवा थाना में धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के मुताबिक 20 जुलाई 2021 को महाराष्ट्र ठाणे स्थित राइस एक्सपोर्टर किआ एग्रो इंडस्ट्रीज प्रा.लि. द्वारा चावल खरीदने के लिए आर्डर मिला था।जिस पर उन्होंने 5996.80 टन

चावल सप्लाई किया जिसकी कीमत तकरीब साढ़े तेरह करोड़ रुपये हुई थी। किआ एग्रो के संचालकों ने 9,38,75,354/- रूपये का भुगतान किया गया जबकि शेष 4,14,78,034/- रूपये की राशि का भुगतान नहीं किया गया। जिस पर प्रशांत शर्मा और राजेन्द्र अग्रवाल की शिकायत पर राजधानी के मोवा और तिल्दा थाना में पिता-पुत्र अनिल कुमार मौर्या और ऋषभ मौर्या के खिलाफ धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज कराई थी।

आरोपियों ने इस मामले में एफआईआर रद्द करने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। मामले में जस्टिस राकेश मोहन पांडे की कोर्ट ने मामले की सुनवाई करते हुए किआ एग्रो के डायरेक्टर पिता-पुत्र के खिलाफ दर्ज एफआईआर रद्द करने का आदेश दिया है।

जनविरोध को देखते हुए भूपेश सरकार का बड़ा फैसला

खैरागढ़ संगीत विवि के रायपुर ऑफ कैंपस स्टडी सेंटर में नहीं चलेंगे डिप्लोमा कोर्स

रायपुर,28 सितम्बर 2023(ए)। खैरागढ़ इंदिरा कला एवं संगीत विश्वविद्यालय के राजधानी में ऑफ कैंपस स्टडी सेंटर में डिप्लोमा कोर्स आरंभ किये जाने के निर्णय को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने निरस्त कर दिया है। खैरागढ़ के निवासियों की जनभावनाओं को देखते हुए विधायक यशोदा वर्मा की मांग पर मुख्यमंत्री ने इस संबंध में निर्णय लिया।

खैरागढ़ विधायक यशोदा वर्मा ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की थी और डिप्लोमा कोर्स रायपुर में आरंभ किये जाने के निर्णय के प्रति खैरागढ़वासियों के विचार से मुख्यमंत्री को चर्चा के दौरान अवगत कराया था।

खैरागढ़ में हुआ विरोध प्रदर्शन

सीएम भूपेश बघेल की बजट सत्र में की गई घोषणा के पालन में उच्च शिक्षा विभाग और कुलपति ने बीते शनिवार को खैरागढ़ संगीत विश्वविद्यालय का अध्ययन केंद्र राजधानी में शुरू किया था। इसका खैरागढ़ में बड़ा तीखा विरोध होने

लगा। यहां तक कि सोमवार शाम मशाल जुलूस निकाल मंगलवार को खैरागढ़ बंद का भी आयोजन किया गया। खैरागढ़ के नागरिक इसे विश्वविद्यालय के अस्तित्व को खत्म करने का तरीका बताते रहे।

राजधानीवासी कुलपति डॉ.मोक्षदा चंद्राकर द्वारा अपनी सुविधा के लिए शुरू करने का भी आरोप लगाया जाने लगा। इस कदम को लेकर खैरागढ़ में राजनीति भी शुरू हो गई थी। इसके विरोध को और तेज करने वाट्सएप ग्रुप भी बनने लगे थे, जो सत्ताधारी कांग्रेस के लिए चुनौती मानी जा रही थी। चुनावी नुकसान को देखते हुए विवि प्रशासन ने सरकार और सीएम भूपेश बघेल को अवगत कराया।

जनभावनाएं सर्वोपरि : बघेल

इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री ने विधायक से बातचीत में कहा कि खैरागढ़ विश्वविद्यालय ललित कलाओं के संरक्षण और इनके विस्तार के लिए हमारी सबसे बड़ी धरोहर है और खुशी इस बात से है कि खैरागढ़ की जनता अपनी इस धरोहर को बहुत स्नेह से सहेजती है। शासन द्वारा कोई भी ऐसा निर्णय नहीं लिया जाएगा जिससे खैरागढ़ की जनता की थोड़ी भी असंतुष्टि झलके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनभावनाएं सर्वोपरि होती हैं। खैरागढ़ की जनता रायपुर के आफ कैंपस स्टडी सेंटर में डिप्लोमा कोर्स आरंभ करने के निर्णय से संतुष्ट नहीं हैं। उनकी संतुष्टि हमारी पहली प्राथमिकता है। रायपुर के आफ कैंपस स्टडी सेंटर में प्रस्तावित डिप्लोमा कोर्स आरंभ नहीं किये जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार खैरागढ़ संगीत एवं कला विश्वविद्यालय के निरंतर विकास के लिए कार्य कर रही है और यहां हर संभव सुविधाएं जुटाने के लिए कार्य कर रही हैं।

महिला सहित 3 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

सुकमा,28 सितम्बर 2023(ए)। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा नक्सलियों के लिए शुरू की गई पुनर्वास योजना से नक्सली काफी प्रभावित हो रहे हैं। नक्सली अब हथियार छोड़कर मुख्यधारा से जुड़ रहे हैं और सरकार की योजनाओं का लाभ लेकर अपने परिवार के साथ नई जिंदगी की शुरूआत कर रहे हैं। नक्सल प्रभावित सुकमा जिले में एक महिला समेत 3 नक्सलियों ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण किया है। समर्पित तीनों नक्सलियों ने छत्तीसगढ़ सरकार की पुनर्वास नीति और सुकमा में चलाए जा रहे पूना नर्कोम अभियान से प्रभावित होकर सरेंडर किया है

तोंगपाल एसडीओपी तोमेश वर्मा ने जानकारी देते हुए बताया, सुकमा और दंतेवाड़ा जिले के सीमावर्ती मार्जुम इलाके में सक्रिय 3 नक्सलियों ने बिना हथियार के एसडीओपी तोंगपाल तोमेश वर्मा और सीआरपीएफ 227 के सहायक कमाण्डेन्ट राजेश कुमार पांडेय के समक्ष सरेंडर किया है। समर्पित नक्सली कवासी चैतो केएमएस सदस्य, माड़वी हांदा आरपीसी कोषाध्यक्ष, माड़वी पोज्जा प्लाटून मिलिशिया सदस्य सभी तोंगपाल क्षेत्र के निवासी हैं।

तोंगपाल एसडीओपी ने बताया कि समर्पित नक्सली तोंगपाल क्षेत्र में लंबे समय से सक्रिय थे. तीनों नक्सलियों के लिए पुलिस की मुखबिरी करते थे. साथ ही सड़क काटना, क्षेत्र में मीटिंग करना, नक्सल सामग्री की सप्लाई करना, संत्री ड्यूटी जैसे कई कामों में शामिल थे. समर्पित तीनों नक्सलियों को छत्तीसगढ़ सरकार की पुनर्वास नीति के तहत मिलने वाले सभी लाभ को जल्द ही मुहैया कराये जाऐंगे।

ट्रेनिंग अफसर का एक पद रखें सुरक्षित,10 दिन में प्रकरण का निराकरण करे विभाग

बिलासपुर,28 सितम्बर 2023(ए)। ट्रेनिंग ऑफिसर की भर्ती को लेकर हाईकोर्ट ने रोजगार एवं प्रशिक्षण विभाग को एक पद सुरक्षित करने का आदेश दिया है। साथ ही प्रकरण का 10 दिन के भीतर निराकरण का निर्देश दिया है। बिलासपुर जिले के तखतपुर निवासी रमाकांत चंद्राकर को ट्रेनिंग ऑफिसर (कंप्यूटर ऑपरेटर और प्रोग्रामिंग असिस्टेंट) के पद पर नियुक्ति हेतु अपात्र किए जाने के विरुद्ध दायर याचिका पर सुनवाई हुई।

धान खरीदी के मुद्दे पर भाजपा-कांग्रेस एक बार फिर आमने-सामने

रायपुर,28 सितम्बर 2023(ए)। 2023 के चुनाव में धान खरीदी ही सबसे बड़ा मुद्दा बनने वाला है। दोनों प्रमुख पार्टियों के नेताओं के बीच धान खरीदी को लेकर बयानबाजी जारी है। वहीं केंद्रीय नेताओं के दौरे से प्रदेश की राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। जहां भाजपा को दूसरी सूची का इंतजार है वहीं कांग्रेस को पहली सूची का इंतजार है।

इंतजार की घड़ी दोनों प्रमुख पार्टियों के नेताओं के लिए किसी परीक्षा से कम नहीं है। दोनों तरफ बैचैनी का आलाम है। वहीं इस इतजार में आप और जकांछ बीच-बीच में किसी नए मुद्दे को लेकर राजनीतिक तकड़ा लगाने में कोई देरी नहीं कर रहे है। टिकट के दावेदारों की गणेश परिक्रमा जारी है। लंबे-लंबे बयान बाजी जारी हो रहे है। नेता अपनी मैदानी उपस्थित दर्ज कराने के बयानों पर बयान पेल रहे है। छोटे से छोटे ने और बड़े से

बड़े नेता लगातर सोशल मीडिया पर डटे हुए है। एक दूसरे को आरोप लगाकर समय बीताने के लिए खेल खेल रहे है।चुनाव से पहले एक बार फिर धान खरीदी के मुद्दे पर भाजपा-कांग्रेस एक बार फिर आमने-सामने हैं। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि भाजपा नहीं चाहती है छत्तीसगढ़ के किसानों से प्रति एकड़ 20 क्विंटल धान की खरीदी हो।

इसीलिए मोदी सरकार ने 86 लाख मीट्रिक टन चावल के कोटे को घटाकर 61 लाख कर दिया है। इस आरोप पर भाजपा ने पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार का झूठ और प्रपंच सबके सामने आ चुका है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि मोदी सरकार एक भी दाना न लें, लेकिन कांग्रेस सरकार किसानों से वादों के मुताबिक धान खरीदेगी। कांग्रेस ने प्रति एकड़ 20 क्विंटल धान खरीदने का लक्ष्य रखा है, जिसमें इस वर्ष 125 लाख मीट्रिक धान की रिकार्ड खरीदी की जाएगी। आने वाले वर्षों में किसानों से 3,600 रुपये प्रति क्विंटल की कीमत पर धान की खरीदी होगी।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)